डूसू चुनाव में एबीवीपी की शानदार.. 02

# राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

फिल्म कॉलेज फेस्ट में दिखाई... 11

वर्ष - 02, अंक - 169 | गाजियाबाद / सोमवार 21 सितंबर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए


संक्षिप्त समाचार

## डिवाइडर से टकराने के बाद वोल्वो कार में लगी आग

### तेलंगाना में मशहूर न्यूरोसर्जन डॉ के जगदीश बाबू जिंदा जले

**सूर्यपेट (एजेंसी)।** तेलंगाना के सूर्यपेट जिले में रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। पिल्लालामरी के पास एनएच-365पर खम्मम के मशहूर न्यूरोसर्जन डॉ के जगदीश बाबू की वोल्वो कार सड़क के डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर के तुरंत बाद कार में आग लग गई। कार में आग लगने से डॉक्टर की जलकर मौत हो गई। यह हादसा सुबह करीब 7.15 बजे हुआ। बताया जा रहा है कि डॉ.

जगदीश बाबू खम्मम से हैदराबाद जा रहे थे। वहां उनका परिवार रहता है। खम्मम रूरल सर्किल इंस्पेक्टर जी राजशेखर के अनुसार, शुरुआती जांच में पुलिस को आशंका है कि नींद पूरी न होने के कारण चालक का कार पर नियंत्रण बिगड़ा होगा। इसके बाद कार डिवाइडर से टकरा गई। पुलिस के मुताबिक, टक्कर के साथ ही कार में आग लग गई और कुछ ही मिनटों में आग ने पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया। डॉक्टर अंदर फंस गए और उनकी मौके पर ही जलकर मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। आग की वजह से शव बुरी तरह जल गया था जिसके चलते पहचान करना मुश्किल हुआ।

## सिया ने दोस्त की फोटो लगाकर फेक इंस्टा-आईडी बनाई

### बर्थडे सरप्राइज के बहाने मंगेतर को लोहगढ़ किले बुलाया

**पुणे (एजेंसी)।** केतन अग्रवाल हत्या मामले में पुणे पुलिस ने 5,053 पन्नों की चार्जशीट दाखिल कर दी है। इसके मुताबिक आरोपी सिया गोयल ने चेतन और रितेश के साथ मिलकर फेक इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया था। जिसके जरिए केतन को लोहगढ़ बुलाया गया था। पुलिस के मुताबिक इंस्टा अकाउंट में परिचित महिला की फोटो लगाई थी। इससे

केतन को मैसेज किया गया। उसे 18 जून को मंगेतर सिया के सरप्राइज बर्थडे के नाम पर लोहगढ़ बुलाया गया। घटना के बाद इसे डिलीट कर दिया गया। चार्जशीट के मुताबिक, आरोपियों ने हत्या से जुड़ी फिल्में देखीं, साजिश के लिए चैट जीपीटी का इस्तेमाल किया और पुलिस से बचने के तरीकों पर पॉडकास्ट सुने। सिया गोयल, चेतन चौधरी और रितेश हांगे तीनों आरोपी न्यायिक हिरासत में हैं। तीनों पुणे की यरवदा सेंट्रल जेल में बंद हैं। सिया और केतन 18 जून को पुणे के लोहगढ़ किले पर घूमने गए थे। इसी दौरान केतन की गिरने से मौत हो गई।

# बस्तर के जंगल में घुसी पुलिस तो फटी रह गईं 'आंखें'

- जमीन के भीतर गड़ा मिला नक्सलियों का बड़ा खजाना

**एके-47 के साथ ड्रम में भरकर रखे थे सोने के बिस्किट**

**रायपुर (एजेंसी)।** छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बस्तर संभाग में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। कड़े एंटी-नक्सल अभियानों के दौरान पुलिस ने जंगलों में बने नक्सलियों के कई गुप्त ठिकानों से भारी मात्रा में सोना बरामद किया है। पिछले दो सालों में पुलिस ने कम से कम 8 किलो सोना जब्त किया है, जिसमें से अधिकांश हालिया महीनों में बिस्कुट के रूप में मिला है। यह सोना बीजापुर जिले के बासागुड़ा और कुटरू तथा दंतेवाड़ा के बारसूर जैसे दूर-दराज के इलाकों में जमीन के नीचे प्लास्टिक के ड्रमों और बर्तनों में छुपाकर रखा गया था। **नोटबंदी के डर से सोने में बदल रहे थे काला धन-** एंटी-नक्सल अभियानों के प्रभारी अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विवेकानंद ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि नोटबंदी के अनुभव के बाद नक्सलियों को यह समझ आ गया था कि भविष्य में ऐसे किसी भी आर्थिक झटके से बचने के लिए नकदी को सुरक्षित रखना जोखिम भरा है। यही वजह है कि उन्होंने अपने पैसे को सुरक्षित रखने के लिए सोने में निवेश करना शुरू कर दिया। नक्सलियों को यह पता चल गया था कि सोना एक तरल संपत्ति है।

### पैसे की जगह इस्तेमाल करते थे सोने के सिक्के

पुलिस के मुताबिक, कई मौकों पर तो नकदी के बजाय सीधे अपने खास नेताओं या कैडर्स को खर्च चलाने के लिए सोने का बिस्कुट थमाया जाता था। हालांकि, सुरक्षा एजेंसियों के लिए इन सभी डंप तक पहुंचना आसान नहीं है। कई गुप्त ठिकानों की जानकारी केवल केंद्रीय समिति के कुछ चुनिंदा शीर्ष नेताओं को ही थी, जिनमें से कई मारे जा चुके हैं। अब पुलिस पपा राव जैसे आत्मसमर्पण कर चुके कमेटी के कैडर्स की मदद से बाकी बचे डंपों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

# राहुल गांधी को अपनी पार्टी छोड़कर स्टैंड-अप कॉमेडियन बनना चाहिए

- महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस का बड़ा अटैक

**नागपुर (एजेंसी)।** इंदौर में राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम के दौरान की गई मिमिक्री को लेकर महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने उन पर निशाना साधा है। फडणवीस ने नागपुर मीडिया से बातचीत के दौरान राहुल गांधी और कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जो मिमिक्री कर रहे हैं, मैं तो ऐसा मानता हूं कि राहुल गांधी जी को पार्टी को छोड़कर स्टैंड-अप कॉमेडियन बनना चाहिए। क्योंकि उनकी पार्टी को तो उन्होंने बेरोजगार कर दिया है। अब कम से कम स्टैंड-अप कॉमेडियन का रोजगार उन्हें मिले। बता दें कि राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के तौर-तरीकों और सार्वजनिक रूप से उनके पेश आने वाले अंदाज की मिमिक्री की गई थी। परफॉर्मर ने पीएम मोदी की खास हंसी, हाथों के इशारों और लोगों का अभिवादन करने और गले मिलने के तरीके की नकल की। यह एक्ट राहुल गांधी के संबोधन वाले छात्रों पर केंद्रित कार्यक्रम के दौरान हुआ।

## सीपीएम दफ्तरों में तोड़फोड़, पूर्व एमएलए के घर पर भी हमला

### कोलकाता के जादवपुर में हिंसा, अज्ञात बाइक सवारों ने किया खेला

**कोलकाता (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के जादवपुर इलाके में रविवार को भारी हिंसा और तोड़फोड़ की खबर सामने आई है। मोटरबाइक पर सवार अज्ञात उपद्रवियों के एक झुंड ने सीपीएम के कई पार्टी दफ्तरों को निशाना बनाया और पूर्व तृणमूल कांग्रेस विधायक देबब्रत मजूमदार के घर व पार्टी ऑफिस पर भी हमला कर दिया। पुलिस के मुताबिक, कोलकाता नगर निगम के 6 अलग-अलग वार्डों वार्ड संख्या 96, 99, 101, 102, 105 और 106 में सीपीएम के दफ्तरों में तोड़फोड़ की गई है। उपद्रवियों ने सीपीएम के पार्टी झंडों को नोंचकर जमीन पर फेंक दिया और कई जगहों पर शहीदों की वेदी को भी नुकसान पहुंचाया। इतना ही नहीं सबसे ज्यादा तनाव वार्ड नंबर 96 में देखने को मिला, जहां पूर्व टीएमसी विधायक देबब्रत मजूमदार का घर और पार्टी ऑफिस स्थित है।

# कफ सिरप की बोतलों पर छपेगी 'लाल रंग' में चेतावनी

- चार साल से कम उम्र वाले बच्चों को देना होगा वर्जित

**लेबल पर स्कूल जाने वाले बच्चों की तस्वीर का प्रस्ताव**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** देश में बच्चों की सेहत और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार एक अहम कदम उठाने जा रही है। इसके तहत जल्द ही कफ सिरप की बोतलों पर लाल रंग में यह स्पष्ट चेतावनी लिखी होगी कि यह दवा 4 साल से कम उम्र के बच्चों को नहीं दी जानी चाहिए। केंद्रीय दवा नियामक ने इसके लिए लेबलिंग नियमों में बदलाव का प्रस्ताव तैयार किया है।

बता दें कि दवा नियामक के प्रस्ताव के मुताबिक, कफ सिरप की हर बोतल पर 65 फीसदी हिस्से में लाल रंग से यह चेतावनी साफ-साफ शब्दों में लिखी जाएगी कि इस दवा का इस्तेमाल 4 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए न किया जाए। इसके अलावा, यह भी प्रस्ताव है कि सिरप के लेबल पर स्कूल जाने की उम्र के बच्चों की एक तस्वीर भी लगाई जाए, ताकि माता-पिता आसानी से समझ सकें। इस बदलाव को लागू करने के लिए सरकार को 'ड्रग्स रूल्स, 1945' के नियम 96 में संशोधन करना होगा। फिलहाल इस प्रस्ताव को 'ड्रग्स कंसल्टेटिव कमेटी' के सामने विचार के लिए रखा गया है। गौरतलब है कि छोटे बच्चों को सर्दी-खांसी की दवाएं दिए जाने और उसके बाद सामने आने वाली शिकायतों को देखते हुए सरकार ने यह फैसला लिया है। अक्टूबर 2025 में सख्त निर्देश जारी किए गए थे कि बच्चों को सिरप न दें।

## पुल से उड़ी,हवा में पलटी और कंस्ट्रक्शन साइट पर जा गिरी

- मुंबई में बीएमडब्ल्यू कार फ्लाईओवर से 75 फीट नीचे गिरी
- 3 लोगों की मौत,1 घायल; चारों की उम्र 17 से 23 के बीच

**मुंबई (एजेंसी)।** मुंबई के कोस्टल रोड पर रविवार सुबह करीब 5.20 बजे तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू फ्लाईओवर से करीब 75 फीट नीचे जा गिरी। हादसे में कार सवार तीन युवकों की मौत हो गई। एक युवक गंभीर रूप से घायल है। चारों की उम्र 17 से 23 के बीच थी। बीएमडब्ल्यू मरीन ड्राइव से हाजी अली की ओर जा रही थी। पुलिस के मुताबिक, तेज रफ्तार के कारण ड्राइवर ने कार पर से नियंत्रण खो दिया। इसके बाद कार डिवाइडर से टकराई और नीचे गिर गई। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। मृतकों की पहचान शनाय गज्जल (21), आदित्य जकसानिया (19) और धैर्य सेठ (17) के रूप में हुई है। घायल युवक की पहचान आदित्य ओसवाल (23) के तौर पर हुई है।

## 308 पहिए,200 टन वजन और बेल्जियम से यूपी का सफर!

**बिहार की सड़क पर उतरा 'जॉयंट ट्रक', रोकनी पड़ गई रेलगाड़ी**

**पटना (एजेंसी)।** बिहार के औरंगाबाद जिले स्थित बारुण में उस वक्त कौतूहल की स्थिति बन गई, जब 308 पहियों वाला एक विशालकाय ट्रक सड़क पर आ पहुंचा। ये ट्रक बेल्जियम से समुद्र के रास्ते ओडिशा पहुंचा था और वहां से सड़क मार्ग के जरिए उत्तर प्रदेश के बलरामपुर स्थित चीनी मिल में 200 टन वजनी शुगर मिल वेसल ले जा रहा था। अत्यधिक ऊंचाई और बड़े आकार के कारण यह रेलवे ओवरब्रिज के नीचे से नहीं निकल पा रहा था। इसे सुरक्षित निकालने के लिए रेलवे और तकनीकी टीमों को स्पेशल सर्विस लेन बनाने और बिजली के तार हटाने जैसे इंतजाम करने पड़े। ये भारी-भरकम शुगर मिल वेसल समुद्री मार्ग से भारत लाया गया था। इतने भारी कंसाइनमेंट को सड़क मार्ग से निकालना एक बड़ी चुनौती थी।

- **सुरक्षित रास्ते के लिए उठाए गए विशेष कदम-** कंसाइनमेंट को निकालने के लिए रेलवे की बिजली आपूर्ति को अस्थायी रूप से बंद किया गया। रास्ते में बाधा बन रहे बिजली के तारों और कुछ पुलों के हिस्सों को अस्थायी रूप से हटाया गया। ओवरब्रिज के नीचे से सुरक्षित निकासी के लिए एक विशेष सर्विस लेन तैयार की गई। पूरी प्रक्रिया के दौरान तकनीकी विशेषज्ञ और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी मौके पर मुस्तैद रहे।

- आकाश की तरह शादी के बाद बदल सकती है,ईशान को आगे बढ़ाऊंगी

# मायावती फिर पलटीं,बोलीं-भतीजी को पार्टी नहीं सौंपूंगी

**लखनऊ (एजेंसी)।** बसपा सुप्रीमो मायावती के परिवार में सियासी कलह बढ़ती जा रही है। वह फिर अपने बयान से पलट गई हैं। अब भतीजी दीपिका आनंद को भी पार्टी की जिम्मेदारी सौंपने से इनकार कर दिया है। साथ ही आकाश के छोटे भाई ईशान को आगे बढ़ाने का फैसला लिया है। मायावती ने रविवार को एक्स पर लिखा- आकाश अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ के प्रभाव में पूरी तरह आ चुके हैं। ऐसे में उन्हें दोबारा पार्टी में लेना पार्टी के साथ बड़ा विश्वासघात होगा। मैं ऐसा गलत काम कदापि नहीं करूंगी। मायावती ने कहा-भतीजी का शादी के बाद मामला भी अगर आकाश आनंद की तरह ही निकला तो यह पार्टी हित में सही नहीं होगा। इसलिए दोनों को पार्टी की जिम्मेदारियों से दूर रखा जाएगा। अब इस फैसले में बदलाव नहीं होगा। अब इन दोनों की जगह आनंद कुमार के परिवार से केवल ईशान को ही पार्टी में जिम्मेदारी देकर आगे बढ़ाया जाएगा। 7 दिन पहले मायावती ने भतीजी दीपिका आनंद को पार्टी की कमान सौंपने के संकेत दिए थे। कहा था- अगर भाई आनंद कुमार को मदद के लिए किसी सदस्य की जरूरत पड़ती है, तो वह अपनी इकलौती बेटी दीपिका की मदद ले सकते हैं।

### आनंद कुमार के आग्रह पर आकाश को आगे किया था

मायावती ने कहा- आनंद कुमार के विशेष आग्रह पर मुझे उनके बड़े बेटे आकाश आनंद को राजनीति में आगे करना पड़ा। शादी के बाद आकाश आनंद का रवैया और गतिविधियां ऐसी रहीं, जिसकी वजह से कुछ दिन पहले उन्हें पार्टी से अलग करना पड़ा। ऐसे में आनंद कुमार के परिवार में से किसे पार्टी में आगे किया जाए या नहीं, यह मेरे लिए पिछले कुछ समय से दुविधा का विषय था। बसपा सुप्रीमो ने कहा- मैंने फैसला लिया है कि आनंद के परिवार से ऐसे सदस्य को आगे किया जाए, जो आकाश के रास्ते पर बिल्कुल न चले। ऐसे में ईशान आनंद को ही पार्टी में सम्मानजनक जिम्मेदारी देकर आगे बढ़ाया जाएगा। अभी तक लगता है कि उनका आकाश आनंद और उनकी बहन की तरह पार्टी विरोधी गतिविधियों से कोई संबंध नहीं रहेगा। हालांकि, आगे क्या होगा, यह अभी नहीं कहा जा सकता। अगर उन्होंने भी पार्टी विरोधी कोई गंभीर काम किया तो उन्हें भी पार्टी से बाहर कर दिया जाएगा। ऐसी स्थिति में आनंद कुमार के परिवार के किसी अन्य सदस्य को पार्टी में कोई छोटी-बड़ी जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी। इसके बजाय पार्टी में काम कर रहे दलित वर्ग के किसी मिशनरी और वफादार कार्यकर्ता को आगे बढ़ाया जाएगा।

## यूक्रेन का मॉस्को पर अब तक का सबसे बड़ा हमला

- रूस में संसदीय चुनाव के बीच दागे 1000 से ज्यादा ड्रोन

**मॉस्को (एजेंसी)।** यूक्रेन की सेना ने रात भर रूस को निशाना बनाकर 1,000 से अधिक ड्रोन हमले किए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। रूस की राजधानी मॉस्को के मेयर ने बताया कि यह मॉस्को पर ''अब तक का सबसे बड़ा'' हमला है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसके बलों ने पूरे देश के साथ-साथ रूस के कब्जे वाले यूक्रेनी प्रायद्वीप क्रीमिया और काला सागर के जलक्षेत्र में यूक्रेन के 1,100 ड्रोन मार गिराए।

- **यूक्रेन के कब्जे वाले इलाकों में भी चुनाव-** रूस के संसदीय चुनाव में पहली बार उन क्षेत्रों के निवासी भी शामिल हो रहे हैं, जिन पर मॉस्को ने यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर हमला शुरू करने के बाद कब्जा कर लिया था। यह रूस के राष्ट्रपति के आधिकारिक कार्यालय 'क्रेमलिन' द्वारा अपने कब्जे वाले क्षेत्रों पर नियंत्रण मजबूत करने के प्रयासों का हिस्सा है।

# भारत 2030 तक बनाएगा 'हाई स्पीड' बुलेट ट्रेन

**● 350 किलोमीटर प्रतिघंटा होगी इस ट्रेन की रफ्तार ● जापान की ई-10 सीरीज ट्रेनों को देगी यह टक्कर**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत 2030 तक 350 किमी/घंटा (बी 35) की डिजाइन स्पीड वाली स्वदेशी हाई-स्पीड या बुलेट ट्रेन बनाएगा। ये ट्रेनें जापान की अगली पीढ़ी की ई10 सीरीज की ट्रेनों जैसी होंगी, जिनका प्रोडक्शन भी उसी साल शुरू होना है। यह प्रस्ताव मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल प्रोजेक्ट की बदली हुई लागत को मंजूरी देने के लिए था। रेलवे मंत्रालय के कैबिनेट ने प्रोजेक्ट की बदली हुई लागत को मंजूरी दे दी है और ये लागत 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है। यह 2015 में तैयार किए गए शुरुआती अनुमान से लगभग दोगुना है। बढ़ी हुई लागत में से लगभग 1 लाख करोड़ रुपये का खर्च बजट से पूरा किया जाएगा। कैबिनेट को बताया है कि उसने बी 35 ट्रेनें बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह कदम तब उठाया गया जब जापान ने दिसंबर 2024 में बताया कि मौजूदा ई 5 सीरीज की ट्रेनों का प्रोडक्शन धीरे-धीरे बंद किया जा रहा है। इसमें बताया गया है कि जापान ने संकेत दिया है कि ई 10 ट्रेनों का प्रोडक्शन 2030 में शुरू होगा और वे 2034 तक ऑपरेशन के लिए तैयार हो जाएंगी। अधिकारियों ने कहा कि ई 10 ट्रेनों के उपलब्ध होने पर उन्हें चलाने पर विचार किया जाएगा।

**भारत खुद डेवलप करेगा अपना सिस्टम-** मंत्रालय ने कहा है कि देश में बनी बी 28 हाई-स्पीड ट्रेनों का मैन्युफैक्चरिंग शुरू कर दी गई है और भारत अपना खुद का भारत ट्रेन कंट्रोल सिस्टम भी विकसित करेगा। यह कदम चीन के अपने सीटीसीएस सिग्नलिंग और ट्रेन कंट्रोल सिस्टम जैसा ही है, जो पारंपरिक और हाई-स्पीड रेल नेटवर्क पर स्पीड, ट्रेनों के बीच की दूरी और सुरक्षा को मैनेज करता है।

### शुरुआत में चलेंगी बी28 ट्रेनें

भविष्य में आने वाली जापानी ट्रेनों को छोड़कर, प्रोजेक्ट की मौजूदा लागत लगभग 399 करोड़ रुपये प्रति किलोमीटर बैठती है। शुरुआत में मुंबई-अहमदाबाद कॉरिडोर पर बी 28 ट्रेनें चलेंगी जिनकी डिजाइन स्पीड 280 किमीप्रतिघंटा होगी, जबकि उनकी ज्यादा से ज्यादा ऑपरेटिंग स्पीड 249 केएमपीएच होगी। बीईएमएल को 32 बी 28 ट्रेनें बनाने का कॉन्ट्रैक्ट मिला है। उम्मीद है कि 2027 की पहली तिमाही तक ट्रायल रन के लिए दो प्रोटोटाइप ट्रेनें तैयार हो जाएंगी। बीईएमएल ने शुक्रवार को बीएसएफ को बताया कि उसे 15 और बी 28 ट्रेनें बनाने के लिए 5,400 करोड़ रुपये का एक अलग कॉन्ट्रैक्ट मिला है। पूरे 508 किमी. लंबे मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर को दिसंबर 2030 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है।

# एसआईआर में मतदाताओं के नाम हटाना बड़े पैमाने की ''शाह इंस्टीगेटेड रिमूवल''

## -जयराम रमेश ने लगाए आरोप कहा- इस तरह की प्रक्रिया ''संविधान पर हमला''

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कांग्रेस ने रविवार को निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर के दौरान बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने का मुद्दा उठाया और आरोप लगाया कि एसआईआर वास्तव में मतदाताओं के नाम हटाने की एक बड़े पैमाने की ''शाह इंस्टीगेटेड रिमूवल'' यानी शाह के इशारे पर मतदाताओं के नाम हटाने की प्रक्रिया और ''संविधान पर हमला'' है। कांग्रेस ने कहा कि इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि कई राज्यों में बड़े पैमाने पर हटाए गए नामों में सबसे ज्यादा संख्या समाज के आर्थिक और सामाजिक रूप से सबसे कमजोर और वंचित वर्गों से आने वाले मतदाताओं की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने जून 2025 में बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण की पहले चरण की प्रक्रिया शुरू की थी। इसके बाद नवंबर 2025 में नौ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में दूसरा चरण शुरू किया गया। रमेश ने कहा कि चरण-1 और चरण-2 में 7.8 करोड़ मतदाताओं के नाम हटा दिए गए। उन्होंने कहा कि एसआईआर से पहले की मतदाता सूची में दर्ज कुल नामों में से 13 फीसदी नाम हटा दिए गए हैं। रमेश ने कहा कि तीसरे चरण की शुरुआत 2026 के मध्य में 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में हुई। उन्होंने बताया कि तीसरे चरण में अब तक 12 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक कुल 36.06 करोड़ मतदाताओं में से 6.18 करोड़ के नाम हटा दिए गए हैं।

रमेश ने कहा कि नाम हटाए जाने की दर 17 प्रतिशत से अधिक है। इसके अलावा 5.43 करोड़ मतदाताओं को अतिरिक्त दस्तावेज पेश करने के लिए नोटिस जारी किए हैं, ताकि मतदाता सूची में उनके नाम बरकरार रखे जा सकें। इससे नाम हटाए जाने का जोखिम और 15 फीसदी बढ़ जाता है। यह असामान्य रूप से बड़ा अनुपात है, जो पूरी एसआईआर प्रक्रिया में संरचनात्मक खामियों को दर्शाता है। उन्होंने सवाल किया कि इतने बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने के बाद भी इतने ज्यादा मतदाताओं को अपने नाम ''सत्यापित'' कराने की जरूरत कैसे पड़ रही है।

## रोबोट कर रहा भगवान गणेश की आरती

राजकोट (एजेंसी)। गणेश उत्सव मे तकनीक और आस्था का अनोखा संगम देखने को मिला। एक मंदिर में रोबोट द्वारा भगवान गणेश की आरती किए जाने का वीडियो श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। रोबोट को इस तरह तैयार किया गया है, वह आरती की थाली हाथ में लेकर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार भगवान गणेश के सामने आरती करता है। आरती के दौरान मंदिर में मौजूद श्रद्धालु भक्ति भाव से पूजा में शामिल होकर रोबोट द्वारा आरती करने पर उत्साहित होते हैं. आयोजन से जुड़े लोगों का कहना है कि इसका उद्देश्य आधुनिक तकनीक के माध्यम से नई पीढ़ी को धार्मिक परंपराओं से जोड़ना है। कुछ लोगों ने इसे परंपरा और तकनीक के नए मेल के रूप में देखा है।

## बिहार में 1400 करोड़ के टेंडर में घोटाले का आरोप, तीन बार बदली नियम-शर्तें

पटना (एजेंसी)। बिहार में करीब 1400 करोड़ रुपए के एक बड़े टेंडर को लेकर अनियमितता के आरोप सामने आए हैं। आरोप है, टेंडर प्रक्रिया के दौरान नियम और शर्तों में तीन बार बदलाव किया गया। इससे प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं। शिकायतकर्ताओं का कहना है, बार-बार शर्तें बदलने से एक चुनिंदा कंपनी को फायदा पहुंचाने की संभावना बनी है. अन्य संभावित बोलीदाताओं के लिए प्रतिस्पर्धा प्रभावित हुई है। मामले में टेंडर की पूरी प्रक्रिया, नियमों में किए गए बदलाव और उनके आधार की जांच की मांग की गई है। सवाल यह भी उठ रहा है कि इतनी बड़ी राशि के टेंडर में शर्तों में बदलाव की जरूरत क्यों पड़ी.प्रत्येक संशोधन को किस स्तर पर मंजूरी दी गई। संबंधित विभाग से दस्तावेज सार्वजनिक कर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की गई है। आरोपों की स्वतंत्र जांच के बाद ही स्पष्ट होगा, नियमों का उल्लंघन हुआ या नहीं।

## सुरक्षा बलों ने छह को हिरासत में लिया, ग्रामीणों ने किया हिंसक प्रदर्शन

### -प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने छोड़े आंसू गैस के गोले, कई घायल

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में सुरक्षा बलों ने छह ग्रामीणों को हिरासत में लिए जाने के विरोध में कुकी समुदाय के कुछ लोगों ने हिंसक प्रदर्शन किया। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि शनिवार रात मोटबुंग और आसपास के इलाकों में शुरू हुआ यह प्रदर्शन आधी रात तक जारी रहा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर टायर जलाए और सरकारी वाहनों पर पथराव किया। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि खोलेन के छह ग्रामीणों को सुरक्षा बलों ने बिना कोई कारण बताए हिरासत में लिया है। जिले में नगा बहुल चावांगकिंग गांव के पास स्थित खोलेन गांव पर हाल में सशस्त्र उपद्रवियों ने हमला किया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले दागे।

प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों के वाहनों की आवाजाही रोकने के लिए भारी निर्माण उपकरणों का इस्तेमाल कर मोटबुंग में राष्ट्रीय राजमार्ग-2 के कुछ हिस्सों को भी खोद दिया। उन्होंने बताया कि प्रदर्शन के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों को चोटें आईं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हिरासत में लिए गए ग्रामीणों को बाद में सुरक्षा बलों ने रिहा कर दिया, जिसके बाद प्रदर्शन खत्म हुआ। उन्होंने बताया कि स्थिति अब नियंत्रण में है।

## 10 हजार करोड़ का लोहा चोरी का दावा

दुर्ग-भिलाई (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ की भिलाई स्टील प्लांट में हुई लोहा चोरी मामले में एक नया दावा किया जा रहा है। विधायक रिकेश सेन ने कहा कि प्लांट में पिछले 40 साल में करीब 10 हजार करोड़ रुपए का लोहा चोरी हुआ है। हालांकि, पुलिस की ओर से इस आंकड़े की पुष्टि नहीं हुई है। विधायक ने कहा कि करोड़ों का लोहा चुराने वाले आरोपी को सीबीआई ही पकड़ सकती है, उन्होंने सीबीआई जांच की मांग की। आरोप है कि इस मामले में कई बड़े जनप्रतिनिधि और बीएसपी-सीआईएसएफ के कुछ अधिकारी भी जांच के दायरे में आ सकते हैं। 2 दिन पहले इस मामले में रसमड़ा फैक्ट्री के मैनेजिंग डायरेक्टर विनोद कुमार गर्ग और डायरेक्टर संदीप कुमार सिंह की गिरफ्तारी की गई है। अब तक इस मामले में 21 आरोपी गिरफ्तार हुए हैं। जिनमें 3 जमानत पर बाहर हैं। 5 को अग्रिम जमानत मिल गई है।

## गणपति पंडाल के पास करंट से 2की मौत

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के लालबाग इलाके में गणपति पंडाल के पास रविवार देर रात करंट लगने की घटना में 8 साल की बच्ची समेत 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 लोग घायल हुए हैं। घटना रात करीब 2:20 बजे कालाचौकी के दत्ताराम लाड मार्ग पर हुई, जहां गणपति उत्सव के चलते बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। घटना की सूचना सुबह 2:42 बजे मुंबई फायर ब्रिगेड को मिली। इसके बाद फायर ब्रिगेड, पुलिस, बेस्ट और नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची। घायलों को मसिना अस्पताल और ग्लोबल अस्पताल ले जाया गया।

## तमिलनाडु में अब शराब की दुकानों पर होगा ड्रेसकोड, 15 नवंबर से वर्दी पहनना अनिवार्य

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु सरकार शराब दुकानों में काम करने वाले टीएएसएमएसी कर्मचारियों को अब तय वर्दी पहननी होगी। सरकार के आदेश के मुताबिक 15 नवंबर से दुकान के कामकाज के दौरान निर्धारित वर्दी पहनना जरूरी होगा। इसका मकसद सभी दुकानों में कर्मचारियों का पहनावा एक जैसा और व्यवस्थित रखना है। सरकार ने हर कर्मचारी के लिए सालाना 6,000 रुपए का वर्दी भत्ता भी मंजूर किया है। इस रकम से कर्मचारियों को वर्दी के तीन जोड़े तैयार कराने होंगे। सरकारी आदेश के मुताबिक दुकान के पर्यवेक्षक हल्के नीले रंग की कमीज और गहरे नीले रंग की पैंट पहनेंगे। वहीं, बिक्री कर्मचारियों और सहायक बिक्री कर्मचारियों के लिए बेज रंग की कमीज और गहरे भूरे रंग की पैंट तय की गई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सभी कमीजों पर बाईं छाती की तरफ टीएएसएमएसी का चिन्ह लगा होना जरूरी है। कमीज को पैंट के अंदर या बाहर, दोनों तरह से पहना जा सकता है।

सभी जिलों में वर्दी के रंग और कपड़े में एकरूपता रखने के लिए कर्मचारियों को तय कपड़ा ही खरीदना होगा। इसके लिए उन्हें अपने जिले के मुख्यालय में स्थित सरकारी कॉ-ऑप्टेक्स दुकानों से मंजूर कपड़ा खरीदने को कहा गया है। कर्मचारियों को 31 अक्टूबर तक कपड़ा खरीदना होगा, जबकि वर्दी की सिलाई 10 नवंबर तक पूरी करनी होगी। अधिकारी ने बताया कि 15 नवंबर 2026 से काम के समय तय वर्दी पहनना अनिवार्य होगा। टीएएसएमएसी अधिकारियों के मुताबिक नवंबर के बीच दुकानों का निरीक्षण शुरू किया जाएगा। अगर कोई कर्मचारी वर्दी का भत्ता लेने के बाद बिना उचित वजह के वर्दी नहीं बनवाता या उसे नहीं पहनता है, तो उससे दी गई रकम वापस ली जा सकती है।

## मेडिकल स्टोर के बाहर पुलिस को देखकर भागा संदिग्ध, तलाशी में मिली 566 नशीली कैप्सूल-गोलियां

**हरिद्वार (शिखर समाचार)।** नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत पथरी पुलिस ने एक युवक को 566 प्रतिबंधित ट्रामाडोल और अल्प्राजोलम कैप्सूल-गोलियों के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार ग्राम ऐथल क्षेत्र में मेडिकल स्टोरों के आसपास चेकिंग के दौरान संदिग्ध युवक पुलिस को देखकर भागने लगा। टीम ने तत्परता दिखाते हुए उसे पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से बड़ी संख्या में प्रतिबंधित नशीली दवाएं बरामद हुईं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जनपद में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थानाध्यक्ष पथरी ने अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन कर संदिग्ध व्यक्तियों और स्थानों पर निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए थे। पुलिस टीम लिंक रोड, गांव-कस्बों को जोड़ने वाली चकरोडों, हाईवे और अन्य स्थानों पर लगातार चेकिंग कर रही थी।

इसी दौरान ग्राम ऐथल में मेडिकल स्टोर के बाहर एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। पुलिस टीम ने उसे पूछताछ और जांच के लिए रोकने का प्रयास किया तो वह मौके से भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक तलाशी में 566 प्रतिबंधित ट्रामाडोल और अल्प्राजोलम कैप्सूल-गोलियां बरामद हुईं। पूछताछ में आरोपी बरामद दवाओं के संबंध में संतोषजनक जवाब नहीं दे सका।

पुलिस ने आरोपी की पहचान तौफीक पुत्र अल्लादिया, निवासी ग्राम ऐथल, थाना पथरी, हरिद्वार के रूप में की है। उसके खिलाफ मुकदमा संख्या 479/2026 के तहत एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/22 में अभियोग दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

कार्रवाई करने वाली टीम में उपनिरीक्षक महेन्द्र पुंडीर, सहायक उपनिरीक्षक प्रमोद कुमार, कांस्टेबल नारायण सिंह और कांस्टेबल मनोज कुमार शामिल रहे।

## किशोर न्याय अधिनियम के दस वर्ष पूरे, बाल संरक्षण व्यवस्था मजबूत करने पर हुआ मंथन

**हरिद्वार (शिखर समाचार)।** किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 के क्रियान्वयन के एक दशक की समीक्षा एवं भावी दिशा तय करने के उद्देश्य से शनिवार को हयात प्लेस, बहादराबाद में राज्य स्तरीय हितधारक परामर्श आयोजित किया गया। उत्तराखंड उच्च न्यायालय की किशोर न्याय समिति ने महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से कार्यक्रम आयोजित किया। मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में हुए कार्यक्रम में न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी, न्यायमूर्ति रवीन्द्र मैठाणी, किशोर न्याय समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल, न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित, न्यायमूर्ति आलोक महरा, न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ साह मौजूद रहे। मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता ने कहा कि प्रभावी क्रियान्वयन के बिना कोई भी कानून अधूरा वादा बनकर रह जाता है। न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल ने कहा कि विधि के साथ संघर्ष की स्थिति में रहने वाला अथवा देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाला प्रत्येक बच्चा सबसे पहले बच्चा है और उसे दंड के बजाय पुनर्वास तथा समाज में पुनः एकीकरण का अवसर मिलना चाहिए। न्यायमूर्ति आलोक महरा ने समयबद्ध एवं बाल केंद्रित न्यायिक प्रक्रिया की आवश्यकता बताई। न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय ने सभी संस्थाओं के समन्वित प्रयासों पर जोर दिया। कार्यक्रम में उत्तराखंड उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल योगेश कुमार गुप्ता, निदेशक उजाला प्रदीप पंत, सचिव महिला कल्याण एवं बाल विकास चंद्रेश यादव, केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण की मुख्य कार्यकारी अधिकारी भावना सक्सेना, पुलिस महानिरीक्षक कुमाऊं निवेदिता कुकरेती, राजीव भल्ला, संगीता गौड़, अधिवक्ता स्नेहा सिंह, अधिवक्ता एवं इंडिपेंडेंट थॉट के संस्थापक विक्रम श्रीवास्तव, विशेष गृह रोशनाबाद के अधीक्षक विजय दीक्षित और पूर्व अध्यक्ष एचडब्ल्यूसी देहरादून रघुवरदत्त तिवारी ने विशेषज्ञ के रूप में विभिन्न सत्रों में योगदान दिया। जिला न्यायाधीश हरिद्वार नरेंद्र दत्त, किशोर न्याय समिति के रजिस्ट्रार-सचिव विक्रम तथा जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के नेतृत्व में जिला न्यायालय एवं जिला प्रशासन की सक्रिय भागीदारी रही। परामर्श में 180 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और पांच तकनीकी सत्रों में दत्तक ग्रहण, बाल संरक्षण, विधि से संघर्षरत बच्चों तथा प्रारंभिक मूल्यांकन सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

## दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार के विभाग अब सीएम हेमंत सोरेन के पास

### -नगर विकास, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा और पर्यटन-खेल विभागों का अतिरिक्त प्रभार संभालेंगे मुख्यमंत्री, जारी की अधिसूचना

**रांची (एजेंसी)।** झारखंड के दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू को आवंटित विभाग अब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पास रहेंगे। सरकार ने नगर विकास एवं आवास, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा तथा पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग का अतिरिक्त प्रभार मुख्यमंत्री को सौंपने की अधिसूचना जारी कर दी है।

मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार इन विभागों का कामकाज अब मुख्यमंत्री के स्तर से देखा जाएगा। विभाग की अपर मुख्य सचिव वंदना डाडेल के स्तर से संबंधित पत्र जारी किया गया है। गौरतलब है कि सुदिव्य कुमार सोनू का 6 सितंबर को गिरिडीह स्थित आवास पर निधन हो गया था। वह राज्य सरकार में मंत्री के रूप में इन विभागों की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। उनके निधन के बाद से इन विभागों के कामकाज के लिए नए सिरे से प्रभार निर्धारित किया जाना था।

सरकार के इस फैसले के बाद मुख्यमंत्री के पास झारखंड सरकार के कई महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी हो गई है। इससे पहले अगस्त 2025 में तत्कालीन शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के निधन के बाद स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग का प्रभार भी मुख्यमंत्री के पास ही है। विभागों के नए प्रभार का फैसला कैबिनेट की आगामी बैठक से पहले किया गया है, ताकि संबंधित विभागों के प्रशासनिक और नीतिगत कामकाज में निरंतरता बनी रहे।

## गोवंश संबंधी अपराधों के 45 पूर्व अभियुक्तों का सत्यापन, पुलिस ने तैयार किए डोजियर

**हरिद्वार (शिखर समाचार)।** अपराध नियंत्रण और गोवंश संबंधी अपराधों की रोकथाम को लेकर हरिद्वार पुलिस ने विशेष अभियान चलाते हुए भगवानपुर कोतवाली क्षेत्र में पिछले पांच वर्षों के दौरान गौकशी और गोवंश संबंधी अपराधों में संलिप्त रहे पूर्व अभियुक्तों की परेड और भौतिक सत्यापन कराया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देश तथा पुलिस अधीक्षक ग्रामीण और क्षेत्राधिकारी भगवानपुर के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक भगवानपुर के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। 20 सितंबर 2026 को भगवानपुर कोतवाली परिसर में वर्तमान में जमानत पर रिहा 45 पूर्व अभियुक्तों को बुलाया गया। पुलिस ने सभी का भौतिक सत्यापन करने के साथ उनके अंगुलियों के निशान लिए और अलग-अलग कोणों से तस्वीरें खींचकर दस्तावेज तैयार किए। पुलिस के अनुसार, इन अभिलेखों का उपयोग आवश्यकता पड़ने पर घटनास्थल से प्राप्त अंगुलियों के निशान से मिलान और जांच में सहायता के लिए किया जा सकेगा। पुलिस ने सभी व्यक्तियों के वर्तमान निवास स्थान का सत्यापन कर पते एवं उपलब्ध जानकारी का मिलान किया। इसके अलावा उनके वर्तमान व्यवसाय, कार्य और आजीविका के साधनों के संबंध में भी जानकारी ली गई। सभी को कानून का पालन करने के निर्देश देते हुए प्रत्येक माह की पांच तारीख को भगवानपुर कोतवाली में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने को कहा गया है। संबंधित बीट आरक्षियों को पूर्व अभियुक्तों की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखने और किसी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। पुलिस ने चेतावनी दी कि गौकशी, गोवंश तस्करी अथवा कानून-व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द प्रभावित करने वाली गतिविधि में संलिप्तता पाए जाने पर प्रचलित कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी।

## डूसू चुनाव में एबीवीपी की शानदार जीत पर गृह मंत्री अमित शाह ने दी बधाई

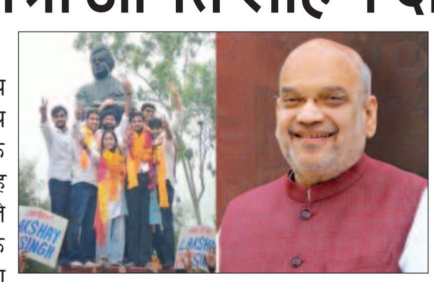


**नई दिल्ली , एजेंसी।** दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के शानदार प्रदर्शन पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बधाई देते हुए इसे देश के युवाओं के मिजाज का स्पष्ट प्रतिबिंब बताया है। उन्होंने कहा कि यह जनादेश उन ताकतों के लिए कड़ा संदेश है जो युवाओं को विघटनकारी एजेंडे की प्रयोगशाला बनाना चाहते हैं। गृह मंत्री ने एक्स पर लिखा कि दिल्ली विश्वविद्यालय केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं है, बल्कि यहां देश के कोने-कोने से छात्र पढ़ने आते हैं। ऐसे में डीयू का यह जनादेश पूरे भारत के युवाओं की सोच और प्राथमिकताओं को दर्शाता है।

अमित शाह ने कहा कि एबीवीपी को मिली शानदार जीत उन राष्ट्र विरोधी ताकतों के लिए स्पष्ट संदेश है। देश का युवा आज राष्ट्र प्रथम की विचारधारा के साथ मजबूती से खड़ा है और यही इस जनादेश का सबसे बड़ा संदेश है। बता दें दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में एबीवीपी ने चार में से तीन पदों अध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव पर जीत हासिल की है। वहीं, उपाध्यक्ष पद पर एक निर्दलीय उम्मीदवार ने जीत दर्ज की, जबकि छात्र संगठन एनएसयूआई का खाता भी नहीं खुल सका।

## छात्र मौजूदा सरकार से असंतुष्ट, विपक्ष के बिखराव का फायदा सत्ता पक्ष को मिल रहा

### -सीजेपी के सह-संयोजक सौरव दास ने डूसू चुनाव परिणामों को लेकर दी प्रतिक्रिया

**नई दिल्ली,, एजेंसी।** दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव के नतीजों में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा चार में से तीन प्रमुख पदों पर जीत दर्ज करने के बाद राजनीतिक प्रतिक्रियाएं तेज हो गई हैं। कॉकरोच जनता पार्टी के सह-संयोजक सौरव दास ने सत्ताधारी खेमे के साथ-साथ मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस, एनएसयूआई और वामपंथी छात्र संगठनों की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं। सौरव ने एक्स पर विस्तृत बयान जारी करते हुए कहा कि छात्र मौजूदा सरकार से असंतुष्ट हैं, लेकिन विपक्ष के बिखराव का फायदा सीधे सत्ता पक्ष को मिल रहा है। सौरव दास ने नतीजों का विश्लेषण करते हुए कहा कि अधिकांश छात्र मौजूदा व्यवस्था और सरकार की नीतियों के खिलाफ हैं, लेकिन विरोधी वोटों के बंट जाने के कारण एबीवीपी को बढ़त मिल गई। उन्होंने विजयी उम्मीदवारों को आगाह करते हुए लिखा कि जो लोग पदों पर आसीन हैं, उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि वे कोई राजा या रानी नहीं हैं, विश्वविद्यालय के बहुसंख्यक छात्रों ने उन्हें वोट नहीं दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि सीजेपी को परेशान करने और उस पर ऊर्जा खर्च करने के बजाय कांग्रेस और उसके छात्र संगठन को अपना घर ठीक करने पर ध्यान देना चाहिए। दास ने कहा कि कांग्रेस पिछले 12 साल से खुद को ठीक करने की कोशिश में लगी है और अब लोग धैर्य खो रहे हैं। उन्होंने उपाध्यक्ष पद के नतीजों का हवाला दिया, जहां एनएसयूआई के टिकट न मिलने पर बागी हुए निर्दलीय उम्मीदवार दीपांशु शौकीन ने ऐतिहासिक अंतर से भारी जीत दर्ज की है। वामपंथी गठबंधन पर टिप्पणी करते हुए सौरव दास ने कहा कि विपक्ष में कुछ लोग केवल वैचारिक कट्टरता और अपनी ही धुरी पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन नेताओं को हकीकत समझनी चाहिए क्योंकि कोई भी उनसे मान्यता लेने नहीं आ रहा। अगर विपक्ष की तथाकथित एकता का यही रूप रहा, तो वे आने वाले लंबे समय तक सिर्फ विपक्ष में ही बैठे रह जाएंगे।

# यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो की तैयारियों की मुख्यमंत्री ने की समीक्षा, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

**ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को ग्रेटर नोएडा स्थित गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के सभागार में प्रशासन, प्राधिकरण और पुलिस अधिकारियों के साथ आगामी उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने आयोजन की सफलता, सुरक्षा, यातायात, विदेशी मेहमानों और आगंतुकों की सुविधा तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ट्रेड शो प्रदेश की परंपरा, हुनर, स्थानीय उत्पादों और औद्योगिक क्षमता को वैश्विक मंच उपलब्ध कराने के साथ स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने बताया कि आयोजन में जापान, वियतनाम, रूस, सिंगापुर, ऑस्ट्रिया और बेलारूस सहित छह भागीदार देश शामिल होंगे। 72 देशों से करीब 600 अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के पहुंचने की संभावना है। विदेशी प्रतिनिधियों के लिए आवास, संपर्क अधिकारियों और सहायता के लिए विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को स्वयंसेवक के रूप में तैनात करने के निर्देश दिए गए। ज्ञान सत्रों को

प्रभावी बनाने तथा तकनीकी सत्रों में संबंधित विभागों के मंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों की भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा गया।

मुख्यमंत्री ने नोएडा-ग्रेटर नोएडा के साथ अवध, बुंदेलखंड और ब्रज क्षेत्रों की भागीदारी पर जोर दिया। आयोजन में कथक, पखावज, सितार, भोजपुरी और आल्हा गायन, राई तथा थारू जनजातीय नृत्य सहित 25 सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के कार्यक्रम होंगे। भीड़ को देखते हुए यातायात, पार्किंग, स्वच्छता, सुरक्षा, भोजन और पेयजल की समुचित व्यवस्था के निर्देश दिए गए।

पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने यातायात और सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी दी। पार्किंग और प्रदर्शनी स्थल के बीच 500 से अधिक विद्युत वाहन शटल बसें चलाने की तैयारी है। इस दौरान एमएसएमई मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी, लोक निर्माण विभाग के राज्यमंत्री बृजेश सिंह, एमएसएमई राज्यमंत्री हंसराज विश्वकर्मा सहित प्रशासन, प्राधिकरण और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

## मुरादनगर व्यापार मंडल का त्रिवार्षिक चुनाव संपन्न, नितिन गोयल अध्यक्ष और विनय शर्मा महामंत्री निर्विरोध चुने गए

**मुरादनगर (शिखर समाचार)।** उद्योग व्यापार मंडल मुरादनगर का त्रिवार्षिक चुनाव पुरानी गुड़ मंडी में संपन्न हुआ। उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष एवं पूर्व राज्यमंत्री रामकिशोर अग्रवाल के निर्देशानुसार आयोजित चुनाव प्रक्रिया मुख्य चुनाव अधिकारी एवं प्रदेश मंत्री नीरज गुप्ता तथा सहायक चुनाव अधिकारी जिला उपाध्यक्ष विनोद जिंदल और जिला मंत्री विनोद धनगर की देखरेख में हुई। संचालन जिला महामंत्री पंकज गर्ग ने किया। मुख्य संरक्षक राजकुमार गर्ग, श्रीभगवान गर्ग, मनोज मित्तल, अनिल कोहली और वीरेंद्र गर्ग की मौजूदगी में मुरादनगर इकाई के पदाधिकारियों का निर्विरोध निर्वाचन किया गया।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों में नितिन गोयल अध्यक्ष, विनय शर्मा महामंत्री, हरिओम सिंघल कोषाध्यक्ष, राकेश गोयल विधानसभा अध्यक्ष, रामकिशन भदौली वाले विधानसभा महामंत्री, हरिमोहन गोयल विधानसभा कोषाध्यक्ष, अजय वर्मा युवा अध्यक्ष, अमित भदौली युवा महामंत्री, गौरव गर्ग युवा कोषाध्यक्ष, प्रमोद गोयल उद्योग मंच अध्यक्ष, अंकित सिंघल उद्योग मंच महामंत्री और कुलदीप गर्ग उद्योग मंच कोषाध्यक्ष चुने गए।

संगठन की विभिन्न इकाइयों के पदाधिकारियों का भी सर्वसम्मति से चयन किया गया। इनमें अमरीश गोयल जिला उपाध्यक्ष, लोकेश वर्मा सरार्फा अध्यक्ष, विक्रम चौधरी रेलवे रोड अध्यक्ष, दयानंद त्यागी मेडिकल एसोसिएशन अध्यक्ष, श्रीभगवान गर्ग, मनोज सिंघल, मनोज गोयल रावली रोड अध्यक्ष, सलीम अब्बासी बस स्टैंड अध्यक्ष, तेजविंद्र सिंह टोनी, तरुण धमीजा, आदित्य सिंघल, मनोज वर्मा, सुनील मुंडे, हाजी ताहिर और मोहित मुंडे शामिल हैं। चुनाव के बाद उपस्थित व्यापारियों एवं पदाधिकारियों ने नवनिर्वाचित टीम को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर राहुल चौधरी, योगेंद्र कुमार, हरिओम गुप्ता, गोपाल गुप्ता, मनोज शर्मा, सचिन अग्रवाल, सुनील मित्तल, विपिन गोयल, सुशील गोयल, प्रदीप मित्तल, विजय बंसल, शिवकुमार गोयल, नवनीत नीमी, मोहित त्यागी, लोकेश जाटव, मुकुंद गोयल, तरंग सिंघल, रोहित गर्ग, शोभित गर्ग और मानव गर्ग सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

## सड़क हादसे में महिला की मौत : शव रखकर लगाया जाम, साप्ताहिक पैठ बंद कराने की मांग

**मुरादनगर (शिखर समाचार)।** रावली रोड स्थित जीतपुर कॉलोनी में शनिवार शाम घर से सामान लेने निकली महिला सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गई। अस्पताल में उपचार के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शव कॉलोनी पहुंचने पर परिजनों और कॉलोनीवासियों में आक्रोश फैल गया। लोगों ने शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया और हादसे के लिए जिम्मेदार वाहन चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने तथा जीतपुर में शनिवार को लगने वाली साप्ताहिक पैठ बंद कराने की मांग की। बताया गया कि जीतपुर कॉलोनी निवासी शालिनी शनिवार शाम घर से सामान लेने के लिए निकली थीं। रावली रोड पर वह सड़क हादसे की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गईं। परिजनों ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया, जहां देर रात उपचार के दौरान

उनकी मौत हो गई। रविवार को शव घर पहुंचने के बाद लोगों ने सड़क पर जाम लगाकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शन में शामिल हिंदू युवा वाहिनी के आयुष त्यागी ने कहा कि शनिवार को लगने वाली साप्ताहिक पैठ के दौरान रावली रोड पर भीड़ और वाहनों की आवाजाही बढ़ जाती है। इससे जाम की स्थिति बनने के साथ हादसों की आशंका भी बनी रहती है। उन्होंने प्रशासन से साप्ताहिक पैठ बंद कराने और पीड़ित परिवार को मुआवजा दिलाने की मांग की।

जाम की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर शांत कराया। पुलिस के आश्वासन के बाद प्रदर्शनकारियों ने जाम समाप्त कर दिया। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है।

## गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की ओएसडी कनिका कौशिक को फ्रांस से मिला बड़ा सम्मान

### सोर्बोन इंटरनेशनल ने दी लोक प्रशासन में मानद डॉक्टरेट की उपाधि, अब कहलाएंगी 'डॉक्टर'

आरव शर्मा

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (GDA) में विशेष कार्याधिकारी (OSD) के पद पर तैनात कनिका कौशिक के प्रशासनिक सफर में एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय मुकाम जुड़ गया है। फ्रांस के प्रतिष्ठित संस्थान सोर्बोन इंटरनेशनल ने उन्हें पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (लोक प्रशासन) में मानद डॉक्टरेट की उपाधि से नवाजा है। इस वैश्विक सम्मान के बाद अब उनके नाम के आगे 'डॉक्टर' जुड़ गया है।

मूल रूप से दिल्ली की रहने वाली डॉ. कनिका कौशिक ने 16 मार्च 2024 को जीडीए में कार्यभार संभाला था। पदभार संभालते ही उन्होंने अपनी कार्यशैली का लोहा मनवाया। अवैध निर्माण पर बुलडोजर कार्रवाई से लेकर भूमि अधिग्रहण और वाणिज्यिक विभाग की जटिल जिम्मेदारियों को उन्होंने बेहद कड़े और पारदर्शी अंदाज में संभाला। जून 2024 में जोन-1 के मोरटा क्षेत्र में अवैध कॉलोनियों और अवैध निमार्णों के खिलाफ हुए बड़े ध्वस्तीकरण अभियान में उन्होंने खुद ग्राउंड जीरो पर उतरकर पूरी कार्रवाई की निगरानी की थी।

**कॉरपोरेट से क्लासरूम, फिर प्रशासन तक का सफर**

**कनिका कौशिक का करियर बेहद बहुआयामी और प्रेरणादायक रहा है। सरकारी** सेवा में आने से पहले उन्होंने निजी क्षेत्र में 'महिंद्रा एंड महिंद्रा' जैसी दिग्गज कंपनी में बतौर मार्केटिंग एसोसिएट काम किया। इसके बाद मेरठ के प्रसिद्ध सोफिया गर्ल्स स्कूल में शिक्षिका की भूमिका निभाते हुए नई पीढ़ी को संवारा।

शैक्षणिक रूप से भी उनका रिकॉर्ड काफी मजबूत रहा है। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से बी.कॉम (ऑनर्स), महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय से मार्केटिंग एवं फाइनेंस में एमबीए और सीसीएस विश्वविद्यालय मेरठ से बी.एड. की डिग्री हासिल की है।

**सख्त तेवर, सशक्त पहचान और नारी शक्ति की मिसाल**

प्रशासनिक गलियारों में अपनी सख्त और परिणामोन्मुखी कार्यशैली के लिए जानी जाने वाली कनिका कौशिक सामाजिक सरोकारों और महिला सशक्तिकरण में भी लगातार सक्रिय रही हैं। इसी योगदान के लिए वर्ष 2025 में उन्हें दिल्ली के मुख्यमंत्री और उपराज्यपाल द्वारा 'महिला सशक्तिकरण पुरस्कार' से सम्मानित किया गया था। तीन बच्चों (दो बेटियों) के परिवार की जिम्मेदारी संभालते हुए उन्होंने कभी अपनी पेशेवर जिम्मेदारियों से समझौता नहीं किया। बेहतरीन संवाद शैली, सटीक निर्णय क्षमता, मजबूत टीम लीडरशिप और संकट प्रबंधन के दम पर आज वह प्रशासनिक क्षेत्र में एक मजबूत पहचान बना चुकी हैं। सोर्बोन इंटरनेशनल, फ्रांस से मिली यह डॉक्टरेट उनके समर्पण, प्रशासनिक कुशलता और जनसेवा के प्रति उनकी निष्ठा पर अंतरराष्ट्रीय मुहर है।

## नाबालिग को झूठे मुकदमे में फंसाने का आरोप, निष्पक्ष जांच की मांग

**बिजनौर (शिखर समाचार)।** ब्राह्मण विकास सेवा समिति (पंजीकृत), उत्तर प्रदेश की आवश्यक बैठक चांदपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम अलावलपुर में आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पहुंचे ब्राह्मण समाज के लोगों ने सामाजिक और समसामयिक मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में दतियाना निवासी पंडित लक्ष्मण शर्मा के नाबालिग पुत्र को कथित रूप से अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अधिनियम के तहत झूठे मुकदमे में फंसाए जाने का आरोप लगाते हुए गहरा रोष व्यक्त किया गया। वक्ताओं ने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की जानी चाहिए। समिति ने निर्णय लिया कि प्रकरण को लेकर शीघ्र ही एक प्रतिनिधिमंडल बिजनौर के पुलिस अधीक्षक से मुलाकात करेगा और उन्हें पूरे मामले से अवगत कराते हुए निष्पक्ष जांच तथा न्याय की मांग करेगा। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भी महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किया गया। समिति ने सर्वसम्मति से चांदपुर विधानसभा सीट से विधायक पद के लिए पंडित कृष्ण वीर शर्मा फौजी को चुनाव लड़ाने का निर्णय लिया। बैठक में मौजूद सदस्यों ने उन्हें समाज की ओर से हरसंभव सहयोग देने की बात कही। बैठक की अध्यक्षता डॉ. विनोद शर्मा ने की, जबकि संचालन पंडित योगेन्द्र शर्मा ने किया। इस दौरान पंडित कृष्ण वीर शर्मा फौजी, पंडित नीरज तिवारी अधिवक्ता, संदीप शर्मा, महेश शर्मा, नरेंद्र शर्मा, वीरेंद्र शर्मा, राजेश शर्मा, अजय शर्मा, नागेश्वर प्रसाद कौशिक, विकास शर्मा, मदन शर्मा, उदित राज कौशिक, विपिन शर्मा और लक्ष्मण शर्मा सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

## निशुल्क नेत्र एवं दंत शिविर में उमड़ी भीड़, विशेषज्ञ चिकित्सकों ने दी सलाह

**शामली (शिखर समाचार)।** लायंस क्लब शामली क्राउन के तत्वावधान में रविवार को कांबोज कॉलोनी स्थित शामली आई एंड डेंटल हॉस्पिटल में निशुल्क नेत्र एवं दंत परामर्श शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्घाटन समाजसेवी कुशांक चौहान ने किया। शिविर में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और आंखों तथा दांतों से जुड़ी समस्याओं की जांच कराकर विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लिया।

नेत्र विशेषज्ञ डॉ. श्रेय माहेश्वरी ने मरीजों को मोतियाबिंद, पर्दा रोग, मधुमेह से होने वाली आंखों की समस्या और रेटिना संबंधी रोगों के बारे में आवश्यक परामर्श दिया। वहीं दंत एवं रूट कैनाल विशेषज्ञ डॉ. रिचा एस. माहेश्वरी ने दांतों में दर्द, सड़न, रूट कैनाल उपचार, दंत प्रत्यारोपण, क्राउन और ब्रिज से जुड़ी समस्याओं की जांच कर मरीजों को उपचार संबंधी जानकारी दी। शिविर में आंखों से संबंधित विभिन्न जांचों की रिपोर्ट भी निशुल्क उपलब्ध कराई गई।

मुख्य अतिथि कुशांक चौहान ने लायंस क्लब शामली क्राउन की ओर से किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे स्वास्थ्य शिविर आम लोगों के लिए उपयोगी साबित होते हैं। क्लब अध्यक्ष अंकुर गोयल ने कहा कि स्वास्थ्य और जनकल्याण से जुड़ी सुविधाओं को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना क्लब की प्राथमिकता है। उन्होंने भविष्य में भी इस प्रकार के सेवा कार्य जारी रखने की बात कही। शिविर में क्लब सचिव विजय संगल, रुपेश गर्ग, आशु गर्ग सहित अन्य पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

## सैनी समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान, एकजुटता और शिक्षा पर जोर

**शामली (शिखर समाचार)।** सैनी समाज सेवा समिति के तत्वावधान में रविवार को कैराना रोड स्थित एक बारातघर में 21वां सैनी समाज प्रतिभा अलंकरण समारोह आयोजित किया गया। समारोह में समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। साथ ही समाज की एकजुटता, शिक्षा और सामाजिक उत्थान को लेकर वक्ताओं ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राज्यमंत्री जसवंत सैनी और समाजवादी पार्टी नेता एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य मुकेश सैनी ने फीता काटकर किया। इसके बाद मां सरस्वती और पूर्वजों के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय सैनी सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश कुमार सैनी ने की। मंच संचालन सुभाष चंद सैनी और प्रवीण सैनी ने संयुक्त रूप से किया।

राज्यमंत्री जसवंत सैनी ने अभिभावकों से बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इंटरमीडिएट के बाद बच्चों की रुचि और क्षमता के अनुसार उन्हें उचित पाठ्यक्रम में प्रवेश दिलाया जाना चाहिए, ताकि वे अपने भविष्य को बेहतर दिशा दे सकें। पूर्व विधायक खतौली विक्रम सैनी ने समाज में एकता बनाए रखने और युवाओं को नशे से दूर रखने पर जोर दिया। उन्होंने समाज के लोगों से राजनीति में अधिक भागीदारी करने का आह्वान किया। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे वक्ताओं ने समाज के उत्थान को लेकर सुझाव दिए। इस अवसर पर जयभगवान सैनी, महेश सैनी, जगदीश राम सैनी कटारिया, राजेश सैनी, पहल सिंह सैनी, सुभाष चंद सैनी अधिवक्ता, जसबीर सैनी, राजेंद्र सैनी, नंदकिशोर सैनी, प्रमेश सैनी, राकेश सैनी अधिवक्ता, सत्यम सैनी, शालू सैनी, डॉ. नीरज सैनी और महेश सैनी सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

## रिहायशी इलाके में पहुंचा गुलदार, सत्संग घर के गेट पर दिखने से मचा हड़कंप

**बिजनौर (शिखर समाचार)।** जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में गुलदार का खौफ लगातार बढ़ता जा रहा है। जंगलों तक सीमित रहने वाला गुलदार अब रिहायशी इलाकों के आसपास भी दिखाई देने लगा है, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ताजा मामला किरतपुर क्षेत्र के गांव शाहपुर सुक्खा का है, जहां गांव के पास स्थित राधास्वामी सत्संग घर के मुख्य गेट पर एक गुलदार दिखाई दिया। गुलदार को देखकर आसपास से गुजर रहे लोगों में अफरा-तफरी मच गई। कुछ राहगीरों ने सावधानी बरतते हुए अपने मोबाइल फोन से गुलदार का वीडियो बना लिया। बाद में यह वीडियो सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित हो गया। वीडियो सामने आने के बाद आसपास के गांवों में भी भय का माहौल बन गया है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में गुलदार की सक्रियता लंबे समय से बनी हुई है। पिछले एक वर्ष के दौरान गुलदार के हमलों में दो दर्जन से अधिक लोगों के प्रभावित होने का दावा किया जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, इन घटनाओं में कई लोगों की मौत हुई है, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं। लगातार बढ़ते खतरे के कारण ग्रामीण खेतों और जंगल के आसपास जाने से भी डर रहे हैं। लोगों का कहना है कि गुलदारों की गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी और प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक कार्रवाई की जरूरत है। ग्रामीणों ने वन विभाग से गश्त बढ़ाने, गुलदार को पकड़ने के लिए आवश्यक कदम उठाने और ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

## मालन नदी के अस्तित्व पर संकट, अतिक्रमण मामले में एनजीटी ने अधिकारियों को लगाई फटकार

**बिजनौर (शिखर समाचार)।** उत्तराखंड से निकलकर उत्तर प्रदेश में प्रवेश करने वाली ऐतिहासिक एवं पौराणिक मालन नदी नजीबाबाद क्षेत्र में कथित अतिक्रमण और अवैध खनन के कारण अस्तित्व के संकट से जूझ रही है। नदी के डूब क्षेत्र और किनारों पर कथित रूप से बसी कॉलोनियों को लेकर स्थानीय स्तर पर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि अदब सिटी, अबू कॉलोनी, तागरा कॉलोनी तथा पूर्व चेयरमैन के बारात घर सहित कई निर्माण नदी क्षेत्र को प्रभावित कर रहे हैं। उनका कहना है कि जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभागों की ओर से अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई। नजीबाबाद निवासी संदीप कुमार वर्मा ने अतिक्रमण और नदी के कथित अवैध दोहन को लेकर शासन-प्रशासन को कई शिकायतें भेजीं। कार्रवाई न होने पर उन्होंने वर्ष 2025 में मामला राष्ट्रीय हरित अधिकरण के समक्ष उठाया। मामले की सुनवाई के दौरान अधिकरण ने नदी का सर्वे कराने तथा संयुक्त समिति के माध्यम से अतिक्रमण चिह्नित करने के निर्देश दिए। इसके लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की को सर्वे की जिम्मेदारी दिए जाने और करीब 40 लाख रुपये शुल्क निर्धारित किए जाने की जानकारी सामने आई है। हाल में हुई सुनवाई के दौरान अधिकरण ने संबंधित पांच विभागों के अधिकारियों से जवाब मांगा। अधिकारियों द्वारा एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालने और अतिरिक्त समय मांगने पर अधिकरण ने सख्त रुख अपनाते हुए व्यक्तिगत उपस्थिति की चेतावनी दी। सुनवाई में उत्तर प्रदेश के शहरी विकास विभाग से संबंधित विषय सामने आने के बाद सचिव, उत्तर प्रदेश शहरी विकास को 12 अक्टूबर 2026 तक स्पष्ट जवाब दाखिल करने का आदेश दिया गया है। अब निगाहें आगामी सुनवाई और प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हैं।

## बाल सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने प्रस्तुतियों से मोहा मन

**खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)।** नगर पालिका परिषद खतौली की ओर से शनिवार देर शाम पालिका परिसर में बाल सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन समाजवादी पार्टी नेता लतेश विधूड़ी और नगर पालिका अध्यक्ष हाजी शाहनवाज लालू ने फीता काटकर किया। कार्यक्रम में नगर क्षेत्र के 13 विद्यालयों के बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों की प्रस्तुतियों को कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने खूब सराहा और उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष हाजी शाहनवाज लालू ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ ही आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ सांस्कृतिक गतिविधियों में भागीदारी भी आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर आधारित प्रस्तुतियां दीं, जिन्हें दर्शकों ने तालियों के साथ सराहा। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी, अधिवक्ता राकेश सैनी, उपजिलाधिकारी खतौली ललित मिश्रा, नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी राजीव कुमार, रमेश भाटी, रचित मेहता, ब्रजमोहन पांचाल, पूर्व सभासद विनेश कुमार, विनीत ठाकुर, अनुज सहरावत, रविकांत प्रधान, पूर्व नगर अध्यक्ष अमित जैन, चिराग सिंघल सहित अन्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम संयोजक एवं नामित सभासद मनोज सैनी, सह संयोजक सभासद अजय कुमार भुर्जी, सौरभ जैन, नामित सभासद रजत जैन, कार्यक्रम प्रभारी सिराज फातिमा और सह प्रभारी प्रिन्सी शर्मा ने व्यवस्थाओं में सहयोग किया।

## सहारनपुर नगर निगम में बड़ा संगठनात्मक फैसला, राजेंद्र सिंह कोहली को मिली पार्षद दल की कमान

**सहारनपुर (शिखर समाचार)।** भारतीय जनता पार्टी महानगर सहारनपुर ने नगर निगम में पार्षद दल के नेतृत्व को लेकर बड़ा संगठनात्मक फैसला किया है। संगठन की सहमति और भाजपा महानगर अध्यक्ष शीतल बिश्नोई, महापौर अजय कुमार सिंह तथा नगर विधायक राजीव गुंबर की सहमति से वार्ड संख्या 40 के पार्षद सरदार राजेंद्र सिंह कोहली को नगर निगम पार्षद दल का नेता नियुक्त किया गया है। जिम्मेदारी मिलने के बाद पार्टी कार्यकताओं में सक्रियता देखी गई। राजेंद्र सिंह कोहली लंबे समय से भाजपा के संगठनात्मक कार्यों से जुड़े रहे हैं।

उन्होंने वर्ष 1998 में बूथ अध्यक्ष के रूप में राजनीतिक एवं संगठनात्मक जिम्मेदारियों की शुरूआत की। वर्ष 2004 में युवा मोर्चा मंडल महामंत्री तथा वर्ष 2007 में मंडल अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली। वर्ष 2010 में युवा मोर्चा महानगर कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष और वर्ष 2015 में अल्पसंख्यक मोर्चा महानगर महामंत्री के रूप में कार्य किया। इसके अलावा विभिन्न अभियानों एवं कार्यक्रमों के संयोजक के रूप में भी उन्होंने जिम्मेदारी निभाई। वर्ष 2019 में उन्हें भाजपा जनक मंडल अध्यक्ष बनाया गया। इसके बाद वर्ष 2023 के नगर निगम चुनाव में गुरुद्वारा रोड स्थित वार्ड संख्या 40 से पार्षद निर्वाचित हुए। संगठन की ओर से अब उन्हें नगर निगम पार्षद दल का नेतृत्व सौंपा गया है। पार्टी पदाधिकारियों के अनुसार उनके लंबे संगठनात्मक अनुभव का उपयोग नगर निगम में पार्षद दल के कामकाज को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने में किया जाएगा। नई जिम्मेदारी मिलने पर कार्यकताओं और समर्थकों ने उन्हें बधाई दी।

**संक्षिप्त समाचार**

## दो बाइक पर सवार थे शातिर, पुलिस को देखते ही भागे, घेराबंदी में पकड़े गए, हथियार और चोरी की बाइक बरामद

रबूपुरा (शिखर समाचार)। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र के सेक्टर-18 में वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार दोनों युवक दो बाइकों पर सवार होकर मिजार्पुर कट की ओर से आ रहे थे। पुलिस को देखकर उन्होंने वापस मुड़कर भागने का प्रयास किया, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर दोनों को दबोच लिया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से चोरी की दो बाइक, 315 बोर का तमंचा, कारतूस और चाकू बरामद हुआ। पुलिस का कहना है कि दोनों के खिलाफ पूर्व में भी चोरी के कई मामले दर्ज हैं।

कोतवाली पुलिस के मुताबिक शनिवार शाम सेक्टर-18 स्थित गांव मिजार्पुर कट पर पुलिस टीम वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान दो युवक अलग-अलग बाइकों पर आते दिखाई दिए। पुलिस को देखकर दोनों संदिग्ध पीछे मुड़कर भागने लगे। शक होने पर पुलिसकर्मियों ने पीछा कर घेराबंदी की और दोनों को पकड़ लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपितों की पहचान शनी और विशाल निवासी गांव अमीपुर बांगर, थाना ककोड़, बुलंदशहर के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार बरामद दोनों बाइक चोरी की हैं। तलाशी में एक 315 बोर का तमंचा, कारतूस और चाकू भी मिला। कोतवाली प्रभारी श्याम बाबू शुक्ल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय के आदेश पर दोनों को जेल भेज दिया गया। पुलिस अब बरामद बाइकों के संबंध में भी जानकारी जुटा रही है।।मद बाइकों के संबंध में भी जानकारी जुटा रही है।

## हापुड़ को मिला नया एएसपी, महेश कुमार संभालेंगे जिम्मेदारी, विनीत भटनागर की वाराणसी में तैनाती

**हापुड़ (शिखर समाचार)।** शासन ने पुलिस विभाग में फेरबदल करते हुए हापुड़ में नए अपर पुलिस अधीक्षक की तैनाती की है। कानपुर आयुक्तालय में अपर पुलिस उपायुक्त के पद पर तैनात महेश कुमार को हापुड़ का नया अपर पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। वह जल्द ही हापुड़ पहुंचकर अपना पदभार ग्रहण करेंगे।

जानकारी के अनुसार शासन की ओर से जारी स्थानांतरण आदेश के तहत महेश कुमार को कानपुर आयुक्तालय से स्थानांतरित कर हापुड़ भेजा गया है। उनके हापुड़ आने के बाद जिले में पुलिस व्यवस्था से संबंधित जिम्मेदारियों में बदलाव होगा। महेश कुमार के जल्द ही कार्यभार संभालने की संभावना है। वहीं हापुड़ में अपर पुलिस अधीक्षक के पद पर तैनात विनीत भटनागर को पदोन्नति मिली है। पदोन्नति के बाद शासन ने उन्हें वाराणसी आयुक्तालय में अपर पुलिस उपायुक्त के पद पर नई तैनाती दी है। वह हापुड़ में अपनी जिम्मेदारी पूरी करने के बाद नई तैनाती पर कार्यभार संभालेंगे। पुलिस विभाग में हुए इस फेरबदल को प्रशासनिक स्तर पर महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नए अपर पुलिस अधीक्षक के कार्यभार संभालने के बाद जिले की कानून-व्यवस्था और पुलिस प्रशासन से जुड़े कार्यों में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी।

**मथुरा के जरीदार वस्त्रों, आभूषणों से हुआ शृंगार**

# काशी में 108 व्यंजनों का लगाया गया भोग

**वाराणसी, एजेंसी।** राधाष्टमी पर शनिवार को श्रीकृष्ण मंदिरों, मठों और आश्रमों में राधारानी की झांकियां सजाकर विधि-विधान से पूजन किया गया। भक्तों ने राधारानी का शृंगार कर उन्हें पालने में झुलाया और भोग अर्पित किया। मंदिरों में दिनभर भजन-कीर्तन और हरिनाम संकीर्तन से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

षष्ठपीठ गोपाल मंदिर में सुबह मुकुंद राय और गोपाललाल जी के मंगल दर्शन के बाद वैष्णवजनों ने विशेष पालना सजाकर स्वामिनी जी को झुलाया। इस दौरान हवेली कीर्तन हुआ। मंदिर के पीठाधीश्वर गोस्वामी श्याम मनोहर महाराज ने सपरिवार पालना झुलाकर दर्शन किए।

### इस्कॉन मंदिर में अभिषेक और संकीर्तन

दुर्गाकुंड स्थित इस्कॉन मंदिर में राधाष्टमी महोत्सव के तहत अभिषेक, भोग, आरती, कीर्तन और प्रवचन हुए। राधारानी के दर्शन और हरिनाम संकीर्तन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। श्रीराधा-कृष्ण का सुगंधित फूलों और विभिन्न द्रव्यों से अभिषेक किया गया। भक्तों ने पुष्प और भोग अर्पित किए।

मंदिर अध्यक्ष अच्युत मोहन दास ने कहा कि श्रीराधारानी भगवान श्रीकृष्ण की आनंददायिनी शक्ति और प्रेम-भक्ति का स्वरूप हैं। राधाष्टमी भक्तों के लिए राधारानी के चरणों में शरणागति और भक्ति की भावना को मजबूत करने का विशेष अवसर है। कार्यक्रम के बाद भक्तों में महाप्रसाद वितरित किया गया। पूजन में साक्षी मुरारी दास, रसिक गोविंद दास, रामकेशव दास, मुरारी गुप्त दास आदि मौजूद रहे।

### 108 व्यंजनों का लगाया भोग

हरे कृष्ण हरे राम संकीर्तन सोसाइटी की ओर से महमूरगंज स्थित माहेश्वरी भवन में तीन दिवसीय राधाष्टमी महोत्सव के दूसरे दिन श्रीराधा गोविंद देव के विग्रहों का विशेष शृंगार किया गया। हरिनाम संकीर्तन और महामंत्र जप के बीच दोपहर 12 बजे महाआरती के साथ प्राकट्योत्सव मनाया गया। पुजारी संजय प्रभु के शंखनाद और संकीर्तन से माहेश्वरी भवन का वातावरण ब्रजधाम जैसा हो गया। भजनों पर महिलाएं, युवतियां और पुरुष श्रद्धालु झूमते नजर आए।

शाम को हरिनाम संकीर्तन के बाद तुलसी देवी की आराधना हुई। श्रीराधा गोविंद देव, भगवान जगन्नाथ, बलदेव और सुभद्रा के विग्रहों का भी शृंगार कर पूजन किया गया। श्री चैतन्य महाप्रभु और श्रीनृसिंह देव की वंदना के बाद विग्रहों को 108 व्यंजनों का भोग लगाया गया। इस दौरान नृत्यनाटिका में कृष्णा मिश्रा, रागिनी कुमारी और जाह्नवी गुप्ता ने प्रस्तुति दी। सोसाइटी के अध्यक्ष कृष्ण प्रसाद दास ने बताया कि महोत्सव के अंतिम दिन रविवार शाम पूजन-अर्चन के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम और नृत्यनाटिका प्रतियोगिता होगी।

### जरीदार वस्त्रों से हुआ शृंगार

राधाष्टमी पर पातालेश्वर क्षेत्र में श्रीराधा-कृष्ण की झांकी सजाई गई। मथुरा से मंगाए गए जरीदार वस्त्रों और आभूषणों से विग्रहों का शृंगार किया गया। मक्खन, मेवा, मिश्री, फल-फूल और मिष्ठान का भोग लगाया गया। महिलाओं ने राधारानी के जन्मोत्सव पर सोहर गीत गाकर उनका गुणगान किया। पूजन में गीतकार कन्हैया दुबे केडी, कार्तिक पटेल, कृष्णा पटेल, गणेश पटेल, यथार्थ और महेश पंकज सहित अन्य लोग शामिल रहे।

## राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के सदस्य मनोज वाल्मीकि का जोरदार स्वागत

**हापुड़ (शिखर समाचार)।** राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग, भारत सरकार के नव नियुक्त सदस्य मनोज वाल्मीकि के सम्मान में रविवार को उनके आवास पर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। मेरठ रोड स्थित संजय विहार आवास विकास कॉलोनी में उनके आवास पर पहुंचे भाजपा नेताओं, कार्यकताओं और समर्थकों ने फूल-मालाएं पहनाकर तथा शॉल ओढ़ाकर उनका स्वागत किया और नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

मास क्लब के पदाधिकारियों फजलुर्रहमान, डॉ. अकील मलिक, आस मोहम्मद और इस्माइल सहित अन्य लोगों ने मनोज वाल्मीकि को शॉल ओढ़ाकर तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। वहीं मुरादाबाद से पहुंचे सिद्धांत भारती वाल्मीकि, मयंक हंसराज, कुलदीप कुमार और गौरव सागर ने नोटों की माला पहनाकर स्वागत किया। अमरोहा और बरेली से भी प्रतिनिधि उनके आवास पर पहुंचे और उन्हें बधाई दी। बरेली से आए केंद्रीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के सदस्य एवं भाजपा नेता मनोज थपलियाल, योगेश बंटी, विश्व हिंदू परिषद के नेता डॉ. नरेंद्र गंगवार और पत्रकार सुधाकर शुक्ला ने भी मनोज वाल्मीकि को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

बताया गया कि मनोज वाल्मीकि पिछले 36 वर्षों से भाजपा से जुड़े हुए हैं। वह वर्ष 1995 में सभासद रह चुके हैं और वर्ष 2019 में उत्तर प्रदेश सफाई कर्मचारी आयोग के सदस्य के रूप में भी जिम्मेदारी निभा चुके हैं। इस अवसर पर मास क्लब के फजलुर्रहमान ने कहा कि लंबे समय तक पार्टी और जनता की सेवा करने का सम्मान मनोज वाल्मीकि को राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग का सदस्य बनाकर मिला है। उन्होंने उम्मीद जताई कि नई जिम्मेदारी में वह सफाई कर्मचारियों के हितों और अधिकारों के लिए प्रभावी ढंग से कार्य करेंगे।

## ट्रक की टक्कर से ट्रैक्टर चालक की मौत, तीन घंटे धरना; आठ लाख की सहायता पर शांत हुआ हंगामा

**दादरी (शिखर समाचार)।** बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के एनटीपीसी रोड स्थित अंबुजा सीमेंट कंपनी परिसर में ट्रक और ट्रैक्टर की टक्कर में 27 वर्षीय ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई। हादसे के बाद आक्रोशित परिजनों, ग्रामीणों और भारतीय किसान यूनियन मंच के कार्यकताओं ने कंपनी गेट पर करीब तीन घंटे तक धरना देकर हंगामा किया। कंपनी प्रबंधन के साथ वार्ता के बाद मृतक परिवार को आठ लाख रुपये की सहायता राशि देने पर मामला शांत हुआ। वहीं ट्रक के पंजीकरण नंबर के आधार पर चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

कोतवाली प्रभारी विजय गुप्ता के अनुसार बदायूं जनपद के जल्लीपुर गांव निवासी महेंद्र पाल का 27 वर्षीय पुत्र सूर्य प्रकाश उर्फ भूरा पाल पिछले करीब चार वर्षों से अंबुजा सीमेंट कंपनी में ट्रैक्टर चालक के रूप में कार्यरत था। रविवार देर रात करीब एक बजे वह कंपनी परिसर में ट्रैक्टर चला रहा था। इसी दौरान ट्रक से टक्कर हो गई। हादसे में ट्रैक्टर चालक ट्रक के नीचे आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों को हादसे की जानकारी दी गई। इसके बाद परिजन और ग्रामीण कंपनी पहुंचे। भारतीय किसान यूनियन मंच के कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए और मृतक परिवार को न्याय दिलाने तथा कार्रवाई की मांग को लेकर कंपनी गेट पर धरने पर बैठ गए।

## कांग्रेसियों ने सांसद को सौंपी बुद्धि-शुद्धि सामग्री, भाजपा में चर्चा

**अलीगढ़ , एजेंसी।** यूपीआई पर एमडीआर के विरोध में कांग्रेसियों के प्रदर्शन ने भाजपा में खलबली मचा दी है। पूर्व विधायक विवेक बंसल सहित कांग्रेसियों के एक दल ने सांसद सतीश गौतम से मुलाकात की। इसके बाद कांग्रेस ने एक फोटो जारी किया और कहा कि भाजपा सरकार की सद्बुद्धि को लेकर सांसद सतीश गौतम को बुद्धि-शुद्धि पूजा सामग्री भेंट की।

विवेक बंसल ने यहां तक कहा कि भाजपा सरकार व्यापारियों का अहित करने में लगी है। वे ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि सत्ताधारी दल के नेताओं को सद्बुद्धि मिले ताकि वे व्यापार विरोधी फैसलों को वापस लें। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष ठाकुर सोमवीर सिंह ने कहा कि अलग अलग टैक्स लगाकर सरकार व्यापारियों को परेशान कर रही है। इसलिए भाजपा नेताओं को पूजा का सामान दिया गया।

ये बयान और तस्वीर सामने के बाद भाजपा की जिला और महानगर दोनों टीम में चर्चा शुरू हो गई। शनिवार को दिन भर भाजपा और उनके दूसरे संगठनों के कार्यकर्ताओं के बीच अलग अलग तरह की चर्चा होती रही। कुछ ने इसका सत्यापन भी किया क्योंकि उन्हें फोटो और कांग्रेस के दावों पर भरोसा नहीं हो रहा था। महानगर टीम से एक सदस्य ने कहा कि इससे सही संदेश नहीं गया।

सांसद से मुलाकात का विषय नहीं है। वे जनप्रतिनिधि होने के नाते हर किसी से मुलाकात कर सकते हैं। वे ऐसा करते भी हैं, लेकिन कांग्रेस के फोटो सहित बयान ने उन्हें हैरान कर दिया। यह अच्छी राजनीति नहीं है। जिला कार्यकारिणी के एक सदस्य ने दबे शब्दों में कहा कि माननीय को सावधानी बरतना चाहिए था।

## अस्पताल निरीक्षण में मिलीं कई खामियां, टीम से अभद्रता और धमकी का आरोप

**शामली (शिखर समाचार)।** तैमूरशाह स्थित श्री एमएस अस्पताल के निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम को कई खामियां मिलने का मामला सामने आया है। सहायक नोडल झोलाछाप डॉ. दीपक कुमार ने कोतवाली शामली में तहरीर देकर अस्पताल प्रबंधन पर निरीक्षण के दौरान अभद्रता और धक्कामुक्की करने तथा बाद में जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। उन्होंने पुलिस से सुरक्षा उपलब्ध कराने और अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

डॉ. दीपक कुमार के अनुसार रविवार सुबह करीब 11 बजे वह अस्पताल का निरीक्षण करने पहुंचे। निरीक्षण के दौरान करीब 40 बिस्तर मिले, लेकिन उनके पंजीकरण से संबंधित दस्तावेज मौके पर उपलब्ध नहीं कराए गए। एमबीबीएस चिकित्सकों के आवश्यक दस्तावेज, उत्तर प्रदेश मेडिकल काउंसिल के प्रमाणपत्र और शामली में चिकित्सा पंजीकरण संबंधी अभिलेख भी नहीं मिले। अस्पताल के बोर्ड पर दर्ज चिकित्सकों में से कोई भी मौके पर मौजूद नहीं था, जबकि उनकी जगह आयुष

चिकित्सक बाह्य रोगी विभाग में मरीजों का उपचार करते मिले। निरीक्षण के दौरान ऑपरेशन कक्ष में चिकित्सा मानकों के अनुरूप आवश्यक उपकरण नहीं मिले और वहां कोई चिकित्सक भी मौजूद नहीं था। उपकरणों को संक्रमणमुक्त करने वाली मशीन चालू हालत में नहीं मिली। ऑपरेशन के बाद मरीजों को अलग कक्ष के बजाय सामान्य वार्ड में तीमारदारों के साथ रखा गया था। नर्सिंग स्टाफ के स्थान पर कक्षा 12 का छात्र कार्य करता मिला। अस्पताल में अग्निशमन यंत्र नहीं मिले, जबकि बाह्य रोगी विभाग के पास घरेलू रसोई गैस सिलेंडर रखा हुआ था। सुरक्षा गार्ड भी मौजूद नहीं मिला।

डॉ. दीपक कुमार का आरोप है कि पंजीकरण और अन्य दस्तावेज मांगने तथा ऑपरेशन कक्ष सील करने की कार्रवाई के दौरान अस्पताल प्रबंधन की ओर से उनके साथ अभद्रता और धक्कामुक्की की गई। उन्होंने बाद में अस्पताल मालिक की ओर से जान से मारने की धमकी दिए जाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने पुलिस से मामले की गंभीरता से जांच कर सुरक्षा उपलब्ध कराने और अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की है।

**भाजपा ने की प्रभारियों की घोषणा**

## बृज बहादुर को महानगर और घनश्याम को मिली जिले की कमान

**आगरा, एजेंसी।** भारतीय जनता पार्टी ने आगरा जिला और महानगर के प्रभारियों के नामों की घोषणा कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की ओर से जारी सूची के अनुसार, ब्रज क्षेत्र के अंतर्गत आगरा महानगर की जिम्मेदारी बृज बहादुर और जिले का प्रभार घनश्याम लोधी को दिया गया है।

महानगर के नए प्रभारी बृज बहादुर संगठन के वरिष्ठ और अनुभवी नेता हैं। मौजूदा समय में वह प्रदेश उपाध्यक्ष हैं। इससे पहले अवध क्षेत्र में संगठन महामंत्री और फिरोजाबाद के प्रभारी रह चुके हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत करने वाले बृज बहादुर नमामि गंगे और किसान मोर्चा

जैसे महत्वपूर्ण आयामों में भी काम कर चुके हैं। वहीं आगरा जिले के प्रभारी बनाए गए घनश्याम लोधी भाजपा मथुरा महानगर अध्यक्ष के अलावा ओबीसी आयोग के सदस्य भी रह चुके हैं। संगठन में उनकी जमीनी पकड़ बेहद मजबूत मानी जाती है।

**राम सिंह बने सोशल मीडिया प्रभारी :** भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत पौनिया ने अछनेरा के पनवारी ब्लॉक निवासी राम चौधरी को सोशल मीडिया प्रभारी नियुक्त किया है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि चुनाव नजदीक आ रहे हैं। ऐसे में पार्टी के कार्यों व प्रदेश व केंद्रीय नेतृत्व की बात जनता तक पहुंचाने व चुनाव के लिहाज से उनका मनोनयन किया गया है।

## तपा रहा वायरल बुखार, उल्टी-दस्त बना रहे कमजोर

**अलीगढ़ , एजेंसी।** बदलते मौसम में वायरल बुखार तो मरीजों को तपा ही रहा है, पेट दर्द व उल्टी-दस्त की भी शिकायत हो रही है। मलखान सिंह जिला अस्पताल की इमरजेंसी में रोजाना करीब 400 मरीज पेट दर्द की शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं। इनमें कई को दर्द से तत्काल राहत देने के लिए इंजेक्शन लगाना पड़ रहा है। डॉक्टरों के अनुसार तेज दर्द से परेशान मरीजों को प्राथमिक उपचार के बाद जरूरत के अनुसार दवाएं दी जा रही हैं। कई मरीजों को इंजेक्शन देने के बाद ही तत्काल राहत मिल पा रही है। चिकित्सकों के अनुसार दूषित पानी और अस्वच्छ खानपान से पेट संबंधी संक्रमण और उल्टी-दस्त की समस्या बढ़ सकती है। पुराने शहर के कई इलाकों में खुले में बिकने वाले खाद्य पदार्थ, दूषित पानी और साफ-सफाई की कमी लोगों के लिए परेशानी बढ़ा सकती है।

**केस-1:अचानक उठा पेट में दर्द :** सुबह अचानक पेट में तेज दर्द शुरू हो गया। दर्द इतना ज्यादा था कि काम करना मुश्किल हो गया। परिजन मुझे मलखान सिंह जिला अस्पताल की इमरजेंसी लेकर आए। यहां इंजेक्शन लगने के बाद कुछ राहत मिली।

**केस-2: पेट दर्द के साथ उल्टी-दस्त :** पेट दर्द के साथ उल्टी-दस्त भी हो रहे थे। घर पर दवा लेने से आराम नहीं मिला तो अस्पताल आना पड़ा। इमरजेंसी में इलाज के बाद अब कुछ राहत महसूस हो रही है।

## रजिस्टर्ड हैं सिर्फ 120, रोजगार का ठेका ले रहीं चार लाख एजेंसियां

**लखनऊ , एजेंसी।** विदेश में नौकरी लगवाने के नाम पर बड़ा फर्जीवाड़ा चल रहा है। यूपी में चार लाख से अधिक ऐसी एजेंसियां हैं, जो रोजगार के नाम पर मोटी वसूली कर नागरिकों को विदेश भेज रही हैं। इन एजेंसियों के जरिये जाने वाले नागरिक वहां मुसीबत में फंस रहे हैं, क्योंकि ये एजेंसियां अवैध हैं और मंत्रालय से अधिकृत नहीं हैं। इसलिए रोजगार के लिए विदेश जाने वालों को सतर्कता बरतना बेहद जरूरी है। मंत्रालय इन अवैध एजेंसियों की तस्दीक कर रहा है, जिससे इन पर सख्त कार्रवाई हो सके।

विदेश मंत्रालय का प्रोटेक्टर ऑफ इमीग्रेंट्स ऑफिस लखनऊ में है। रोजगार के लिए विदेश जाने वाले नागरिकों की पूरी प्रक्रिया यहीं से की जाती है। कार्यालय ने पिछले कुछ वर्षों में मिली शिकायतों व अन्य स्रोतों के आधार पर अब तक जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक यूपी में चार लाख से अधिक ऐसी अवैध एजेंसियां हैं, जो लोगों को रोजगार के नाम पर विदेश भेजती हैं। इस तरह से जाने वाले अधिकतर नागरिक वहां फंस जाते हैं। नौकरी मिलती नहीं है और वापसी भी मुश्किल हो जाती है। क्योंकि इनको टूरिस्ट वीजा पर भेजा जाता है।

### 120 एजेंसियां हैं अधिकृत, इन्हीं के जरिये जाएं

प्रोटेक्टर ऑफ इमीग्रेंट्स ऑफिस लखनऊ के अधिकारी विश्वनाथ प्रताप सिंह ने बताया कि यूपी में 120 एजेंसियां ही मंत्रालय से पंजीकृत हैं। मतलब इन एजेंसियों के जरिये ही विदेश में नौकरी करने वाले नागरिकों को जाना चाहिए। इन एजेंसियों का पूरा डाटा मंत्रालय के पास है। ये मानक से अधिक न तो वसूली कर सकती हैं और न ही किसी तरह की धोखाधड़ी होने की गुंजाइश रहती है। इन एजेंसियों के जरिये जाने वाले नागरिक को आसानी से ट्रेस किया जा सकता है।

### ये है पूरी प्रक्रिया...

अधिकृत एजेंसियों के पास विदेशों में वैकेंसी का पूरा डाटा रहता है। वहां पर आवेदन करने के बाद एजेंसी आवेदक के दस्तावेजों की जांच-पड़ताल करती है। इंटरव्यू में यह भी देखा जाता है कि आवेदक संबंधित पोस्ट के लिए उचित है या नहीं। सब कुछ मानक के अनुरूप होने पर आवेदन किया जाता है। इसका डाटा सीधे विदेश मंत्रालय को जाता है। वहां से प्रोटेक्टर ऑफ इमीग्रेंट्स ऑफिस लखनऊ को आवेदक का डाटा भेजा जाता है। ऑफिस की तरफ से पूरा सत्यापन किया जाता है। उसके बाद इमीग्रेशन ओके किया जाता है।

### एक कॉल पर लें जानकारी

विश्वनाथ प्रताप सिंह ने बताया कि जो भी नागरिक विदेश में नौकरी के इच्छुक हैं, वे ई-माईग्रेट पोर्टल पर जाकर अधिकृत एजेंसियों की लिस्ट देख सकते हैं। जहां से उचित हो, वहीं से आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा अगर कॉल पर जानकारी चाहिए तो इसके लिए 0522-2972717 पर कॉल भी कर सकते हैं।

# नारी शक्ति और युवा स्वाभिमान से बनेगा आत्मनिर्भर भारत : योगी

## 24 हजार से अधिक स्टार्टअप में करीब आधे महिलाओं द्वारा संचालित, युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने पर जोर

**ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)।** गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के इंडोर स्टेडियम में आयोजित दो दिवसीय 'उत्कर्ष नारी सम्मान, युवा स्वाभिमान एवं प्रेरणा विमर्श-2026' का रविवार को समापन हुआ। समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सहभागिता करते हुए नारी सशक्तीकरण, युवा स्वाभिमान, रोजगार, स्वरोजगार और भारतीय सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने 'केशव संवाद' और 'प्रेरणा विचार' पत्रिकाओं के 2026-27 के अंकों का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी को सदैव सम्मान और गरिमा का स्थान मिला है। गार्गी, मैत्रेयी, मीराबाई, अहिल्याबाई होलकर, रानी दुर्गावती और महारानी लक्ष्मीबाई जैसी महिलाओं ने ज्ञान, शासन, संस्कृति, शौर्य और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में अवंतीबाई लोधी, झलकारी बाई और ऊदा देवी पासी के नाम पर तीन महिला पीएसी बटालियन गठित की जा रही हैं। उन्होंने महिलाओं को समान अवसर और सम्मान देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

**युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने पर जोर**

योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 24 हजार से अधिक स्टार्टअप कार्य कर रहे हैं, जिनमें लगभग आधे महिलाओं द्वारा संचालित हैं। पिछले साढ़े नौ वर्षों में 9.5 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी मिलने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश की 96 लाख सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम इकाइयों में करीब सवा तीन करोड़ युवा कार्यरत हैं। उन्होंने निवेश बढ़ाने और युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार तथा स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने को विकास का महत्वपूर्ण आधार बताया।

**संस्कृति और इतिहास से जुड़ने का आह्वान**

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वांत रंजन ने कहा कि अपनी संस्कृति, गौरवशाली इतिहास और परंपराओं से जुड़ा समाज ही भविष्य की चुनौतियों का मजबूती से सामना कर सकता है। उन्होंने युवाओं से भारतीय विरासत को समझकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राणा प्रताप सिंह सहित प्रेरणा विमर्श के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

## राधा-कृष्ण के जयकारों से गूंजा थानाभवन, भजन संध्या में देर रात तक झूमे श्रद्धालु

**शामली (शिखर समाचार)।** श्री राधा अष्टमी के पावन अवसर पर शनिवार रात श्री जय माता दी सेवा समिति थानाभवन के तत्वावधान में अग्रवाल धर्मशाला में भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। धार्मिक कार्यक्रम में देर रात तक श्रद्धालु राधा-कृष्ण की भक्ति में सराबोर होकर झूमते रहे। राधा-कृष्ण के जयकारों से पूरा धर्मशाला परिसर भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भजनों का आनंद लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य यजमानों तथा आचार्य पंडित राजकमल भट्ट, आचार्य सिद्धार्थ वशिष्ठ और ऋत्विक माधव शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच दीप प्रज्ज्वलित कर विशेष पूजा-अर्चना के साथ किया। इसके बाद सुप्रसिद्ध भजन गायक अहम मित्तल, तनु कश्यप, कुंवारी प्रिया और आचार्य सिद्धार्थ वत्स ने राधा-कृष्ण की भक्ति से ओतप्रोत भजनों की प्रस्तुतियां दीं। भजनों की धुन पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते रहे और राधा-कृष्ण के जयकारे लगाते रहे।

धार्मिक उत्सव में पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा और भाजपा जिलाध्यक्ष रामजीलाल कश्यप सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग पहुंचे। अतिथियों ने राधा-कृष्ण के दरबार में हाजिरी लगाई और आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की। समिति के वरिष्ठ सदस्यों ललित अरोरा, रोमेश कश्यप, अश्वनी कुमार और नितिन सिंघल ने बताया कि धार्मिक आयोजनों के माध्यम से आस्था, संस्कार, आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे आयोजन जारी रखने की बात कही। इस अवसर पर कन्हैया अनेजा, हरीश सैनी, वासु जुनेजा, सचिन कुमार, प्रदीप शर्मा, वरुण नारंग, हिमांशु गोयल, अंकित अरोरा, तरुण आर्य, राहुल भटनागर, विपिन कुमार, प्रवीण कुमार, विजय कुमार, वंश सैनी, शगुन कंसल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

## 172 केंद्रों पर हुई मूलभूत साक्षरता परीक्षा, 1821 असाक्षर वयस्कों ने लिया भाग

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत रविवार को जनपद गाजियाबाद में असाक्षर वयस्कों की प्रथम मूलभूत साक्षरता परीक्षा आयोजित की गई। जिले के 172 परीक्षा केंद्रों पर हुई परीक्षा में 1,821 परीक्षार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। परीक्षा का उद्देश्य कार्यक्रम के तहत पढ़ना-लिखना और मूलभूत गणितीय ज्ञान सीख रहे असाक्षर वयस्कों के सीखने के स्तर का आकलन करना रहा।

परीक्षा में प्रतिभागियों ने पढ़ने, लिखने तथा दैनिक जीवन में उपयोगी सामान्य गणना से संबंधित अपनी दक्षताओं का प्रदर्शन किया। परीक्षा के सफल संचालन के लिए जिले के विभिन्न क्षेत्रों में निर्धारित केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। संबंधित खंड शिक्षा अधिकारियों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों और स्वयंसेवकों ने परीक्षा संचालन एवं निगरानी में सहयोग किया। केंद्रों पर परीक्षार्थियों की उपस्थिति, बैठने की व्यवस्था और परीक्षा सामग्री सहित अन्य आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित किए गए।

नव भारत साक्षरता कार्यक्रम का उद्देश्य ऐसे वयस्कों को साक्षरता से जोड़ना है, जो किसी कारणवश औपचारिक शिक्षा प्राप्त नहीं कर सके। कार्यक्रम के माध्यम से उन्हें पढ़ने-लिखने के साथ दैनिक जीवन में आवश्यक गणना और उपयोगी जानकारी को समझने का कौशल प्रदान किया जा रहा है।

रविवार को आयोजित परीक्षा इस अभियान की दिशा में महत्वपूर्ण चरण रही। बड़ी संख्या में महिला और पुरुष परीक्षार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। विभाग के अनुसार परीक्षा उनके अर्जित ज्ञान को परखने के साथ आत्मविश्वास बढ़ाने का अवसर भी बनी। जिले में कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आगे भी असाक्षर वयस्कों को चिन्हित कर साक्षरता गतिविधियों से जोड़ने का कार्य जारी रहेगा।

## 25 साल की साधना को मिला सम्मान, प्रो. बख्शीश सिंह बावा को मिला ज्योतिष गौरव रत्न

**जयपुर (शिखर समाचार)** ज्योतिष, हस्तरेखा और वास्तु के क्षेत्र में करीब 25 वर्षों से उल्लेखनीय कार्य कर रहे वास्तु विशेषज्ञ प्रोफेसर बख्शीश सिंह बावा को सर्वमंगल जन सेवा संस्थान, जयपुर की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में 24 कैरेट गोल्ड मेडल, स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। संस्था ने उन्हें 'ज्योतिष गौरव रत्न' की मानद उपाधि से भी नवाजा। सम्मान समारोह का आयोजन रविवार को जयपुर में किया गया। संस्था की ओर से जारी सम्मान पत्र में प्रोफेसर बख्शीश सिंह बावा को ज्योतिष शास्त्र के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किए जाने का उल्लेख किया गया है। सम्मान पत्र में उनके ज्योतिषीय ज्ञान, साधना एवं समाजोपयोगी योगदान को प्रेरणादायक बताया गया है। संस्था के अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने कहा कि प्रोफेसर बख्शीश सिंह बावा ने लंबे समय से ज्योतिष और हस्तरेखा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया है। उनके ज्ञान और अनुभव से बड़ी संख्या में लोगों को मार्गदर्शन मिला है। ऐसे विद्वानों का सम्मान समाज में ज्ञान और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने के साथ नई पीढ़ी को भी इस क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। संस्था के उपाध्यक्ष संदीप भार्गव ने बताया कि प्रोफेसर बख्शीश सिंह बावा करीब 25 वर्षों से ज्योतिष एवं हस्तरेखा के क्षेत्र में साधना और सेवाएं कर रहे हैं। इसके साथ ही वे युवाओं को इस विद्या का प्रशिक्षण भी प्रदान कर रहे हैं। सचिव अभिमन्यु पाराशर ने कहा कि समाजोपयोगी कार्य करने वाले विद्वानों का सम्मान करना संस्था के उद्देश्यों का हिस्सा है। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष महेश वाधवानी और सह-सचिव गोपाल भाई सहित ज्योतिष, वास्तु, हस्तरेखा एवं समाजसेवा से जुड़े लोग मौजूद रहे। उपस्थित लोगों ने प्रोफेसर बख्शीश सिंह बावा को सम्मान मिलने पर शुभकामनाएं दीं।

## मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सत्यवती मिश्रा को श्रद्धांजलि दी

**नोएडा (शिखर समाचार)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को राजस्थान के पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र के नोएडा स्थित आवास पर पहुंचकर उनकी पत्नी स्वर्गीय सत्यवती मिश्रा के निधन पर शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय सत्यवती मिश्रा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इसके बाद उन्होंने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परिजनों से बातचीत करते हुए उन्हें इस कठिन समय में धैर्य बनाए रखने की बात कही। उन्होंने कहा कि जीवन में अपनों का बिछड़ना अत्यंत पीड़ादायक होता है और इस दुख की घड़ी में वह परिवार के साथ हैं। मुख्यमंत्री ने दिवंगत सत्यवती मिश्रा के निधन पर अपनी संवेदना प्रकट करते हुए ईश्वर से शोक संतप्त परिवार को यह अपार दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

इस दौरान कलराज मिश्र और उनके परिजनों ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान स्थानीय प्रशासन के अधिकारी भी मौजूद रहे। उन्होंने परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर शोक संवेदना प्रकट की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

## नोएडा में 'यूपी संवाद' के तीसरे अध्याय में विकास यात्रा पर चर्चा, 150 से अधिक युवाओं ने लिया हिस्सा

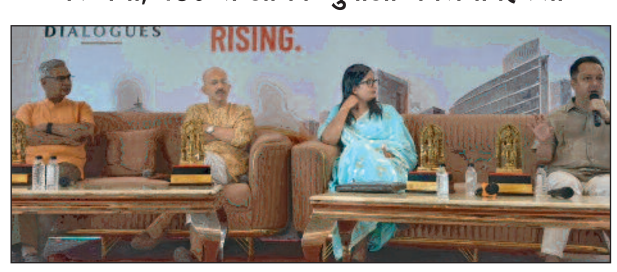


**नोएडा (शिखर समाचार)।** 'फ्रेंड्स ऑफ यूपी' की ओर से रविवार को नोएडा में 'यूपी संवाद-तीसरा अध्याय' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 150 से अधिक युवा स्वयंसेवकों और प्रतिभागियों ने भाग लेकर उत्तर प्रदेश में पिछले एक दशक के दौरान हुए बदलाव, विकास कार्यों और युवाओं के लिए उभरते अवसरों पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को प्रदेश की विकास यात्रा से जोड़ने के साथ विशेषज्ञों के साथ संवाद का अवसर उपलब्ध कराना था। कार्यक्रम के दौरान 'उत्तर प्रदेश दशक' विषय के तहत राज्य में विकास, नीतिगत बदलाव तथा सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों में आए परिवर्तन पर चर्चा हुई। मुख्य वक्ता लेखक एवं राजनीतिक विश्लेषक शांतनु गुप्ता ने कहा कि पिछले एक दशक में उत्तर प्रदेश में बुनियादी ढांचे, कानून-व्यवस्था और निवेश के क्षेत्र में कई बदलाव हुए हैं। उन्होंने इन्हें प्रदेश की बदलती पहचान से जोड़ते हुए युवाओं की भूमिका पर भी चर्चा की। अधिवक्ता सीमा कुशवाहा ने महिलाओं की सुरक्षा, अधिकार और सार्वजनिक जीवन में भागीदारी से जुड़े मुद्दों पर विचार रखे। उन्होंने कहा कि महिलाओं से जुड़े विषयों पर उठाए गए कदम सामाजिक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण हैं और युवा पीढ़ी इसमें सक्रिय भूमिका निभा सकती है। वरिष्ठ पत्रकार अभिजीत मजूमदार ने कहा कि उत्तर प्रदेश में आए बदलावों को केवल आंकड़ों के आधार पर नहीं, बल्कि जमीनी अनुभवों के संदर्भ में भी समझने की आवश्यकता है। कार्यक्रम दो सत्रों में आयोजित हुआ। पहले सत्र में आमंत्रित वक्ताओं के साथ संवाद हुआ, जबकि दूसरे सत्र में युवाओं के साथ प्रश्नोत्तर और खुला संवाद आयोजित किया गया। प्रतिभागियों ने विभिन्न विषयों पर सवाल पूछे और अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का समापन युवाओं की सक्रिय सहभागिता के साथ हुआ।

## 100 रुपये की तकनीक से बदली पशुपालक की तस्वीर, बछड़ों की चिंता घटी और बढ़ी कमाई

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** सिर्फ 100 रुपये की लागत और घर पर सुविधा पशुपालन में आधुनिक तकनीक ने छोटे पशुपालक की बड़ी समस्या का रास्ता निकाल दिया। भोजपुर विकासखंड के ग्राम सिकंदरपुर निवासी विनय कुमार दो गायों से प्रतिदिन करीब 20 लीटर दूध का उत्पादन कर परिवार का भरण पोषण कर रहे हैं। सेक्स सॉर्टेड सीमन तकनीक अपनाने के बाद उनके यहां अब तक बछियों का जन्म हुआ है, जिससे भविष्य में दूध उत्पादन के साथ अतिरिक्त आय की संभावनाएं भी बढ़ी हैं।

विनय कुमार के सामने पहले गायों से बछड़े पैदा होने पर उनके पालन-पोषण, चारे और रखरखाव का अतिरिक्त खर्च बड़ी चुनौती था। छोटे पशुपालक होने के कारण यह खर्च उनकी आमदनी को प्रभावित करता था। इसी समस्या को कम करने के लिए उन्होंने पशुपालन विभाग की ओर से उपलब्ध कराई जा रही सेक्स सॉर्टेड सीमन सुविधा का लाभ लिया। विभाग के अनुसार यह सुविधा मात्र 100 रुपये में पशुपालक के घर पर उपलब्ध कराई जा रही है। विनय कुमार का कहना है कि तकनीक का इस्तेमाल करने के बाद उनके यहां अब तक केवल बछियों का जन्म हुआ है। उनका कहना है कि इन बछियों को भविष्य में दूध उत्पादन के लिए तैयार किया जा सकता है और आवश्यकता के अनुसार बेचकर भी आय अर्जित की जा सकती है। इससे पशुपालन को अतिरिक्त आय का माध्यम बनाने में मदद मिल रही है। विनय कुमार बताते हैं कि पहले बछड़ों के पालन पोषण पर होने वाला खर्च उनकी आय का एक हिस्सा खा जाता था, जबकि अब यह समस्या काफी हद तक कम हुई है। वह सेक्स सॉर्टेड सीमन को छोटे पशुपालकों के लिए उपयोगी तकनीक बताते हैं। उनका कहना है कि आधुनिक पशु प्रजनन तकनीक को अपनाकर पशुपालक बेहतर पशुधन तैयार करने के साथ अपनी आय बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

## 23 सितंबर के घेराव को लेकर किसानों ने कसी कमर, 10 प्रतिशत आबादी प्लॉट और समान मुआवजे की मांग

**रबूपुरा (शिखर समाचार)।** भारतीय किसान यूनियन (कृषक शक्ति) ने 23 सितंबर को प्रस्तावित घेराव कार्यक्रम को लेकर किसानों की लामबंदी शुरू कर दी है। रविवार को गांव रौनीजा में संगठन की बैठक आयोजित कर किसानों को आंदोलन की मांगों की जानकारी दी गई और बड़ी संख्या में घेराव कार्यक्रम में पहुंचने की अपील की गई। बैठक में भूमि अधिग्रहण और किसानों को मिलने वाले मुआवजे समेत स्थानीय युवाओं के रोजगार से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमन ठाकुर ने कहा कि 23 सितंबर के आंदोलन में किसानों की प्रमुख मांगों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। इनमें 10 प्रतिशत आबादी के प्लॉट दिए जाने, भूमि अधिग्रहण कानून-2013 को पूर्ण रूप से लागू करने, सर्किल रेट में संशोधन, समान मुआवजा नीति लागू करने और स्थानीय युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की मांग शामिल है।

अमन ठाकुर ने कहा कि इन मांगों को लेकर किसानों को एकजुट होकर घेराव कार्यक्रम में भाग लेना चाहिए। बैठक में मौजूद किसानों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर आंदोलन को मजबूत करने की अपील की गई। संगठन पदाधिकारियों ने कहा कि किसानों से जुड़े मुद्दों को लेकर आगे भी गांव-गांव बैठक कर लोगों को कार्यक्रम की जानकारी दी जाएगी।

बैठक में हरी प्रताप सिंह छोकर, रघुराज सिंह, अशोक प्रधान, मुकेश कुमार गौड़, निरंजन गौड़, प्रमोद भाटी, विपिन सचदेवा, हरदेव मुकेश, कृष्ण गोस्वामी, राजू, विनोद, सुभाष, पवन भाटी, रमन शर्मा और सचिन समेत अन्य किसान मौजूद रहे।

## मुठभेड़ में वाहन चोर गिरफ्तार, पैर में गोली लगने से हुआ घायल

**बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)।** पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान हुई मुठभेड़ में एक कथित शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक बिना नंबर की मोटरसाइकिल, तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद करने का दावा किया है। इंस्पेक्टर सुभाष अत्री ने बताया कि पुलिस टीम क्राउन स्कूल से मंदवाड़ा गांव की ओर जाने वाले मार्ग पर वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान मंदवाड़ा की ओर से मोटरसाइकिल पर आ रहे एक युवक को रुकने का इशारा किया गया। पुलिस के अनुसार, युवक पुलिस को देखकर मोटरसाइकिल छोड़कर खेतों की ओर भागने लगा। पुलिस टीम ने पीछा करते हुए घेराबंदी की तो आरोपी ने पुलिसकर्मियों पर गोली चला दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी और वह घायल होकर मौके पर गिर गया। इसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपी की पहचान बिलाल उर्फ मंकी पुत्र इस्तकार निवासी खैर नगर, थाना दिल्ली गेट, मेरठ के रूप में हुई। पुलिस ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध मेरठ, नोएडा, दिल्ली और हरियाणा के विभिन्न थानों में वाहन चोरी सहित अन्य मामलों के कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस आरोपी के आपराधिक इतिहास और बरामद मोटरसाइकिल के संबंध में आगे जांच कर रही है।

## आईएमए सहारनपुर में नई टीम का ऐलान, डॉ. डीके गुप्ता अध्यक्ष और डॉ. रजनीश सिंघल प्रेसिडेंट इलेक्ट

**सहारनपुर (शिखर समाचार)।** इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की सहारनपुर शाखा के वर्ष 2026-27 के वार्षिक चुनाव में डॉ. डीके गुप्ता को अध्यक्ष और डॉ. रजनीश सिंघल को वर्ष 2027-28 के लिए प्रेसिडेंट इलेक्ट चुना गया। चुनाव अधिकारी डॉ. डीके तिवारी और डॉ. आरएस पंवार ने चुनाव परिणामों की जानकारी दी। सचिव पद पर डॉ. अनुपम मलिक, कोषाध्यक्ष डॉ. विकास कुमार अग्रवाल, प्रथम उपाध्यक्ष डॉ. रवींद्र राणा, द्वितीय उपाध्यक्ष डॉ. राहुल सिंह तथा तृतीय उपाध्यक्ष डॉ. वंदना आर्य निर्वाचित हुईं। आईएमए के विभिन्न प्रकोष्ठों में वैज्ञानिक सचिव डॉ. सौम्या जैन, खेल सचिव डॉ. महेश ग्रोवर और सांस्कृतिक सचिव डॉ. पूजा खन्ना चुनी गईं। मेडिकॉन संयोजक डॉ. नरेश नौसरान, सामाजिक सेवा संयोजक डॉ. दीप शिखा खन्ना, सदस्यता अभियान संयोजक डॉ. संजीव अग्रवाल, भवन समिति संयोजक डॉ. अजय सिंह तथा आईएमए भवन के कोषाध्यक्ष डॉ. रिकी चौधरी बनाए गए। केंद्रीय परिषद के सदस्यों में डॉ. प्रवीण शर्मा, डॉ. रजनीश दहूजा और डॉ. मोहन सिंह तथा राज्य परिषद के लिए डॉ. नीरज आर्या, डॉ. वीके भार्गव, डॉ. महेश गोयल, डॉ. संजीव मित्तल, डॉ. मोहन पांडे, डॉ. कुणाल जैन और डॉ. स्वर्णजीत सिंह मनोनीत हुए। आईएमए पत्रिका के संपादक डॉ. विवेक बनर्जी तथा लेखा परीक्षक डॉ. रवि ठक्कर और डॉ. प्रशांत खन्ना चुने गए। नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. डीके गुप्ता ने सदस्यों का आभार जताते हुए चिकित्सकों के हित, जनसेवा और संगठन को मजबूत करने के लिए कार्य करने की बात कही। निवर्तमान अध्यक्ष डॉ. प्रवीण शर्मा ने अपने कार्यकाल में मिले सहयोग के लिए सभी का धन्यवाद किया। चुनाव संपन्न कराने में निवर्तमान सचिव डॉ. नीरज आर्या, डॉ. अनुपम मलिक, डॉ. विकास अग्रवाल और डॉ. अवनीश सिंघल सहित अन्य सदस्यों का सहयोग रहा।

## एसएसवी कॉलेज में सेल्फ फाइनेंस शिक्षकों और प्रबंधन में खींचतान, अंतिम निर्णय तक सेवा जारी रखने की मांग

**हापुड़ (शिखर समाचार)।** एसएसवी कॉलेज हापुड़ में सेल्फ फाइनेंस पाठ्यक्रमों को लेकर प्रबंधन और शिक्षकों के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है। सेल्फ फाइनेंस शिक्षक चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के अंतिम निर्णय तक सेवा जारी रखने की मांग कर रहे हैं, जबकि कॉलेज प्रबंधन का कहना है कि शिक्षकों को इस संबंध में मांगी गई कोई अनुमति नहीं दी गई है। कॉलेज प्रशासन ने अव्यवस्था उत्पन्न होने पर नियमानुसार कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। कॉलेज पक्ष के अनुसार प्रबंध समिति की छह जून को हुई बैठक में बीकॉम पाठ्यक्रम बंद करने तथा बीएड की सीटें आधी करने का प्रस्ताव पारित किया गया था। इसके बाद संबंधित शिक्षकों को 19 जून को नोटिस दिया गया। वहीं शिक्षकों का दावा है कि बीकॉम बंद करने और बीएड की सीटें आधी करने संबंधी प्रस्ताव को विश्वविद्यालय ने अनुमति नहीं दी है और उनकी सेवा समाप्ति को कुलपति की ओर से भी कोई अनुमोदन नहीं दिया गया है। शिक्षकों के अनुसार निर्णय के विरुद्ध तीन शिक्षकों ने उच्च न्यायालय में अवमानना वाद दायर किया था। उनका दावा है कि न्यायालय ने विश्वविद्यालय को मामले में अंतिम निर्णय लेने के निर्देश दिए तथा अंतिम निर्णय तक शिक्षकों को कार्य करते रहने की अनुमति दी। शिक्षकों का यह भी कहना है कि विश्वविद्यालय ने कॉलेज को अंतिम निर्णय होने तक उनसे कार्य लेने के निर्देश दिए हैं। मांग पूरी नहीं होने पर उन्होंने शांतिपूर्ण प्रदर्शन की चेतावनी दी है। इस बीच कॉलेज प्राचार्य ने 19 सितंबर 2026 को डॉ. अतुल कुमार गोयल समेत संबंधित शिक्षकों को पत्र जारी किया। पत्र में शिक्षकों पर झूठे और मनगढ़ंत आरोपों के साथ धमकी भरा पत्र भेजने का आरोप लगाते हुए कहा गया कि मांगी गई कोई अनुमति नहीं दी गई है। साथ ही कॉलेज में अव्यवस्था उत्पन्न करने पर नियमानुसार कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

## अग्रवाल महासभा चुनाव में 4522 मतदाताओं ने डाले वोट, 21 सितंबर को होगी मतगणना

**हापुड़ (शिखर समाचार)।** अग्रवाल महासभा हापुड़ के त्रैवार्षिक चुनाव के लिए रविवार को मेरठ रोड स्थित दीवान इंटर कॉलेज में कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान कराया गया। कुल 5,837 मतदाताओं में से 4,522 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान के दौरान कई बार मामूली कहासुनी और झड़प की स्थिति बनी, लेकिन वरिष्ठ लोगों और पुलिसकर्मियों ने तत्काल हस्तक्षेप कर मामला शांत करा दिया। इसके चलते मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गई और अधिकारियों ने भी राहत की सांस ली। चुनाव के परिणाम के लिए 21 सितंबर को मतगणना कराई जाएगी।

मतदान की प्रक्रिया रविवार सुबह आठ बजे शुरू हुई। चुनाव को लेकर मतदाताओं में उत्साह दिखाई दिया और मतदान केंद्र पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए थे। महासभा की नई कार्यकारिणी के गठन के लिए हुए चुनाव में महाराजा अग्रसेन सेवा समूह और अग्रबंधु सेवा समूह के पदाधिकारी व सदस्य आमने-सामने थे। महाराजा अग्रसेन सेवा समूह की ओर से अतुल चौकडायत (पटाखे वाले), जबकि अग्रबंधु सेवा समूह की ओर से ललित अग्रवाल (छावनी वाले) के नेतृत्व में चुनावी मुकाबला हुआ। मतदान के दौरान कुछ स्थानों पर दोनों पक्षों के समर्थकों के बीच कहासुनी होने की सूचना मिली। कुछ देर के लिए झड़प की स्थिति भी बनी, लेकिन पुलिस और समाज के वरिष्ठ लोगों ने हस्तक्षेप कर स्थिति को बिगड़ने से रोक दिया। मतदान पूरा होने के बाद मतपेटियों को सुरक्षित रख दिया गया है। अब सभी की निगाहें 21 सितंबर को होने वाली मतगणना और नई कार्यकारिणी के परिणाम पर टिकी हैं।

# संपादकीय

## सांप्रदायिक बहस से आगे बढ़कर भारत को संविधान की कसौटी पर देखने का समय

भारत में सार्वजनिक जीवन की सबसे बड़ी विशेषता उसकी विविधता है और सबसे बड़ी चुनौती भी यही है कि इस विविधता को राजनीतिक या वैचारिक टकराव में बदलने से कैसे रोका जाए। पिछले दो दिनों में पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी के एक वक्तव्य को लेकर जिस प्रकार राजनीतिक बहस तेज हुई है, वह इसी चुनौती की ओर संकेत करती है। 19 सितंबर को ए.जी. नूरानी स्मृति व्याख्यान में अंसारी ने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के एक पुराने कथन का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के लिए खतरा साम्यवाद से अधिक हिंदू दक्षिणपंथी सांप्रदायिकता से था। उन्होंने इस संदर्भ में संविधान विशेषज्ञ और लेखक ए.जी. नूरानी की पुस्तक का भी उल्लेख किया। उनके वक्तव्य के बाद भारतीय जनता पार्टी से जुड़े नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। 20 सितंबर को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंसारी के वक्तव्य को दुर्भाग्यपूर्ण और डरावना बताते हुए कहा कि महत्वपूर्ण संवैधानिक पद पर रह चुके व्यक्ति से पद की गरिमा के अनुरूप सार्वजनिक आचरण की अपेक्षा होती है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी बयान को अनुचित बताया और कहा कि ऐसे वक्तव्यों से वैमनस्य बढ़ सकता है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू समेत अन्य नेताओं की प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं। दूसरी ओर, कुछ मुस्लिम धार्मिक नेताओं ने भी अंसारी की टिप्पणी से दूरी बनाते हुए धार्मिक सौहार्द और राष्ट्रीय एकता पर जोर दिया है।

इस पूरे विवाद को केवल एक व्यक्ति के बयान और दूसरे व्यक्ति के पलटवार तक सीमित करके देखना उचित नहीं होगा। असली सवाल यह है कि भारत जैसे बहुलतावादी लोकतंत्र में धर्म, राष्ट्रवाद, सांप्रदायिकता और राजनीतिक विचारधारा पर बहस किस भाषा और किस जिम्मेदारी के साथ होनी चाहिए। लोकतंत्र में किसी विचार से असहमति का अधिकार उतना ही महत्वपूर्ण है जितना किसी विचार को रखने का अधिकार। लेकिन अधिकार के साथ सार्वजनिक जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। विशेषकर वे लोग, जिन्होंने संवैधानिक पदों पर रहकर देश की संस्थाओं का प्रतिनिधित्व किया हो, उनके शब्दों को सामान्य राजनीतिक बयान से अधिक गंभीरता से देखा जाता है। हामिद अंसारी ने अपने वक्तव्य को ऐतिहासिक संदर्भ से जोड़ा है। इसलिए उनके कथन की पूरी समीक्षा उसी ऐतिहासिक संदर्भ में होनी चाहिए। किसी पुराने नेता के कथन को आज के राजनीतिक वातावरण में उद्धृत करने से पहले यह समझना आवश्यक है कि वह कथन किस समय, किस परिस्थिति और किस संदर्भ में दिया गया था। इतिहास को वर्तमान की राजनीति में लाना कोई असामान्य बात नहीं है, लेकिन इतिहास का इस्तेमाल वर्तमान समाज को बांटने के बजाय वर्तमान को समझने के लिए होना चाहिए। यही इतिहासबोध की वास्तविक कसौटी है। दूसरी ओर, किसी विचार की आलोचना करते समय व्यक्ति की नीयत पर प्रश्न खड़े करने के बजाय उसके तर्क और तथ्य पर बहस करना लोकतांत्रिक परंपरा के अधिक अनुकूल है। यदि अंसारी के कथन से असहमति है तो यह बताया जाना चाहिए कि उसमें कौन-सा तथ्य गलत है, ऐतिहासिक संदर्भ किस प्रकार अलग है और वर्तमान भारत की संवैधानिक तथा सामाजिक स्थिति उससे किस तरह भिन्न है। इसी प्रकार यदि कोई व्यक्ति बहुसंख्यकवाद या सांप्रदायिकता के बढ़ते प्रभाव को लेकर चिंता व्यक्त करता है तो उस चिंता की जांच भी ठोस सामाजिक और संवैधानिक मानकों पर होनी चाहिए, केवल राजनीतिक नारों के आधार पर नहीं। भारत का संविधान नागरिकों की धार्मिक स्वतंत्रता के साथ समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व की भी गारंटी देता है। इसलिए देश की मजबूती किसी एक समुदाय की राजनीतिक विजय में नहीं, बल्कि इस बात में है कि हर नागरिक स्वयं को कानून और संविधान के संरक्षण में समान रूप से सुरक्षित महसूस करे। बहुसंख्यक समुदाय की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं का सम्मान लोकतंत्र में उतना ही आवश्यक है जितना अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों और विश्वासों का सम्मान। इन दोनों को परस्पर विरोधी मानना भारतीय लोकतंत्र की जटिलता को बहुत सरल बना देना होगा।

~ मौलिक चिंतन ~

**हानि-लाभ का गुणा भाग करके किया गया प्यार, प्यार नहीं विशुद्ध व्यापार है।**

~~~~~~~~~

©

विनय संकोची

# भारत जोड़ो यात्रा के बाद छात्रों की गूंजः क्या कांग्रेस तलाश रही है नया वोट बैंक?

सौरभ वार्ष्णेय

राजनीति में जन रैलियां और जनसंपर्क अभियान, जन सभायें केवल भीड़ जुटाने या एकत्रित करने के साधन नहीं होते। वरन राजनीतिक दलों को समाज के अलग-अलग वर्गों के साथ अपना रिश्ता बनाने, मुद्दों को पहचान देने और पार्टी संगठन को नई ऊर्जा देने संचार का अवसर भी देते हैं। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के बाद अब कांग्रेस के कर्णधार राहुल गांधी की छात्रों की गूंजइ कार्यक्रम पहल इसी दृष्टि से जनता की ओर अवना ध्यान खींच रही है। सवाल यह है कि क्या कांग्रेस छात्रों के बीच अपनी विचारधारा और राजनीतिक संदेश को पहुंचाने में सफल हो रही है या यह आने वाले चुनावों के लिए नए वोट बैंक की तलाश की रणनीति है?

कांग्रेस का 17 जून 2026 को राजस्थान के कोटा से शुरू हुआ छात्रों की गूंज अभियान अब देहरादून, प्रयागराज और पुणे तक पहुंच चुका है। कांग्रेस ने इसे केवल राहुल गांधी के कुछ कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रखा है। पार्टी ने इसके विस्तार की योजना बनाई है। जानकारी के अनुसार पहले चरण में 28 कार्यक्रम और आगे 800 शहरों या जिलों तक छात्र संपर्क बढ़ाने की योजना है। यहीं से इस अभियान का राजनीतिक महत्व समझ में आता है। हालांकि इसे विरोधी भी समझ रहे हैं लेकिन पेपर लीक समस्या का समाधान न मिलने से वह कांग्रेस के आगे शांति दिखाई दे रहे हैं।

अगर हम कांग्रेस की नई रणनीति की बात करें तो भारत जोड़ो यात्रा का मूल स्वर व्यापक सामाजिक-राजनीतिक संपर्क था। राहुल गांधी ने पैदल यात्रा के माध्यम से विभिन्न राज्यों में लोगों से जनसंवाद किया। वह यात्रा कांग्रेस के लिए राजनीतिक पुन सम्पर्क का बड़ा प्रयोग थी क्योंकि राहुल गांधी की छवि जो प्रतिपार्टी ने धूमिल कर रखी थी उसे निखारने का का यह अवसर था जो कि बखूबी सिद्व सफल हुआ।छात्रों की गूंज का दायरा अपेक्षाकृत ज्यादा केंद्रित है। यहां निशाना एक खास सामाजिक समूह है छात्र, प्रतियोगी परीक्षा देने वाले युवा और रोजगार की तलाश में लगे नौजवान। कोटा में परीक्षा, शिक्षा का खर्च, प्रवेश की मुश्किलें और छात्रों के मानसिक दबाव जैसे मुद्दे उठाए गए। रिपोर्ट के अनुसार उस कार्यक्रम में 4,000 से अधिक लोग पहुंचे, जिनमें बड़ी संख्या छात्रों की थी। देहरादून में पेपर लीक, सरकारी नौकरियों और बेरोजगारी जैसे सवाल सामने आए। प्रयागराज में भी पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं और रोजगार को प्रमुख मुद्दा बनाया गया। इससे स्पष्ट है कि कांग्रेस ने छात्र राजनीति के लिए मुद्दों का एक निश्चित पैकेज तैयार किया है। पेपर लीक, परीक्षा व्यवस्था, बेरोजगारी, महंगी शिक्षा और रोजगार के अवसर।इसका जवाब फिलहाल हां, लेकिन सीमित अर्थ मेंइ दिया जा सकता है। कांग्रेस ने छात्रों के सामने ऐसे मुद्दे रखे हैं जो उनके रोजमर्रा के जीवन से जुड़े हैं। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाला छात्र पेपर लीक को किसी राजनीतिक नारे के रूप में नहीं, बल्कि अपने कई वर्षों के परिश्रम से जुड़े सवाल के रूप में देखता है। नौकरी की तैयारी करने वाले युवा के लिए भर्ती परीक्षा में देरी या परीक्षा रद्द होना सीधे उसके भविष्य से जुड़ता है। यही वह जगह है जहां कांग्रेस को राजनीतिक अवसर दिखाई दे रहा है। प्रयागराज में बड़ी संख्या में छात्र और परीक्षा अभ्यर्थी कार्यक्रम में पहुंचे और कई ने परीक्षा व्यवस्था तथा रोजगार से जुड़े सवाल उठाए। लेकिन यहां सावधानी जरूरी है। किसी राजनीतिक कार्यक्रम में युवाओं की भागीदारी को सीधे कांग्रेस के समर्थन या वोट में बदल देना सही निष्कर्ष नहीं होगा। कार्यक्रम में आना, राहुल गांधी की बात सुनना और कांग्रेस को वोट देना तीन अलग-अलग बातें हैं। अभी यह कहना अधिक उचित होगा कि कांग्रेस ने छात्रों के बीच अपने मुद्दे पहुंचाने के लिए एक प्रभावी मंच बनाया है। यह मंच भविष्य में कितना राजनीतिक समर्थन पैदा करता है, इसका प्रमाण चुनाव और स्वतंत्र जनमत सर्वेक्षण ही देंगे। राजनीति में किसी समूह के बीच लगातार संपर्क अभियान चलाना स्वाभाविक रूप से राजनीतिक आधार बनाने की कोशिश भी होता है। कांग्रेस के मामले में यह बात इसलिए अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि पार्टी ने छात्रों की गूंजइ को चार शहरों तक सीमित नहीं रखा है। कांग्रेस की योजना 800 शहरों/जिलों तक पहुंचने की बताई गई है। पार्टी के भीतर इसे युवा मतदाताओं तक व्यापक पहुंच बनाने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। इसलिए इसे केवल सामाजिक संवाद कहना राजनीतिक दृष्टि से अधूरा होगा। लेकिन इसे नया वोट बैंक बन गयाइ कहना भी जल्दबाजी होगी।

युवा मतदाता कोई एकरूप समूह नहीं है। उसकी प्राथमिकताएं जाति, क्षेत्र, शिक्षा, रोजगार, आर्थिक स्थिति और राजनीतिक विचारों के आधार पर अलग-अलग हो सकती हैं। इसलिए केवल छात्रों के बीच लोकप्रियता का अर्थ यह नहीं कि पूरा युवा वर्ग कांग्रेस के साथ खड़ा हो गया। प्तप्तप्त कांग्रेस के सामने असली चुनौती कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी चुनौती मुद्दे उठाने की नहीं, बल्कि उन मुद्दों को विश्वसनीय राजनीतिक कार्यक्रम में बदलने की होगी। पेपर लीक पर सवाल उठाना आसान है। लेकिन सत्ता में आने पर परीक्षा व्यवस्था को कैसे बदला जाएगा? भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने की क्या व्यवस्था होगी? सरकारी नौकरियों की संख्या कैसे बढ़ेगी? निजी शिक्षा की बढ़ती लागत को कैसे नियंत्रित किया जाएगा? प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए छात्रों पर आर्थिक बोझ कैसे घटेगा? यही कारण है कि छात्रों की गूंजइ का अगला चरण केवल भाषणों का विस्तार नहीं, बल्कि नीतिगत प्रस्तावों का विस्तार होना चाहिए। यदि कांग्रेस केवल सरकार विरोधी नारों तक सीमित रहती है तो अभियान की राजनीतिक सीमा भी वहीं तक रह जाएगी। यदि वह छात्रों के मुद्दों पर ठोस नीतिगत विकल्प सामने रखती है तो संवाद का दायरा बढ़ सकता है।

भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी ने अलग-अलग सामाजिक समूहों के बीच जाकर संवाद बनाया। छात्रों की गूंजइ में वह एक विशिष्ट वर्ग के बीच लगातार जा रहे हैं। अंतर यह है कि भारत जोड़ो यात्रा का संदेश व्यापक था, जबकि छात्रों की गूंज का संदेश मुद्दा-केंद्रित है। इसे कांग्रेस के लिए संगठनात्मक प्रयोग भी माना जा सकता है। उत्तराखंड में कांग्रेस नेताओं ने इस अभियान को युवाओं के साथ पार्टी के पुनसम्पर्क और संगठन को सक्रिय करने के अवसर के रूप में देखा। हरियाणा में भी युवा कांग्रेस ने कॉलेजों और विश्वविद्यालयों तक 40 दिन के अभियान की योजना बनाई। इसका मतलब है कि राहुल गांधी का कार्यक्रम ऊपर से नीचे तक संगठन में फैलाया जा रहा है।

कांग्रेस के लिए यह अभियान इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि छात्र और युवा लंबे समय में किसी भी राजनीतिक दल के लिए महत्वपूर्ण मतदाता समूह बन सकते हैं। आज का कॉलेज छात्र आने वाले चुनावों का मतदाता है और उसके राजनीतिक विचार समय के साथ उसके परिवार तथा सामाजिक दायरे को भी प्रभावित कर सकते हैं। लेकिन राजनीति में किसी अभियान की सफलता का अंतिम पैमाना उसकी चुनावी परिणति होती है। इसलिए छात्रों की गूंजइ को सफल या असफल घोषित करने से पहले यह देखना होगा कि क्या छात्रों की राजनीतिक प्राथमिकताएं बदलती हैं, क्या कांग्रेस के प्रति उनका भरोसा बढ़ता है और क्या यह भरोसा मतदान व्यवहार में दिखाई देता है। भारत जोड़ो यात्राइ के बाद छात्रों की गूंजइ को कांग्रेस की राजनीतिक रणनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखा जा सकता है। पहली यात्रा में कांग्रेस ने व्यापक समाज से संवाद की कोशिश की थी, अब वह एक ऐसे वर्ग के बीच लगातार पहुंच बनाने की कोशिश कर रही है जिसके सामने शिक्षा, परीक्षा, रोजगार और भविष्य से जुड़े गंभीर प्रश्न हैं।

# हिन्दी संवाद की भाषा, विवाद की नहीं

सुरेश हिंदुस्तानी

देश में भाषा के नाम पर उत्तर और दक्षिण के राज्यों में भेद पैदा करने का दुस्साहस लम्बे समय से चल रहा है। इसमें तथ्यात्मक पहलू यह है कि ऐसा खेल राजनीति के संरक्षण में होता है। दक्षिण के राज्यों में हिन्दी के प्रति जिस प्रकार से अलगाव के बीज बोने की कवायद की जाती है, उसे प्रथम दृष्टि में एक दूसरे को लड़ाने की योजना का हिस्सा ही मानना चाहिए, क्योंकि सांस्कृतिक दृष्टि से पूरा भारत एक है। इस संस्कृति को बनाने में भारतीय भाषाओं का योगदान भी प्रमुख है। भारत की सभी भाषाएं हमारी संस्कृति का अटूट हिस्सा हैं। चाहे वह बड़े भूभाग में बोले जाने वाली हो या फिर किसी राज्य की भाषा ही क्यों न हो। सब महत्वपूर्ण हैं।

अभी हाल ही में हिंदी को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने तमिलनाडु सरकार को सीधे शब्दों में कहा है कि हिंदी के प्रति सोच को बदलना चाहिए। इसके निहितार्थ यही हैं कि हिन्दी देश के बहुत बड़े क्षेत्र में बोली जाती है। इसलिए दक्षिण के राज्यों में इसके प्रति सकारात्मक भाव होना चाहिए। वैसे भी आम जनमानस में यह भाव दिखाई भी देता है।

भारत की पहचान उसकी भाषायी विविधता में है। यहां भाषा केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि जीवनानुभव, संस्कृति और संवेदना की वाहक है। कश्मीर से कन्याकुमारी और गुजरात से अरुणाचल तक बदलती बोलियां और भाषाएं भारत की आत्मा को अनेक स्वरों में व्यक्त करती हैं। यही बहुस्वरता हमारी विशिष्टता है। इसलिए किसी एक भारतीय भाषा का विस्तार दूसरी भाषा के लिए संकुचन नहीं, बल्कि पूरे भारतीय भाषायी संसार का विस्तार है। हिन्दी इसी व्यापक भाषायी परिवार की एक सशक्त कड़ी है। उसका स्वभाव संवाद का है। वह जहां पहुंचती है, वहां केवल शब्द नहीं ले जाती, लोगों से जुड़ने का एक सहज माध्यम भी बनाती है। देश के अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले लोग जब अपनी-अपनी मातृभाषाओं के साथ हिन्दी के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़ते हैं, तो उनके बीच दूरी घटती है और परिचय बढ़ता है। एकात्म भाव का जागरण होता है।

हिन्दी की व्यापकता का आधार केवल उसका भाषायी भूगोल नहीं है। रोजगार, शिक्षा, व्यापार, पर्यटन, सिनेमा, साहित्य और संचार के अनेक माध्यमों ने उसे देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचाया है। दक्षिण भारत में भी हिन्दी समझने और बोलने वाले लोगों की संख्या कम नहीं है। वहां हिन्दी के अध्ययन और अध्यापन के लिए वर्षों से संस्थाएं सक्रिय रही हैं। अनेक विद्यार्थी हिन्दी सीखते हैं, साहित्य पढ़ते हैं और देश के दूसरे हिस्सों के लोगों से संवाद में उसका उपयोग करते हैं। यह अपनी भाषा में जड़ें मजबूत रखते हुए दूसरी भारतीय भाषाओं से परिचित होना दृष्टि को विस्तृत करता है। एक भाषा हमें अपनी मिट्टी से जोड़ती है, दूसरी हमें दूसरे प्रदेश की मिट्टी की गंध समझने का अवसर देती है। अनेक भाषाओं का ज्ञान अनेक संसारों से परिचय है। भारत में हिन्दी के प्रति आत्मीयता रखने वाले समाजों ने कभी तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, बंगाली, मराठी या असमिया जैसी भाषाओं के अस्तित्व को चुनौती नहीं माना। दक्षिण की भाषाएं उत्तर के लिए उतनी ही अपनी हैं, जितनी उत्तर की भाषाएं दक्षिण के लिए। तुलसी, कबीर और प्रेमचंद को पढ़ने वाला पाठक जब सुब्रमण्यम भारती, तिरुवल्लुवर या कुवेम्पु की रचनाओं तक पहुंचता है, तो वह भारत को थोड़ा और गहराई से जानता है। इसीलिए भाषा को अवसर की तरह देखना आवश्यक है। किसी बच्चे को हिन्दी सीखने का अवसर मिलता है तो उसके सामने देश के एक बड़े भूभाग, व्यापक साहित्य और असंख्य लोगों से जुड़ने का एक और द्वार खुलता है। इसी प्रकार हिन्दीभाषी समाज जब तमिल, तेलुगु, कन्नड़ या मलयालम के शब्द सीखता है, तो भारत की सांस्कृतिक समृद्धि उसके लिए और विस्तृत हो जाती है।

हम यह भली भांति जानते हैं कि भारत के दक्षिणी राज्यों में कई बार हिन्दी के कार्यक्रम सफलता पूर्वक हुए हैं। शिक्षा संस्थानों में भी हिन्दी के प्रति अनुराग बढ़ता जा रहा है। लेकिन इसका तात्पर्य यह कतई नहीं है कि अन्य भाषाओं के उपेक्षा का भाव है। राजनीतिक दल इसे हिन्दी थोपने के रूप में प्रचारित करके जनता को केवल भ्रमित करने का काम करते हैं। शिक्षा संस्थानों में बच्चों के सामने जितनी अधिक भाषाओं और ज्ञान के द्वार खुलेंगे, उनका संसार उतना ही विस्तृत होगा। इस सकारात्मक अभियान को जब मजबूत दिशा मिलेगी, तो स्वाभाविक रूप से भारत का शक्तिशाली स्वरूप सामने आएगा। हिन्दी को लेकर भी यही दृष्टि होनी चाहिए।

भारत की भाषाएं एक ही सांस्कृतिक चेतना की अलग-अलग अभिव्यक्तियां हैं। एक भाषा का समृद्ध होना दूसरी भाषा के लिए खतरा नहीं, अनेक भाषाओं का साथ-साथ समृद्ध होना भारत की सामूहिक शक्ति है। आज जब संचार के साधनों ने देश को पहले से कहीं अधिक निकट ला दिया है, तब भाषा की भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई है। देश के एक कोने में बैठा व्यक्ति दूसरे कोने में रहने वाले व्यक्ति से सहज संवाद कर सके, उसके विचार समझ सके, उसकी संस्कृति को जान सके, यही भाषायी समृद्धि का वास्तविक उद्देश्य है। हिन्दी इस संवाद में एक सेतु की भूमिका निभा सकती है, लेकिन उस सेतु की सुंदरता तभी है जब उसके दोनों ओर भारत की अपनी विविध भाषाएं सुरक्षित, सम्मानित और जीवंत रहें।

भारत को एक-दूसरे को समझने की संस्कृति की आवश्यकता है। हमारी भाषायी विविधता उस संस्कृति की सबसे सुंदर अभिव्यक्ति है। हिन्दी उस विविधता में अपना स्वर जोड़ती है और दूसरी भारतीय भाषाएं उसके स्वर को और समृद्ध करती हैं। इसलिए हिन्दी को लेकर दृष्टि संवाद की होनी चाहिए, विवाद की नहीं। हिन्दी जितनी अधिक भारतीय भाषाओं से जुड़ेगी, उतनी ही अधिक भारतीय बनेगी। और भारत जितनी भाषाओं में स्वयं को अभिव्यक्त करेगा, उसकी आत्मा उतनी ही समृद्ध सुनाई देगी। हिन्दी संवाद की भाषा है और भारत की विविध भाषाएं उस संवाद का विस्तार हैं। यही विविधता भारत की शक्ति है, यही उसकी पहचान और यही उसकी सांस्कृतिक सुंदरता है।

# युद्ध की राख से शांति का नया संसार कैसे बने?

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस

ललित गर्ग

**मनुष्य ने विज्ञान से आकाश जीत लिया, समुद्र की गहराइयां नाप लीं और अंतरिक्ष तक पहुंच बना ली; अब उसे अपने भीतर की हिंसा पर विजय प्राप्त करनी है। युद्ध की राख से यदि शांति का संसार बनाना है तो हथियारों से अधिक विश्वास, शक्ति से अधिक संवाद और प्रतिस्पर्धा से अधिक सहयोग में निवेश करना होगा। यही अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस का वास्तविक संदेश है-दुनिया को युद्ध से विराम ही नहीं, शांति को स्थायी जीवन-पद्धति बनाना होगा।**

21 सितम्बर का अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस इस वर्ष ऐसे समय में आया है, जब दुनिया को शांति की सबसे अधिक जरूरत है। रूस-यूक्रेन युद्ध लंबा खिंच चुका है, पश्चिम एशिया में इजराइल-गाजा संघर्ष की मानवीय त्रासदी समाप्त नहीं हुई है और 2026 में अमेरिका-इजराइल तथा ईरान के बीच भीषण सैन्य संघर्ष ने पूरे क्षेत्र की सुरक्षा एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। ऐसे वातावरण में शांति केवल एक आदर्श या कूटनीतिक शब्द नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व की अनिवार्य शर्त बन गई है। संयुक्त राष्ट्र ने 2026 के अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस की थीम रखी है-'शांति में निवेश करें-सभी के लिए, हर जगह, हर दिन।' संयुक्त राष्ट्र के अनुसार शांति का अर्थ केवल युद्ध की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि सुरक्षा, गरिमा, अवसर और सहयोग का ऐसा वातावरण है जिसमें मनुष्य भयमुक्त होकर जीवन जी सके। इस वर्ष विशेष रूप से उन 'रोजमर्रा के शांति-निमार्ताओं' को रेखांकित किया जा रहा है, जो अपने परिवार, समुदाय, विद्यालय और समाज में संवाद तथा विश्वास की नींव मजबूत करते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग भी शांति की खोज एवं शांति की स्थापना में होना चाहिए। ब्रिक्स 2026 की अध्यक्षता करते हुए भारत ने शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के महत्व को ही रेखांकित किया है।

दुनिया की वर्तमान स्थिति इस संदेश को और महत्वपूर्ण बनाती है। रूस-यूक्रेन युद्ध के साढ़े चार वर्ष से अधिक समय बाद भी हिंसा समाप्त नहीं हुई है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार जुलाई 2026 में यूक्रेन में कम-से-कम 437 नागरिक मारे गए और 2,610 घायल हुए-मार्च 2022 के बाद किसी एक महीने में दर्ज सबसे अधिक नागरिक क्षति में से एक है। मिसाइलों, ड्रोन और हवाई हमलों ने शहरों, ऊर्जा ढांचे और सामान्य नागरिक जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। सितंबर में अमेरिका, रूस और यूक्रेन के बीच वार्ता फिर शुरू करने की संभावनाओं पर चर्चा हुई है, लेकिन क्षेत्रीय नियंत्रण सहित कई महत्वपूर्ण प्रश्न अभी भी विवादित हैं। पश्चिम एशिया की स्थिति भी विश्व-शांति के लिए गंभीर चुनौती है। गाजा में संघर्ष और मानवीय संकट पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार सितंबर 2026 में भी वहां हवाई हमलों और सैन्य कार्रवाइयों के कारण नागरिकों की मौतें जारी थीं और बड़ी संख्या में लोग विस्थापित जीवन जी रहे थे। दूसरी ओर, फरवरी 2026 से अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच

शुरू हुआ संघर्ष क्षेत्रीय तनाव को व्यापक बना चुका है। ईरान के हमलों और अमेरिकी तथा इजराइली सैन्य कार्रवाइयों ने केवल संबंधित देशों को ही नहीं, बल्कि खाड़ी क्षेत्र, ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्गों को भी प्रभावित किया है। सितंबर में भी इस युद्ध के समाप्त होने की स्पष्ट स्थिति नहीं बनी थी।

इन युद्धों की सबसे बड़ी कीमत सैनिकों से कहीं अधिक आम नागरिक चुका रहे हैं। घर उजड़ते हैं, बच्चे शिक्षा से वंचित होते हैं, अस्पताल और ऊर्जा व्यवस्था प्रभावित होती है, रोजगार समाप्त होते हैं और लाखों लोग विस्थापित होते हैं। युद्ध केवल वर्तमान को नहीं जलाता, वह आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी कमजोर करता है। इसलिए शांति की चर्चा केवल सीमाओं और सेनाओं के संदर्भ में नहीं, बल्कि मानवाधिकार, विकास, पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा के संदर्भ में भी करनी होगी। शांति स्थापित करने का पहला रास्ता संवाद है। युद्धरत देशों के बीच प्रत्यक्ष संवाद कठिन हो सकता है, लेकिन असंभव नहीं। युद्ध के बीच भी मानवीय गलियारे, युद्धविराम, कैदियों की अदला-बदली, नागरिकों की सुरक्षा और मानवीय सहायता के रास्ते खुले रखने चाहिए। स्थायी शांति के लिए बातचीत में केवल शक्तिशाली देशों की भूमिका पर्याप्त नहीं है; क्षेत्रीय देशों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, नागरिक समाज और प्रभावित समुदायों की आवाज भी शामिल होनी चाहिए।

दूसरा रास्ता है हथियारों की दौड़ के बजाय शांति में निवेश। दुनिया सैन्य क्षमता पर जितना खर्च करती है, उसका एक हिस्सा यदि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, जलवायु संरक्षण और संघर्ष-प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण पर लगाया जाए तो हिंसा की जड़ों को कमजोर किया जा सकता है। शांति केवल युद्ध समाप्त करने से नहीं आती; गरीबी, असमानता, बेरोजगारी, भेदभाव और अवसरों की कमी जैसे कारणों पर काम करना भी शांति-निर्माण का हिस्सा है। तीसरा महत्वपूर्ण उपाय है विश्वसनीय अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को मजबूत करना। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना ही अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हुई थी। आज आवश्यकता इस बात की है कि बहुपक्षीय संस्थाएं अधिक प्रभावी, प्रतिनिधित्वपूर्ण और जवाबदेह बनें। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने 2026 के संदेश में कूटनीति, संवाद, बातचीत, शांति स्थापना, मानवाधिकार और सतत विकास में निवेश को स्थायी शांति के महत्वपूर्ण साधन बताया है। भारत की शांति-दृष्टि भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। पंचशील के सिद्धांत-एक-दूसरे की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान, आक्रामकता से परहेज, आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना, समानता एवं पारस्परिक लाभ तथा शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व-अंतरराष्ट्रीय संबंधों में संवाद और सह-अस्तित्व की अवधारणा को मजबूत करते हैं। महावीर का अहिंसा संदेश, बुद्ध की करुणा, गांधी का सत्य-अहिंसा दर्शन और आधुनिक भारत की शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की परंपरा दुनिया को यह स्मरण कराती है कि शक्ति का सर्वोच्च रूप विनाश नहीं, संयम और मानवीयता है। शांति केवल सरकारों की जिम्मेदारी भी नहीं है। घर में संवाद, विद्यालय में सहिष्णुता, समाज में भाईचारा और डिजिटल माध्यमों पर जिम्मेदार भाषा-ये सब विश्वशांति की ही छोटी इकाइयां हैं। आज सोशल मीडिया पर नफरत, झूठी सूचनाएं और उकसाने वाली भाषा सामाजिक तनाव को बढ़ाती हैं। इसलिए डिजिटल शांति भी 21वीं सदी की एक बड़ी आवश्यकता है। बच्चों और युवाओं को विवाद का उत्तर हिंसा से नहीं, तर्क, संवाद और सहानुभूति से देना सिखाना होगा। सफेद कबूतर शांति का प्रतीक जरूर है, लेकिन अब प्रतीकों से आगे बढ़कर शांति की ठोस संरचना बनाने का समय है। युद्ध रोकने के लिए कूटनीति, नागरिकों की रक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून, पीड़ितों के लिए मानवीय सहायता, विवादों के समाधान के लिए मध्यस्थता और युद्ध के बाद पुनर्निर्माण के लिए वैश्विक सहयोग-इन सभी को समान महत्व देना होगा। आज दुनिया को यह स्वीकार करना होगा कि किसी देश की सुरक्षा दूसरे देश की असुरक्षा पर स्थायी रूप से आधारित नहीं हो सकती। किसी एक क्षेत्र का युद्ध धीरे-धीरे ऊर्जा, व्यापार, पर्यावरण और वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। इसलिए शांति अब किसी एक राष्ट्र का विषय नहीं, पूरी मानवता का साझा हित है। अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम केवल युद्ध समाप्त होने की प्रतीक्षा न करें, बल्कि अपने-अपने स्तर पर शांति की संस्कृति विकसित करें। संयुक्त राष्ट्र का 2026 का संदेश भी इसी दिशा में है-शांति सम्मेलन कक्षों में ही नहीं, बल्कि विद्यालयों, मोहल्लों, परिवारों और समाजों में भी निर्मित होती है।

मनुष्य ने विज्ञान से आकाश जीत लिया, समुद्र की गहराइयां नाप लीं और अंतरिक्ष तक पहुंच बना ली; अब उसे अपने भीतर की हिंसा पर विजय प्राप्त करनी है। युद्ध की राख से यदि शांति का संसार बनाना है तो हथियारों से अधिक विश्वास, शक्ति से अधिक संवाद और प्रतिस्पर्धा से अधिक सहयोग में निवेश करना होगा। यही अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस का वास्तविक संदेश है-दुनिया को युद्ध से विराम ही नहीं, शांति को स्थायी जीवन-पद्धति बनाना होगा।
~~~~~~~~~

गणेश शिवजी और पार्वती के पुत्र हैं। उनका वाहन मूषक है। गणों के स्वामी होने के कारण उनका एक नाम गणपति भी है। ज्योतिष में इनको केतु का देवता माना जाता है,और जो भी संसार के साधन हैं,उनके स्वामी श्री गणेशजी हैं। हाथी जैसा सिर होने के कारण उन्हें गजानन भी कहते हैं। हिन्दू शास्त्रों के अनुसार किसी भी कार्य के पहले गणेशजी पूजनीय है। इसलिए इन्हें आदिपूज्य भी कहते है। आइए जानते हैं बड़े ही मनमोहक से दिखने वाले गणेश जी के भव्य और दिव्य स्वरूप के विषय में

# श्री गणेश एक रूप अनेक

गणेश शब्द की व्युत्पत्ति हुई है गणानां जीवजातानां यः ईशः स्वामी सः गणेशः से। अर्थात,जो समस्त जीव जाति के ईश-स्वामी हैं वह गणेश हैं। इनकी पूजा से सभी विघ्न नष्ट होते हैं। लेकिन अन्य देवताओं की तरह गणेश जी के भी कई रूप हैं। गणेश पुराण के क्रीड़ा खंड में युग-भेद से गणेश जी के चार रूपों की व्याख्या करके उनके चार भिन्न वाहन बताए गए हैं।

सतयुग में गणेश जी का वाहन सिंह है,वे दस भुजा वाले हैं और उनका नाम विनायक है। त्रेता युग में वाहन मोर है,छः भुजाएं हैं और नाम मयूरेश्वर है। द्वापर में वाहन चूहा (मूषक) है,भुजाएं चार हैं और नाम गजानन है। कलयुग में दो भुजाएं हैं वाहन घोड़ा है और नाम धूम्रकेतु है।

इन चारों रूपों की उपासना विधि व लीला चरित्र का विवरण गणेश पुराण में प्राप्त होता है। वर्तमान में गणेश जी का सर्वप्रसिद्ध वाहन मूषक (चूहा)माना जाता है। विभिन्न मंत्रों के ध्यान में इनके मूषक वाहन का ही संकेत पाया जाता है।

विशिष्ट वस्तुओं के पूजन भेद से गणेश जी के अनेक रूप प्रसिद्ध हैं जैसे हरिद्रा गणेश, दूर्वा गणेश, शमी गणेश, गोमेद गणेश आदि। कामना भेद से भी इनके भिन्न रूपों की उपासना की जाती है जैसे संतान प्राप्ति हेतु संतान गणपति,विद्या प्राप्ति हेतु विद्या गणपति आदि। सामान्य उपासक दैनिक उपासना में गणेश जी के प्रसिद्ध द्वादश नाम स्तोत्र, संकट नाशक स्तोत्र, गणपति अथर्वशीर्ष, गणेश कवच, शतनामस्तोत्र आदि का सुविधानुसार पाठ करके इनका आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं। विशिष्ट उपासना के अंतर्गत गणपति अथर्वशीर्ष से इनका अभिषेक किया जाता है। गणेश पुराण एवं रुद्रयामल तंत्र में वर्णित सहस्र नामस्तोत्र की नामावली के द्वारा दूर्वा से इनका अर्चन किया जाता है। गणपति योग भी वैदिक पद्धति के द्वारा संपन्न कराया जाता है।

## अलग-अलग होती है उपासना

भगवान गणेश की उपासना अनेक प्रकार से होती है। गणेशमूर्ति के अलग-अलग प्रकार की अर्चना का विधान भी अलग-अलग होता है। दो से अठारह भुजा एवं एकमुखी से दशमुखी मूर्तियों का पूजन होता है और इनसे संबंधित मंत्र,कवच,यंत्र,स्त्रोत आदि का विधान तंत्र शास्त्र के मान्य ग्रंथों,मंत्र महार्णव,मंत्रमहोदधि,शारदा तिलक,तंत्र सार आदि में अंतर पाया जाता है। गणपति पूजन में मुख्यतः दूर्वा,शमी के पत्ते और मोदक (लड्डू) अर्पित किए जाते हैं।

## भगवान गणेशजी ही प्रथम पूज्य क्यों?

एक बार कार्तिकेय व गणेशजी में होड़ लगी कि सबसे बुद्धिमान कौन? तब भगवान भोलेनाथ जी ने कहा जो पृथ्वी के सात चक्कर लगाकर सबसे पहले लौट कर आएगा वह बुद्धिमान व प्रथम पूजनीय होगा। गणेशजी भारी भरकम थे। वाहन भी चूहा व कार्तिकेय उत्तम वजन के थे और उनका वाहन मोर। स्वामी कार्तिकेय चल पड़े। गणेशजी सोचने लगे। गणेशजी ने सोचा माता-पिता ही जन्मदाता है तो सबसे महान वही हुए। उन्हीं के सात चक्कर लगा लिए और खड़े हो गए। कार्तिकेय भी आ पहुंचे। जब निर्णय की बारी आई तो भगवान आशुतोषजी ने कहा कि गणेश बुद्धिमान व श्रेष्ठ हैं, क्योंकि माता-पिता ही समस्त तीर्थों से बड़े होते हैं। तभी से भगवान गणेशजी को सब देवताओं से पहले पूजा जाता है एवं हर मागंलिक कार्य में श्रीगणेश जी का ही पूजन स्मरण व स्थापना की जाती है। इससे हमें सीख मिलती है कि जो अपने माता-पिता की सेवा करता है, उन्हें सब तीर्थों का फल मिल जाता है। फिर वह तीर्थयात्रा करें या ना करें।

# जानिए क्या है गणेश पुराण में

**गणेश पुराण महत्वपूर्ण ग्रंथ है। इसके पठन-पाठन से सब कार्य सफल हो जाते हैं। गणेश पुराण में पांच खंड पाए जाते हैं। संक्षेप में जानते हैं गणेश पुराण के पांचों खंडों के बारे में......**

### पहला खंड-आरंभ खंड

इस खंड में ऐसी कथाएं बताई गई है जिससे हमेशा सब जगह मंगल ही होगा। इसमें सबसे पहली कथा के माध्यम से बताया है कि किस प्रकार प्रजा की सृष्टि हुई और सर्वश्रेष्ठ देव भगवान् गणेश का आविर्भाव किस प्रकार हुआ। आगे इसमें शिव के अनेक रूपों का वर्णन किया गया है। साथ ही यह भी बताया गया है कि कैसे शिव सृष्टि की उत्पत्ति,संहार और पालन करते हैं।

### दूसरा खंड- परिचय खंड

दूसरा खंड परिचय खंड है जिसमें गणेश जी के जन्म के कथाओं का परिचय दिया गया है। इसमें अलग-अलग पुराणों के अनुसार कथा कही गई है। जैसे पद्म व लिंग पुराण के अनुसार। और अंत में गणेश की उत्पत्ति की कथा विस्तार बताई गई है।

### तीसरा खंड- माता पार्वती खंड

तीसरा खंड माता पार्वती खंड है। इसमें पार्वती के पर्वतराज हिमालय के घर जन्म की कथा है और शिव से विवाह की कथा। फिर तारकासुर के अत्याचार से लेकर कार्तिकेय के जन्म की कथा भी इसमें वर्णन है। इस खंड में वशिष्ठ जी द्वारा सुनाई अरण्यराज की कथा भी है।

### चौथा खंड- युद्ध खंड

यह युद्ध खंड नामक खंड है। इसके आरंभ में मत्सर नामक असुर के जन्म की कथा है जिसने दैत्य गुरु शुक्राचार्य से शिव पंचाक्षरी मंत्र की दीक्षा ली। आगे तारकासुर की कथा है। उसने ब्रह्मा की आराधना कर त्रैलोक्य का स्वामित्व प्राप्त किया। साथ ही इसमें महोदर व महासुर के आपसी युद्ध की कथा है। इसमें लोभासुर व गजानन की कथा भी है जिसमें लोभासुर ने गजानन के मूल महत्व को समझा और उनके चरणों की वंदना करने लगा।

### पांचवां खंड- महादेव पुण्य कथा खंड

पांचवा खंड महादेव पुण्य कथा खंड है। इसमें सूत जी ने ऋषियों को कहा,आप कृपा करके गणेश,पार्वती के युगों का परिचय दीजिए। आगे इस खंड में सत्तयुग,त्रेतायुग व द्वापर युग के बारे में बताया गया है। जन्मासुर, तारकासुर की कथा के साथ इसका अंत हुआ है। इस तरह गणेश पुराण के पांच खंडों में मंगलकारी श्री गणेश के जन्म से लेकर उनकी लीलाओं और उनकी पूजा से मिलने वाले यश के बारे का संपूर्ण वर्णन किया गया है। इसके अलावा उनसे जुड़ी बहुत सी अन्य बातों को भी इसमें शामिल किया गया है।

# कैसे करें अनंत चतुर्दशी का व्रत...

भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को अनंत चतुर्दशी का व्रत किया जाता है। इस दिन अनंत के रूप में हरि की पूजा होती है। पुरुष दाएं तथा स्त्रियां बाएं हाथ में अनंत धारण करती हैं। अनंत राखी के समान रूई या रेशम के कुंकू रंग में रंगे धागे होते हैं और उनमें चौदह गांठे होती हैं। इन्हीं धागों से अनंत का निर्माण होता है। यह व्यक्तिगत पूजा है, इसका कोई सामाजिक धार्मिक उत्सव नहीं होता। अग्नि पुराण में इसका विवरण है। व्रत करने वाले को धान के एक प्रसर आटे से रोटियां या पूड़ी बनानी होती हैं, जिनकी आधी वह ब्राह्मण को दे देता है और शेष स्वयं प्रयोग में लाता है।

इस दिन व्रती को चाहिए कि प्रात्काल स्नानादि नित्यकर्मों से निवृत्त होकर कलश की स्थापना करें। कलश पर अष्टदल कमल के समान बने बर्तन में कुश से निर्मित अनंत की स्थापना की जाती है। इसके आगे कुंकूम, केसर या हल्दी से रंग कर बनाया हुआ कच्चे डोरे का चौदह गांठों वाला अनंत भी रखा जाता है।

### व्रत की महिमा और मंत्र

यूं तो यह व्रत नदी-तट पर किया जाना चाहिए और हरि की लोककथाएं सुननी चाहिए। लेकिन संभव ना होने पर घर में ही स्थापित मंदिर के सामने हरि से इस प्रकार की प्रार्थना की जाती है- हे वासुदेव, इस अनंत संसार रूपी महासमुद्र में डूबे हुए लोगों की रक्षा करो तथा उन्हें अनंत के रूप का ध्यान करने में संलग्न करो, अनंत रूप वाले प्रभु तुम्हें नमस्कार है। इस मंत्र से हरि की पूजा करके तथा अपने हाथ के ऊपरी भाग में या गले में धागा बांध कर या लटका कर (जिस पर मंत्र पढ़ा गया हो) व्रती अनंत व्रत को पूर्ण करता है। यदि हरि अनंत हैं तो 14 गांठें हरि द्वारा उत्पन्न 14 लोकों की प्रतीक हैं।

अनंत चतुर्दशी पर कृष्ण द्वारा युधिष्ठिर से कही गई कौण्डिन्य एवं उसकी स्त्री शीला की गाथा भी सुनाई जाती है। कृष्ण का कथन है कि अनंत उनके रूपों का एक रूप है और वे काल हैं जिसे अनंत कहा जाता है। अनंत व्रत चंदन, धूप, पुष्प, नैवेद्य के उपचारों के साथ किया जाता है। इस व्रत के विषय में कहा जाता है कि यह व्रत 14 वर्षों तक किया जाए, तो व्रती विष्णु लोक की प्राप्ति कर सकता है।

इस दिन भगवान विष्णु की कथा होती है। इसमें उदय तिथि ली जाती है। पूर्णिमा का सहयोग होने से इसका बल बढ़ जाता है। यदि मध्याह्न तक चतुर्दशी हो तो ज्यादा बेहतर है। जैसा इस व्रत के नाम से प्रतीत होता है कि यह दिन उस अंत न होने वाले सृष्टि के कर्ता ब्रह्मा की भक्ति का दिन है। इस व्रत की पूजा दोपहर में की जाती है।

# अनंत चतुर्दशी विष्णु पूजन का दिन

ओम विश्वं विष्णुर्वषट्कारो भूतभव्यभवत्प्रभु।
भूतकृद भूवभृद भावो भूतात्मा भूतभावन।।
पूतात्मा परमात्मा च मुक्तानां परमा गति।
अव्यय पुरुष साक्षी क्षेत्रज्ञोडक्षर एव च।।

ऐसे अनंत देव विष्णु भगवान जो कि अनेक नाम से पूजे जाते हैं, ऐसे ईश्वर को स्मरण करने या जाप करने का यूँ तो कोई एकमात्र निर्धारित ढंग नहीं, फिर भी किसी भी कार्य को इस ढंग से किया जाए जिससे वह सहज रूप से संपन्न हो जाए। इस कार्य में जितनी ज्यादा एकाग्रता होगी उतना ही अधिक लाभ होगा।

अनंत चतुर्दशी के दिन भगवान विष्णु का पूजन करें। सर्वप्रथम विष्णु का आवहन् करें। पूजन में सर्वप्रथम आसन अर्पित करें। तत्पश्चात् पैर धोने के लिए जल अर्पित करें। अर्घ्य अर्पित करें, आचमन करें, स्नान हेतु जल अर्पित करें। तिलक हेतु (चंदन) द्रव्य अर्पित करें, धूप-दीप दिखाएँ। प्रसाद करें। फिर आचमन हेतु जल अर्पित करें। तत्पश्चात् नमस्कार करें।

चतुमूर्ति चतुर्वाहुश्चतुर्ण्यहश्चतुर्गति
चतुरात्मा चतुर्भावश्चतुर्वेदविदेकपात।।
विश्व मूर्तिर्महामूर्तिर्दीप्त मूर्तिरमूर्तिमाव
अनेक मूर्तिरण्यव्यक्त शतमूति शतानन।।

ऐसे अनेक नामों से भगवान विष्णु को नमस्कार करें। विघ्न हरने वाले देवता विष्णु अपने भक्तों से जल्दी प्रसन्न हो जाते हैं एवं मनोवांछित फल दे देते हैं।

अनंत चतुर्दशी के दिन भगवान अनंत की पूजा-अर्चना अवश्य करना चाहिए। इस दिन विष्णु सहस्त्रनाम स्तोत्रम् का पाठ करने से अनन्य फल की प्राप्ति होती है एवं भगवान विष्णु की प्रसन्नता प्राप्त होती है। भगवान की प्रार्थना अर्जुन बनकर करें अर्थात् मानसिकता और विश?वास लगाकर (पूर्ण रूप) उनमें लगाकर प्रार्थना करने से उनका सानिध्य प्राप्त होता है। उनका आशीर्वाद मिलता है। यदि सेवा करना है तो हनुमान जी जैसी करें। ह्रदय में पूर्ण छवि बनी रहे कृपा प्रसाद अवश्य प्राप्त होगा। अर्जुन ने भगवान से कहा कि मैं आपके शरण में आ गया हूँ, आप मुझे आज्ञा दे मुझे क्या करना है?

भगवान ने शरणागत आए हुए अर्जुन का पूरा जीवन सुखमय कर दिया एवं अपना सानिध्य दिया। भगवान का कहना है कि जीव तू सारे धर्म को त्याग कर मेरी शरण को प्राप्त हो! मैं तुम्हें पापों से मुक्त करूँगा, तुम चिंता व्याप्त न हो। भगवान से प्रार्थना इस प्रकार करें जैसे अर्जुन ने (गीता में) की थी। अनंत चतुर्दशी में इसका बहुत बड़ा महत्व है।

पवित्राणां पवित्रं यो मङ्गलानां च मङ्गलम् ।
दैवतं देवतानां च भूतानां योऽव्ययः पिता ॥
यतः सर्वाणि भुतानि भवन्त्यादियुगागमे ।
यस्मिश्च प्रलयं यान्ति पुनरेव युगक्षये ॥
तस्य लोकप्रधानस्य जगन्नाथस्य भूपते ।
विष्णोर्नामसहस्त्रं मे श्रृणु पापभयापहम् ॥
यानि नामानि गौणानि विख्यातानि महात्मनः ।
ऋषिभिः परिगीतानि तानि वक्ष्यामि भूतये ॥
विश्वं विष्णुर्वषट् ?कारो भूतभव्यभवत्प्रभुः ।
भूतकृद्भूतभृद्भावो भूतात्मा भूतभावनः ॥
पूतात्मा परमात्मा च मुक्तानां परमा गतिः ।
अव्ययः पुरुषः साक्षी क्षेत्रज्ञोऽक्षर एव च ॥

इस प्रकार प्रभु नारायण की प्रार्थना करने से वह अवश्य प्रसन्न होकर आपको सुख, संपदा, धन-धान्य, यश-वैभव, लक्ष्मी, पुत्र आदि सारा सुख दे देते हैं।

## शेयर बाजार में जोखिम कम कर कमाई का नया रास्ता- एग्रेसिव हाइब्रिड फंड

- इक्विटी में ग्रोथ और डेट में स्थिरता चाहने वालों के लिए खास रणनीति

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में सीधे निवेश जहां उच्च रिटर्न की संभावना देता है, वहीं बाजार गिरने पर बड़े नुकसान का जोखिम भी रहता है। ऐसे में जो निवेशक इक्विटी की ग्रोथ का मौका चाहते हैं, लेकिन पूरी तरह से जोखिम लेने से बचना चाहते हैं, उनके लिए एग्रेसिव हाइब्रिड फंड एक आकर्षक विकल्प बनकर उभरे हैं। ये फंड इक्विटी और डेट निवेश का संतुलित मिश्रण पेश करते हैं, जिससे निवेशकों को बाजार की तेजी का लाभ उठाने के साथ-साथ कुछ हद तक स्थिरता भी मिलती है। जानकार बताते हैं कि सेबी के नियमों के अनुसार इन फंडों को अपनी कुल संपत्ति का 65 से 80 फीसदी हिस्सा इक्विटी और संबंधित निवेशों में लगाना अनिवार्य है। शेष 20 से 35 फीसदी राशि डेट और मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश की जाती है। इक्विटी का बड़ा हिस्सा बाजार की तेजी में बेहतर रिटर्न दिला सकता है, जबकि डेट घटक गिरावट के असर को कुछ हद तक कम करने में मदद करता है। हालांकि, इक्विटी के अधिक अनुपात के कारण इसे पूरी तरह से सुरक्षित निवेश नहीं माना जा सकता। उनके अनुसार एग्रेसिव हाइब्रिड फंड उन निवेशकों के लिए उपयुक्त हैं जो इक्विटी में पैसा लगाकर विकास चाहते हैं, लेकिन अपनी पूरी पूंजी शेयरों में लगाने का जोखिम नहीं उठाना चाहते। यह लंबी अवधि के निवेशकों और नए निवेशकों के लिए भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है, जो खुद स्टॉक चुनने के बजाय पेशेवर फंड मैनेजर के माध्यम से निवेश करना चाहते हैं। मध्यम से अधिक जोखिम लेने की क्षमता वाले निवेशक इस श्रेणी पर विचार कर सकते हैं। हालांकि, निवेशकों को यह समझना जरूरी है कि एग्रेसिव हाइब्रिड फंड कम जोखिम वाले या पूंजी-सुरक्षित निवेश नहीं हैं। इक्विटी का बड़ा हिस्सा होने के कारण बाजार में तेज गिरावट आने पर इनके रिटर्न पर भी असर पड़ सकता है। निवेश से पहले फंड के इक्विटी और डेट पोर्टफोलियो की गुणवत्ता, फंड मैनेजर का अनुभव और खर्च अनुपात का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करना चाहिए। केवल पिछले प्रदर्शन को देखकर निर्णय लेने से बचना चाहिए और हमेशा अपने निवेश लक्ष्यों तथा जोखिम उठाने की क्षमता को प्राथमिकता देनी चाहिए।

## ताज होटल दुनिया के 30वें सर्वश्रेष्ठ होटल में शुमार

- 123 साल पुरानी विरासत और अनूठी वास्तुकला के साथ हासिल किया गौरव

नई दिल्ली ।

सपनों की नगरी मुंबई का प्रतिष्ठित ताज होटल एक बार फिर वैश्विक पटल पर सुर्खियों में है। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ 50 होटलों की 2026 की सूची में इसे 30वां स्थान मिला है, जो पिछले साल के 38वें स्थान से एक महत्वपूर्ण सुधार है। यह उपलब्धि मुंबई की पहचान बन चुके इस 123 साल पुराने ऐतिहासिक होटल के लगातार बढ़ते वैश्विक आकर्षण को दर्शाती है, जिसे आगरा के ताजमहल की तरह ही दुनिया भर में पहचान मिली है। यह सिर्फ एक होटल नहीं, बल्कि एक विरासत है जिसकी वास्तुकला और इतिहास इसे बेहद खास बनाते हैं। अपनी बेजोड़ वास्तुकला के लिए मशहूर इस होटल के डिजाइन में राजपूत, मोरिश और ओरिएंटल शैलियों का अद्भुत मिश्रण दिखता है। इसके गुंबद में एफिल टावर में प्रयुक्त होने वाले स्टील जैसा ही मजबूत स्टील लगा है। 123 साल पुराना होने के बावजूद इसकी भव्यता और चमक आज भी बरकरार है। यह मुंबई की पहली ऐसी इमारत थी, जिसमें बिजली, लिफ्ट, तुर्की बाथ और अमेरिकन पंखों जैसी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध थीं। यही वजह है कि मुंबई आने वाला हर शख्स इस ऐतिहासिक स्थल को देखे और इसके सामने तस्वीर खिंचवाए बिना नहीं रह पाता, जो इसके निरंतर बढ़ते प्रदर्शन और वैश्विक लोकप्रियता का प्रमाण है।

## घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम स्थिर, वाणिज्यिक गैस महंगा

नई दिल्ली ।

सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों ने रविवार, 20 सितंबर को 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी रसोई गैस सिलेंडरों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है, जिससे दाम पूरी तरह स्थिर बने हुए हैं। हालांकि, इस महीने की शुरुआत (1 सितंबर) में 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 9.50 रुपये प्रति सिलेंडर की मामूली बढ़ोतरी की गई थी। घरेलू सिलेंडर के दाम लंबे समय से स्थिर हैं; पिछली बार इनमें जून में बढ़ोतरी की गई थी। साल के शुरुआती महीनों में अंतर्राष्ट्रीय भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल व एलएनजी की आपूर्ति में दिक्कतों के कारण कीमतों में दो बार बड़ी वृद्धि देखी गई थी। इस बीच, मिडिल ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे संकट के कारण कच्चे तेल में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। हाल ही में, दक्षिण कोरिया ने अमेरिका को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों के लिए सुरक्षित मार्ग बहाल करने और समुद्री सुरक्षा बढ़ाने में सक्रिय योगदान का आश्वासन दिया है। यह कदम भारत के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत अपनी 85 फीसदी से अधिक कच्चे तेल की जरूरत इसी मार्ग से आयात करता है।

# भारतीय शेयर बाजार से एफपीआई ने सितंबर में 20,974 करोड़ निकाले

### जुलाई-अगस्त की खरीदारी के बाद सितंबर में पलटा रुख

नई दिल्ली ।

वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितता और अमेरिका में ऊंची ब्याज दरों के चलते विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने एक बार फिर भारतीय शेयर बाजार से दूरी बना ली है। सितंबर महीने में अब तक एफपीआई ने भारतीय शेयरों से रिकॉर्ड 20,974 करोड़ रुपये की बड़ी निकासी की है। यह जुलाई और अगस्त में हुई मजबूत खरीदारी के बाद बाजार में आए उलटफेर को दर्शाता है, जिसके पीछे महंगे कच्चे तेल और कमजोर रुपये जैसे कारक भी अहम हैं।

सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (सीडीएसएल) के आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने सितंबर 2023 में भारतीय शेयर बाजार से 20,974 करोड़ रुपये की सबस्टेंशियल निकासी की है। यह जुलाई (20,200 करोड़ रुपये) और अगस्त (29,630 करोड़ रुपये) में हुई भारी निवेश के ठीक उलट है, जो भारतीय बाजारों के लिए एक चिंताजनक संकेत है। इस बिकवाली के साथ, साल 2023 में अब तक एफपीआई भारतीय शेयर बाजार से कुल 2.45 लाख करोड़ रुपये निकाल चुके हैं। यह आंकड़ा 2022 में पूरे साल के दौरान हुई 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी से भी अधिक है, जो विदेशी निवेशकों के बदलते रुझान को दर्शाता है। हालांकि, प्राथमिक या आईपीओ बाजार में एफपीआई का निवेश जारी रहा, लेकिन उन्होंने भारतीय ऋण या बॉन्ड बाजार से भी धन निकाला है। उन्होंने पूर्ण पहुंच मार्ग से 10,296 करोड़ रुपये, स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग से 1,817 करोड़ रुपये और सामान्य मार्ग से 1,068 करोड़ रुपये की निकासी की है। एक मुख्य निवेश रणनीति अधिकारी के मुताबिक एफपीआई की इस बिकवाली के पीछे तीन प्रमुख कारण हैं। पहला, अमेरिका में ऊंची ब्याज दरें और बढ़ता बॉण्ड प्रतिफल। इससे भारत और अमेरिका के बीच ब्याज दरों का अंतर कम हो गया है, जिससे भारतीय परिसंपत्तियों का आकर्षण घटा है। दूसरा, भू-राजनीतिक तनाव के बीच कच्चे तेल की ऊंची कीमतें। ब्रेंट कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बना हुआ है, जिससे भारत के आयात बिल और महंगाई पर दबाव बढ़ने की आशंका है।

## भारत व्यापार सुगमता और एफटीए अवसरों पर कार्यशाला 22 को

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की अध्यक्षता में डीपीआईआईटी हितधारकों से लेगा सुझाव

नई दिल्ली (ईएमएस)। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) 22 सितंबर मंगलवार को हितधारकों के साथ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य कारोबार सुगमता, मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से जुड़े अवसरों और व्यापार प्रक्रियाओं को सरल व सुगम बनाने पर गहन चर्चा करना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इस महत्वपूर्ण कार्यशाला की अध्यक्षता करेंगे। कार्यशाला में एफटीए, कारोबार सुगमता और नियामकीय अनुपालन से जुड़ी विभिन्न पहलों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इस दौरान उद्योग संगठनों और निर्यात संवर्धन परिषदों से जमीनी स्तर पर सामने आ रही समस्याओं तथा प्रक्रियागत अड़चनों के बारे में सुझाव भी लिए जाएंगे, ताकि व्यापारिक प्रक्रियाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। वाणिज्य विभाग एफटीए के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए पहले भी ऐसी कार्यशालाएं आयोजित कर चुका है। भारत ने ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे कई देशों और व्यापारिक समूहों के साथ मुक्त व्यापार समझौते लागू किए हैं। भविष्य की योजनाओं के तहत, भारत और न्यूजीलैंड के बीच व्यापार समझौता अगले महीने से प्रभावी होने की उम्मीद है, जबकि भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) व्यापार समझौते पर दिसंबर तक हस्ताक्षर होने की संभावना है, जिससे वैश्विक व्यापार में भारत की स्थिति और मजबूत होगी।

## नियु क्ति के एक महीने बाद अलका मूंदड़ा का आईओसी के स्वतंत्र निदेशक पद से इस्तीफा

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) में अपनी नियुक्ति के महज एक महीने बाद ही अलका मूंदड़ा ने स्वतंत्र निदेशक के पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने बेटे की पेट्रोल पंप डीलरशिप को शेयर बाजार के सूचीबद्धता नियमों (सेबी के एलओडीआर विनियमों) के तहत स्वतंत्रता मानदंडों का उल्लंघन बताया है। आईओसी को दी गई जानकारी के अनुसार, मूंदड़ा के बेटे माधव मूंदड़ा 2020 से राजस्थान के उदयपुर में एक आईओसी खुदरा बिक्री केंद्र स्वर्ण गंगा केएसके संचालित कर रहे हैं। मूंदड़ा ने पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय को लिखे पत्र में कहा कि यह व्यवस्था वित्तीय संबंधों से जुड़े स्वतंत्रता मानदंडों के विपरीत है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनका बेटा 'मेरी ओर से किसी भी भागीदारी या हस्तक्षेप के बिना स्वतंत्र रूप से अपना व्यवसाय संचालित करता है' और उन्हें विश्वास था कि उनकी निष्पक्षता अप्रभावित रहेगी। फिर भी, कॉरपोरेट प्रशासन के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए उन्होंने पद पर बने रहना अनुचित समझा। मूंदड़ा ने 15 अगस्त को स्वतंत्र निदेशक का पद संभाला था और उनका इस्तीफा 18 सितंबर से प्रभावी हो गया है। उन्होंने इस फैसले को पूरी तरह स्वैच्छिक और औचित्य तथा पारदर्शिता के सिद्धांतों से प्रेरित बताया है।

# कच्चे तेल, पश्चिम एशिया के घटनाक्रम तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

### रूस तथा ईरान पर लगाए गए नए प्रतिबंध निवेशकों की धारणा को प्रमुखता से प्रभावित करेंगे

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार के लिए यह सप्ताह चुनौतियों से भरा रहने वाला है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, पश्चिम एशिया में तनाव और अमेरिका द्वारा रूस तथा ईरान पर लगाए गए नए प्रतिबंध निवेशकों की धारणा को प्रमुखता से प्रभावित करेंगे। विश्लेषकों का मानना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026 पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद व्यापार मोर्चे पर एक नई अनिश्चितता पैदा हो गई है, जिसका असर भारत पर भी पड़ सकता है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीओ) की लगातार निकासी भी बाजार के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिका के इस नए कानून के तहत रूस से कच्चा तेल और गैस खरीदने वाले कुछ देशों पर 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाने का अधिकार अमेरिकी राष्ट्रपति को मिल गया है। चूंकि भारत रूस से महत्वपूर्ण मात्रा में कच्चे तेल की खरीद करता है, ऐसे में इस नीति का संभावित प्रभाव भारतीय बाजार पर देखा जा सकता है। हालांकि, शुल्क की दर और किन देशों पर यह लागू होगा, इस बारे में अमेरिकी प्रशासन के पास व्यापक अधिकार हैं, जिससे फिलहाल अनिश्चितता बनी हुई है। बाजार के जानकारों के मुतो बिक कच्चे तेल के दाम, बॉण्ड प्रतिफल और भू-राजनीतिक घटनाक्रम इस सप्ताह बाजार की दिशा तय करने वाले प्रमुख कारक रहेंगे।

अमेरिका-ईरान तनाव और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल को भी वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण बताया। इस बीच, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने सितंबर में अब तक भारतीय शेयरों से करीब 20,974 करोड़ रुपये की बड़ी निकासी की है। ऊंची कच्चे तेल की कीमतें, अमेरिका में ब्याज दरों में वृद्धि और वैश्विक अनिश्चितताएं इस बिकवाली के मुख्य कारण हैं। आने वाले दिनों में भारत, अमेरिका और यूरो क्षेत्र के पीएमआई आंकड़ों के साथ-साथ अमेरिका के आगामी श्रम बाजार आंकड़ों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। घरेलू मोर्चे पर, 24 सितंबर को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की सूचीबद्धता भी एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम होगी, जिसके 22,569 करोड़ रुपये के आईपीओ को दूसरे दिन ही पूर्ण अभिदान मिल गया था।

# लागत से कम दाम पर बिकवाली से मंदी की चपेट में तेल-तिलहन बाजार

### – पैसे की तंगी से आयातकों को घाटा, लागत से कम दाम पर बिके सोयाबीन-पाम तेल

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह कांडला बंदरगाह पर आयातकों द्वारा पैसे की तंगी और कमजोर मांग के चलते लागत से नीचे दाम पर की गई बिकवाली से लगभग सभी तेल-तिलहन कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। मूंगफली तेल की निरंतर मांग के बीच उसके दाम स्थिर रहे। कांडला बंदरगाह पर आयातकों को पैसे की तंगी के चलते लागत से नीचे दाम पर तेल बेचने को मजबूर होना पड़ा, जिससे बीते सप्ताह लगभग सभी तेल-तिलहन की कीमतों में भारी गिरावट आई। सूत्रों के अनुसार, आयातित सोयाबीन तेल अपनी वास्तविक लागत (127 रुपये) से लगभग 10-11 रुपये प्रति किलो नीचे (116.50 रुपये) बिक रहा है, यहां तक कि ब्राजील और अर्जेंटीना जैसे प्रमुख उत्पादक देशों से भी सस्ता मिल रहा है। इसी तरह, कच्चे पाम तेल को रिफाइंड कर पामोलीन बनाने की लागत (150 रुपये) भी बिक्री मूल्य (145 रुपये) से अधिक बैठ रही है, जिससे पाम तेल में भी गिरावट देखी गई। ऊंचे दाम के कारण सरसों खप नहीं पा रहा और मंडियों में बिनौला की नई फसल की आवक ने भी सरसों और बिनौला तेल कीमतों में गिरावट दर्ज कराई।

हालांकि, बाजार में निरंतर मांग के चलते मूंगफली तेल-तिलहन के दाम इस गिरावट से अछूते रहे और स्थिर बने हुए हैं। बीते सप्ताह सरसों दाना 150 रुपये की गिरावट के साथ 8,150-8,200 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल दादरी 350 रुपये की गिरावट के साथ 16,450 रुपये प्रति क्विंटल तथा सरसों पक्की एवं कच्ची घानी तेल क्रमशः 50-50 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,685-2,785 रुपये और 2,685-2,835 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 250-250 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 6,050-6,100 रुपये और 5,900-6,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

इसी प्रकार आयातकों की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली की वजह से दिल्ली में सोयाबीन तेल 200 रुपये की गिरावट के साथ 15,300 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 200 रुपये की गिरावट के साथ 15,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सोयाबीन डीगम तेल 300 रुपये गिरावट के साथ 11,650 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। विदेशों में आई गिरावट के बावजूद निरंतर मांग के कारण बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 7,600-8,175 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,500 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,755-3,055 रुपये प्रति टिन पर स्थिर रुख के साथ बंद हुए। सीपीओ तेल का दाम 150 रुपये की गिरावट के साथ 13,975 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 325 रुपये की गिरावट के साथ 15,700 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 225 रुपये की गिरावट के साथ 14,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

## त्योहारी मौसम में एफएमसीजी उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी टली

### लागत बढ़ने के बावजूद दिवाली तक उपभोक्ता उत्पादों के दाम स्थिर रखने की रणनीति

नई दिल्ली।

देश की प्रमुख एफएमसीजी (रोजमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाली) कंपनियां त्योहारी सीजन में उत्पादों की कीमतों में बड़ी बढ़ोतरी से बचेंगी। लागत पर बढ़ते दबाव के बावजूद उनका मुख्य ध्यान फिलहाल उपभोक्ता मांग और बिक्री बनाए रखने पर है। उद्योग से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार कंपनियों ने जून तिमाही में ही कच्चे माल की बढ़ी कीमतों के प्रभाव को कम करने के लिए चुनिंदा उत्पादों के दाम में करीब दो से पांच प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर दी थी। चीनी, खाद्य तेल, कॉफी और पैकेजिंग सामग्री सहित विभिन्न कच्चे मालों की लागत में वृद्धि, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और भू-राजनीतिक तनाव ने कंपनियों पर दबाव बढ़ा रखा है। हालांकि, कंपनियां परिचालन दक्षता और लागत नियंत्रण जैसे उपायों से इस अतिरिक्त बोझ का बड़ा हिस्सा खुद वहन कर रही हैं, जिससे उनके मुनाफे पर दबाव बना है।

आईटीसी व डाबर जैसी कंपनियों ने लागत प्रबंधन और पोर्टफोलियो समायोजन से कीमतों को स्थिर रखने का प्रयास करने की बात कही। पारले के अनुसार, शहरी व ग्रामीण दोनों बाजारों में मांग उत्साहजनक है, जिसे कंपनियां त्योहारी मौसम में बनाए रखना चाहती हैं। दिवाली तक बड़ी बढ़ोतरी की संभावना कम है। यदि लागत दबाव बना रहा, तो वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में कीमतों में संशोधन संभव है।

# सुपरटेक परियोजनाएंः एनवसीएलएटी ने एनबीसीसी की देरी और आईआरपी नियुक्ति पर जताई चिंता

### न्यायाधिकरण ने अधिकारियों को लगाई फटकार, एक सप्ताह में आईआरपी नियुक्ति का दिया निर्देश

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने सुपरटेक लिमिटेड की अटकी आवासीय परियोजनाओं को पूरा करने में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनबीसीसी द्वारा हो रही देरी पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। न्यायाधिकरण ने रियल एस्टेट कंपनी के लिए अंतरिम समाधान पेशेवर (आईआरपी) की नियुक्ति में हो रही देरी पर भी संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाई है। एनसीएलएटी की तीन सदस्यीय पीठ ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) और भारतीय दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) को आईआरपी की नियुक्ति के लिए नाम सुझाने की प्रक्रिया एक सप्ताह के भीतर पूरी करने का निर्देश दिया है। नियुक्त होने वाला समाधान पेशेवर उच्चतम न्यायालय की समिति का प्रमुख होगा, जो इन परियोजनाओं की निगरानी कर रही है। न्यायाधिकरण ने एनबीसीसी द्वारा पूर्व में निर्धारित समयसीमा का पालन न करने का भी संज्ञान लिया। एनसीएलएटी ने अपने 6 मई, 2026 के आदेश में एनबीसीसी को 31 जुलाई, 2026 तक आवश्यक मंजूरियां प्राप्त करने और 1 अक्टूबर, 2026 से निर्माण कार्य शुरू करने का निर्देश दिया था। हालांकि, उच्चतम न्यायालय की समिति की रिपोर्ट में एनबीसीसी को इन शर्तों को पूरा करने में कठिनाइयों का उल्लेख किया गया। 20 सितंबर को प्रस्तावित बैठक में नई समयसीमा तय होने की उम्मीद है। एनसीएलएटी ने सुपरटेक के निलंबित पूर्व प्रबंधन से एनबीसीसी द्वारा मांगे गए दस्तावेजों की अनुपलब्धता पर भी चिंता जताई। मामले की अगली सुनवाई 25 सितंबर को होगी। गौरतलब है कि सुपरटेक मार्च 2021 से कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) में है, और एनसीएलएटी ने दिसंबर 2024 में एनबीसीसी को 16 परियोजनाओं को अपने हाथ में लेकर पूरा करने का निर्देश दिया था।

# ईंधन की कीमतों में स्थिरता बरकरार

### पेट्रोल-डीजल के दाम में नहीं हुआ बदलाव

नई दिल्ली।

रविवार 20 सितंबर को देश भर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में स्थिरता बनी हुई है, जिससे उपभोक्ताओं को थोड़ी राहत मिली है। ज्यादातर बड़े शहरों में ईंधन के दाम अपरिवर्तित रहे। इस वक्त देश में पेट्रोल की औसत कीमत 111.21 रुपये प्रति लीटर है, जबकि डीजल 97.83 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। राजधानी दिल्ली में जहां कीमतें अपेक्षाकृत कम हैं, वहीं हैदराबाद जैसे शहरों में ये सर्वाधिक दर्ज की गई हैं। प्रमुख शहरों में मुंबई में पेट्रोल 111.31 रुपये और डीजल 97.97 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर उपलब्ध है, जो अन्य बड़े शहरों के मुकाबले कम है। वहीं, हैदराबाद में पेट्रोल 115.71 रुपये और डीजल 103.84 रुपये प्रति लीटर के साथ कीमतें सर्वाधिक दर्ज की गई हैं। बेंगलुरु में भी पेट्रोल 110.82 रुपये और डीजल 98.77 रुपये प्रति लीटर पर बना हुआ है। कीमतों में यह स्थिरता रविवार को कमोडिटी बाजारों के बंद रहने के कारण है, जिससे दाम शुक्रवार, 18 सितंबर के स्तर पर बरकरार हैं। शुक्रवार को कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 1 फीसदी की गिरावट आई थी, जिसमें ब्रेंट क्रूड 0.91 फीसदी गिरकर 103.87 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ।

## 1 अक्टूबर से एलपीजी सब्सिडी के लिए बायोमेट्रिक आधार ऑथेंटिकेशन अनिवार्य

### फर्जी कनेक्शनों पर लगेगी लगाम; बिना प्रमाणीकरण बाजार भाव पर मिलेगा सिलेंडर

नई दिल्ली ।

घरेलू रसोई गैस उपभोक्ताओं के लिए एक अहम खबर है। केंद्र सरकार ने 1 अक्टूबर से सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर बुक करने के लिए बायोमेट्रिक आधार ऑथेंटिकेशन को अनिवार्य कर दिया है। इ इस फैसले का मकसद सब्सिडी का लाभ केवल पात्र परिवारों तक पहुंचाना और फर्जी कनेक्शनों पर लगाम लगाना है। जिन ग्राहकों ने पहले ही यह प्रक्रिया पूरी कर ली है, उन्हें कुछ भी करने की जरूरत नहीं होगी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, 19 सितंबर तक लगभग 90 फीसदी (27.43 करोड़) घरेलू एलपीजी ग्राहकों ने अपना बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण पूरा कर लिया है। जिन ग्राहकों ने अभी तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं की है, उन्हें 1 अक्टूबर के बाद सब्सिडी वाले दाम पर सिलेंडर लेने में परेशानी हो सकती है और उन्हें बाजार भाव पर सिलेंडर खरीदना पड़ सकता है। सरकार का यह कदम सब्सिडी के भारी वित्तीय बोझ को सही दिशा में ले जाने और धोखाधड़ी रोकने के लिए आवश्यक है, क्योंकि कई बार फर्जी कनेक्शनों के कारण वास्तविक लाभार्थियों तक सब्सिडी का लाभ नहीं पहुंच पाता। सरकार ने इस प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए कई विकल्प दिए हैं। ग्राहक डिलीवरी बॉय के मोबाइल या बायोमेट्रिक स्कैनर के जरिए घर पर ही फिंगरप्रिंट या फेस-आईडी ऑथेंटिकेशन करा सकते हैं। इसके अलावा, संबंधित गैस एजेंसी के कार्यालय में जाकर बायोमेट्रिक काउंटर से अपनी ई-केवाईसी पूरी की जा सकती है। ग्राहक अपने मोबाइल पर संबंधित ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के आधिकारिक ऐप्स के माध्यम से भी फेस-ऑथेंटिकेशन कर सकते हैं। किसी भी सहायता या पूछताछ के लिए सरकार के टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1800 2333 555 पर संपर्क किया जा सकता है। यह प्रमाणीकरण अभियान अक्टूबर 2023 से चल रहा है और इसकी समय-सीमा सात बार बढ़ाई जा चुकी है। तेल मार्केटिंग कंपनियों ने ग्राहकों को जागरूक करने के लिए 12 करोड़ से ज्यादा एसएमएस और वाटसऐप मैसेज भेजे हैं।

## रुपए बचाने की सफलता आरबीआई के लिए बनी नई चुनौती

### घरेलू बैंकिंग प्रणाली में 10 लाख करोड़ रुपए की तरलता का संकट

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) या एफसीएनआर(बी) योजना की सफलता के बाद एक अप्रत्याशित चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। जिस योजना को डॉलर आकर्षित कर रुपये के अनियंत्रित अवमूल्यन को रोकने के लिए सराहा गया था, उसी ने अब घरेलू बैंकिंग प्रणाली में 10 लाख करोड़ रुपए से अधिक की अधिशेष तरलता पैदा कर दी है। आरबीआई के सामने इस विशाल धन को संभालने के लिए दो कठिन और महंगे विकल्प हैं, जो भविष्य में विनिमय दर में गिरावट या पुनर्भुगतान के दबाव से पहले ही लागतें बढ़ा रहे हैं। इस विशेष सुविधा के तहत कुल 136.4 अरब डॉलर जुटाए गए, जिसमें एफसीएनआर(बी) जमा के माध्यम से .127.2 अरब डॉलर शामिल हैं, और आरबीआई ने अधिकांश विदेशी मुद्रा को अवशोषित कर रुपये जारी किए, जिससे यह तरलता समस्या उत्पन्न हुई।

पहला विकल्प था कि डॉलर को बाजार में आने दिया जाए, जिससे रुपया और मजबूत होता। 2013 में, जब भारत का चालू खाता घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.7 फीसदी था और मुद्रास्फीति चरम पर थी, यह कदम उपयुक्त हो सकता था। उस समय एफसीएनआर(बी) ने लगभग 34 अरब डॉलर आकर्षित किए थे। हालांकि, वर्तमान परिदृश्य भिन्न है। भारत के पास पर्याप्त भंडार, स्वस्थ वृद्धि दर और लगभग शून्य चालू खाता घाटा है। बाजार में पूरी तरह से पैसा आने देने से रुपया 90 रुपए से नीचे जा सकता था, जिससे निर्यात को नुकसान होता और घरेलू विनिर्माण कमजोर पड़ता। यही कारण था कि आरबीआई ने अधिकांश विदेशी मुद्रा को अवशोषित करना उचित समझा, लेकिन इससे विनिमय दर की समस्या अब तरलता की समस्या में बदल गई है। दूसरा विकल्प यह है कि बैंकों के पास भंडार छोड़ दिया जाए ताकि वे अधिक ऋण दे सकें।

संक्षिप्त समाचार

### डेविस कप

## भारत का अंतिम-8 में जगह बनाने का टूटा सपना, कोरिया ने दर्ज की ऐतिहासिक जीत

**सियोल।** डेविस कप के नए फॉर्मेट में पहली बार 'अंतिम 8' में पहुंचने वाले पहले एशियाई देश बनने का भारत का सपना टूट गया। शनिवार को सियोल में खेले गए क्वालीफायर राउंड-2 मुकाबले में कोरिया ने भारत को 3-1 से हराकर जीत हासिल की। इस साल की शुरुआत में नीदरलैंड को हराने के बाद भारत के पास इतिहास रचने का मौका था, लेकिन शुरुआती दोनों सिंगल्स मैच हारने के बाद टीम मुश्किल स्थिति में आ गई। डबल्स मैच में शानदार प्रदर्शन से भारत ने कुछ देर के लिए मुकाबले में वापसी की उम्मीद जगाई, लेकिन कोरिया ने चौथे मैच में जीत के साथ मुकाबला अपने नाम कर लिया। दक्षिणेश्वर सुरेश और एन श्रीराम बालाजी की जोड़ी ने कोरियाई जोड़ी को 6-3, 3-6, 6-3 से हराकर भारत को नई उम्मीद दी। दूसरा सेट हारने के बाद भारतीय जोड़ी ने जोरदार वापसी की। उन्होंने तनावपूर्ण निर्णायक सेट में संयम बनाए रखा और महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल किया, जिससे वे मैच के लिए सर्विस करने की स्थिति में आ गए। भारत को मुकाबला जीतने के लिए बाकी दोनों सिंगल्स मैच अपने नाम करने थे, जिससे सुमित नागल पर दबाव बढ़ गया। हालांकि, कोरिया के सूनवू क्वोन ने रिवर्स सिंगल्स के अहम मैच में शानदार खेल दिखाया और नागल को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

### सुब्रतो कप यू-17

## मिनर्वा पब्लिक स्कूल ने गुजरात को 4-0 से रौंदा

**चंडीगढ़।** 65वें सुब्रतो कप इंटरनेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट (जूनियर बॉयज अंडर-17) में मिनर्वा पब्लिक स्कूल (सीआईएससीई का प्रतिनिधित्व) का विजय अभियान लगातार जारी है। नई दिल्ली के पीपीएफजी ग्राउंड पर खेले गए मैच-डे 4 के मुकाबले में मिनर्वा ने एकतरफा प्रदर्शन करते हुए गुजरात को 4-0 से करारी शिकस्त दी। इस शानदार जीत के साथ मिनर्वा ने टूर्नामेंट में लगातार चौथे मैच में क्लीन शीट हासिल करने का रिकॉर्ड बनाया। चार मैचों के बाद मिनर्वा की टीम कुल 30 गोल दाग चुकी है, जबकि उनके खिलाफ अब तक एक भी गोल नहीं हुआ है। सुबह 8 :30 बजे शुरू हुए इस मुकाबले में दोनों टीमों की रणनीतियों में स्पष्ट अंतर दिखा। मिनर्वा ने अपने आक्रामक 4-3-3 फॉर्मेशन के साथ शुरुआत की, जिसमें गोलकीपर रंजन के आगे साइलेक्स, चिंगखेई, टोनी और सामटे ने रक्षापंक्ति की कमान संभाली। मिडफील्ड में मूसा, के. चेतन और चेतन ने खेल की गति तय की और अटैकिंग लाइन के महेश, योहेनबा और राज को लगातार मौक़े बनाए।
वहीं, गुजरात की टीम डिफेंसिव 5-4-1 लो-ब्लॉक फॉर्मेशन के साथ उतरी, जिसका उद्देश्य मिनर्वा के हमलों को रोकना था। हालांकि, मिनर्वा के आक्रामक हाई-प्रेस ने महज 6वें मिनट में ही गुजरात के डिफेंस को तोड़ दिया।

### एशियन गेम्स: सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 114 रन से हराया

# फाइनल में भारत की बेटियां

**निशिन।** एशियन गेम्स 2026 के महिला क्रिकेट इवेंट में महिला एशिया कप 2026 की पुनरावृत्ति हो गई है। महिला एशिया कप 2026 की तरह ही एशियन गेम्स 2026 महिला क्रिकेट का फाइनल मुकाबला भारतीय टीम और श्रीलंका के बीच होगा। रविवार को खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को 114 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए खेली। इस शतक के साथ ही शेफाली ने मंधाना के सबसे तेज टी20 शतक के भारतीय महिला क्रिकेटर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। मंधाना ने 2018 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 49 गेंदों में ही शतक लगाया था। शेफाली के अलावा, स्मृति मंधाना ने 19 गेंदों पर 2 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 37 और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 33 गेंदों पर 6 चौकों की मदद से 40 रन की पारी खेली। बांग्लादेश के लिए

मुकाबले में भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। टीम इंडिया ने सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के विस्फोटक शतक की बदौलत 4 विकेट पर 195 रन बनाए थे। शेफाली ने मात्र 49 गेंदों पर शतक लगाया।

यह उनके अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर का पहला शतक था। शेफाली ने 49 गेंदों पर 9 छक्कों और 3 चौकों की मदद से नाबाद 100 रन की पारी मारूफा अख्तर, संजीदा अख्तर, राबिया खान और नाहिदा अख्तर ने 1-1 विकेट लिए। 196 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी बांग्लादेश की पूरी टीम 15.4 ओवर में 81 रन पर सिमट गई।

सर्वाधिक 24 रन ओपनर दिलारा अख्तर ने बनाए। भारतीय टीम की तरफ से नंदिनी शर्मा और दीप्ति शर्मा ने 3-3 विकेट लिए। श्री चरणी को 2 विकेट मिला। क्रांति गौड़ और श्रेयांका पाटिल ने 1-1 विकेट लिए।

### एशियन गेम्स

# चमारी अथापट्टू ने खेली कप्तानी पारी

### श्रीलंका ने सेमीफाइनल में पाकिस्तान को 8 विकेट से हराया

**निशिन।** कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए एशियन गेम्स 2026 के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को 8 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बना ली। श्रीलंकी कप्तान चमारी अथापट्टू जीत की हीरो रहीं। श्रीलंका ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान ने 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 177 रन बनाए थे। पाकिस्तान के लिए सलामी बल्लेबाज शावाल जुल्फिकार ने 50 गेंदों पर 2 छक्कों और 3 चौकों की मदद से 54 रन की पारी खेली। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरी आयशा जफर ने तूफानी अर्धशतक लगाया। आयशा 40 गेंदों पर 2 छक्कों और 9 चौकों की मदद से 71 रन बनाकर रन आउट हुईं। आयशा के रन आउट होने से पाकिस्तान का

निश्चित रूप से कुछ रन पीछे रह गया। कप्तान फातिमा सना ने 12 गेंदों पर नाबाद 20 और सायरा जबीन ने 14 गेंदों पर 17 रन बनाए थे। श्रीलंका के लिए सुगंदिका कुमारी, कप्तान अथापट्टू और काव्या काविंदी ने 1-1 विकेट लिए।

## शैफाली वर्मा ने लगाया T20I करियर का पहला शतक, स्मृति मंधाना को छोड़ा पीछे; 6 बड़े रिकॉर्ड्स किए अपने नाम

शैफाली वर्मा ने बांग्लादेश के खिलाफ एशियन गेम्स 2026 के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में अपने टी20आई क्रिकेट करियर का पहला शतक लगाने में सफलता हासिल की। शैफाली ने अपना पहला टी20आई शतक 118वें मैच में लगाया और नाबाद 100 रन की पारी खेली। ये शैफाली के टी20आई करियर का बेस्ट स्कोर भी रहा साथ ही अपनी इस पारी के दम पर उन्होंने कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए। यही नहीं उन्होंने टी20आई में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया और स्मृति मंधाना पीछे छोड़ दिया।

- **शैफाली ने तोड़ा स्मृति का रिकॉर्ड-** शैफाली ने अपनी शतकीय पारी के दौरान 9 छक्के लगाए और वो भारतीय महिला टीम की तरफ से टी20आई में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में स्मृति से आगे आ गईं। शैफाली ने अब तक कुल 104 छक्के लगाए हैं जबकि मंधाना ने कुल 100 छक्के लगाए हैं। हालांकि ओवर ऑल शैफाली इस मामले में चौथे नंबर पर आ गईं।

### एशियन गेम्स: भारतीय महिला हॉकी टीम ने उज्बेकिस्तान को 19-0 से हराया

# दीपिका ने 8 गोल किए

**काकामिगाहारा।** भारतीय महिला हॉकी टीम ने रविवार को गिफू प्रीफेचुरल ग्रीन स्टेडियम में अपने पूल बी के पहले मैच में उज्बेकिस्तान पर 19-0 से रौंदकर एशियन गेम्स 2026 में अपने सफर की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की। भारतीय टीम की जीत में सबसे बड़ी स्टार बनकर दीपिका उभरीं। दीपिका ने 8 गोल किए। इसके अलावा, इशिका ने 3, लालथंतलुआंगी और नेहा ने 2-2 गोल किए। बलजीत कौर, नवनीत कौर, लालरेमसियामी और साक्षी राणा ने 1-1 गोल किया। दीपिका की हैट्रिक की बदौलत भारतीय महिला टीम ने जोरदार प्रदर्शन किया, और हाफ-टाइम तक वे उज्बेकिस्तान के खिलाफ 8-0 से आगे थीं। ब्रेक के बाद, भारत उज्बेकिस्तान को गोल करने का कोई मौका नहीं देने के मूड में नहीं लग रहा था, और दीपिका एक बार फिर अपने सबसे अच्छे फॉर्म में थीं, उन्होंने लगातार चार गोल करके भारत की बढ़त को 13-0 कर दिया।

## एशियन गेम्स: गोल्ड मेडल का बचाव करने उतरेगी भारतीय पुरुष हॉकी टीम, दमदार फॉर्म को बरकरार रखना चाहेंगी भारत की बेटियां

**काकामिगाहारा।** भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें रविवार से एशियन गेम्स 2026 में अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। हाल ही में हुए वर्ल्ड कप में दोनों टीमों का प्रदर्शन अलग-अलग रहा था, लेकिन अब उनका लक्ष्य एशियन गेम्स में बेहतर खेल दिखाकर अच्छे नतीजे हासिल करना होगा। वर्ल्ड कप में आठवें स्थान पर रहने के बाद पूल ए में शामिल भारतीय पुरुष टीम

काकामिगाहारा के गिफू प्रीफेक्चुरल ग्रीन स्टेडियम में इंडोनेशिया के खिलाफ अपने गोल्ड मेडल को बचाने का अभियान शुरू करेगी। वहीं, वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन के बाद महिला टीम पूल बी के अपने पहले मैच में इसी स्टेडियम में उज्बेकिस्तान का सामना करेगी। एशियन गेम्स में इस खेल के लिए एक अतिरिक्त प्रोत्साहन भी है। गोल्ड मेडल जीतने वाली टीमों को ओलंपिक 2028 का टिकट मिल जाएगा। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली पुरुष टीम और सलीमा टेटे की कप्तानी वाली महिला टीम, दोनों के ही दिमाग में यह बात जरूर होगी। हाल ही में हुए वर्ल्ड कप में भारतीय पुरुष टीम सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाई थी। टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था और टीम ने आठवें स्थान पर रहते हुए टूर्नामेंट का अंत किया था। अब वे एशियन गेम्स में उस अभियान की कमियों को दूर करने की कोशिश कर रहे हैं, जिस पर कोच क्रेग फुल्टन ने भी जोर दिया है।

# पहले ही दिन भारत की चांदी

### महिला 10 मीटर एयर राइफल टीम ने जीता रजत; मुर्मू-शाह ने दी बधाई

**नई दिल्ली।** एशियन गेम्स 2026 में भारत ने अपने पदकों का खाता खोल लिया है। महिला 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में एलावेनिल वलारिवन, सोनम उत्तम मस्कर और विदर्सा के विनोद की तिकड़ी ने रजत पदक अपने नाम किया। टीम के इस प्रदर्शन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने खिलाड़ियों को बधाई दी और कहा कि उनकी उपलब्धि ने खेलों में भारत का पदक खाता खोल दिया है।

भारतीय टीम ने क्वालिफिकेशन में कुल 1898.0 अंक हासिल किए और दूसरे स्थान पर रहते हुए रजत पदक जीता। चीन ने 1904.2 के कुल स्कोर के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि मेजबान जापान 1897.1 अंक के साथ कांस्य पदक जीतने में सफल रहा।

## सोनम ने किया शानदार प्रदर्शन

भारत की ओर से सोनम उत्तम मस्कर ने क्वालिफिकेशन में सबसे बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने 634.1 अंक हासिल कर तीसरा स्थान हासिल किया। एलावेनिल वलारिवन 633.5 अंक के साथ सातवें स्थान पर रहीं। वहीं विदर्सा के विनोद ने 630.4 अंक हासिल किए और व्यक्तिगत रैंकिंग में 12वें स्थान पर रहीं। तीनों के संयुक्त प्रदर्शन ने भारत को टीम स्पर्धा में रजत पदक दिलाया।

# भारतीय महिला बैडमिंटन टीम ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

### कजाखस्तान को हराया

**नागोया।** भारत ने एशियन गेम्स 2026 के महिला बैडमिंटन टीम इवेंट के पहले दौर में कजाखस्तान को 3-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। भारत ने 90 मिनट के भीतर ही मुकाबला अपने नाम कर लिया। तीनों भारतीय खिलाड़ियों ने अपने-अपने मुकाबले सीधे गेम में जीते।

भारत ने बैडमिंटन के महिला टीम स्पर्धा में कमजोर रैंकिंग वाले कजाखस्तान को 3-0 से हराकर रविवार को एशियाई खेलों के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। अब उसके सामने मेजबान जापान की कड़ी चुनौती होगी। इचिनोमिया सिटी म्यूनिसिपल जिम्नेजियम में भारत की स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधू, उन्नति हुड्डा और तन्वी शर्मा ने बिना कोई गेम गंवाए मुकाबला अपने नाम किया।

**भारत ने जीते शुरुआती तीन मुकाबले-** विश्व रैंकिंग में 11वें स्थान पर काबिज सिंधू ने पहले मुकाबले में कमिला स्मागुलोवा को महज 24 मिनट में 21-7, 21-9 से शिकस्त दी। कजाखस्तान की कमिला की विश्व रैंकिंग 426 है। इसके बाद विश्व की 24वें नंबर की खिलाड़ी उन्नति ने अलिस्सा कुलेशोवा (विश्व रैंकिंग 866) को 22 मिनट में 21-7, 21-10 से हराया। विश्व रैंकिंग में 26वें स्थान पर मौजूद तन्वी शर्मा ने डायना नामेनोवा (विश्व रैंकिंग 1067) को 21-5, 21-10 से हराकर भारत की जीत पर मुहर लगा दी।

## भारत के सामने जापान की कड़ी चुनौती

भारत को अब मेजबान जापान के खिलाफ भारत को कहीं कड़ी परीक्षा से गुजरना होगा। जापान की टीम में विश्व की शीर्ष 10 रैंकिंग वाली तीन महिला एकल खिलाड़ी हैं। इसमें अकाने यामागुची (नंबर तीन), टोमोका मियाजाकी (नंबर सात) और नोजोमी ओकुहारा (नंबर 10) शामिल है। भारत 2023 के हांगझोउ एशियाई खेलों में क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड से हारकर खाली हाथ लौट आया था। संभावित मुकाबलों में सिंधू का सामना यामागुची से, जबकि उन्नति का मुकाबला मियाजाकी से हो सकता है। वहीं महिला युगल में भारत की ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी का सामना जापान की विश्व नंबर तीन जोड़ी युकी फुकुशिमा और मायू मात्सुमोतो से होने की संभावना है। सिंधू ने आगामी मुकाबलों में टीम टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद जताते हुए कहा, हमारी टीम अच्छी है और जापान भी मजबूत टीम है। इसलिए मुकाबला कड़ा होने वाला है। हर मैच महत्वपूर्ण है और यह एक अच्छा मुकाबला होगा। हम पूरी उम्मीद के साथ उतरेंगे और उम्मीद है कि जीत हमारी होगी।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-6-8

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-4-5-6

**मिथुन** (का की कू घ ङ छ के को हा)
शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-5

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-7-8-9

**तुला** (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। शुभांक-6-8-9

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-5-6-9

**धनु** (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-5-7-8

**मकर** (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किये गए कार्यों का प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-4-6-7

**कुंभ** (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

**मीन** (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-2-4-6

## काकुरो पहेली - 4015

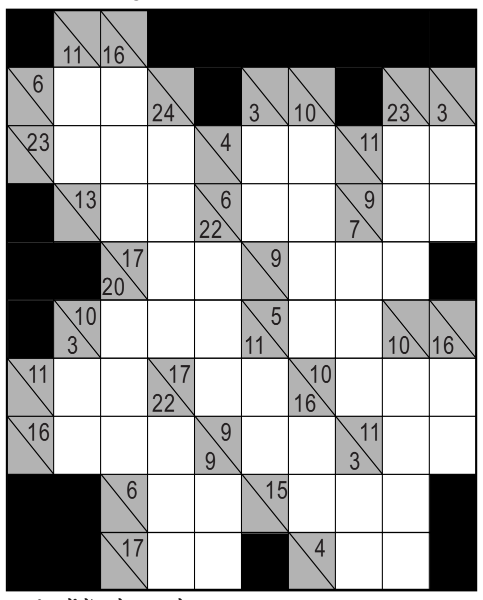

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

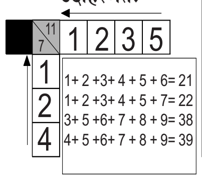

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 4014 का हल

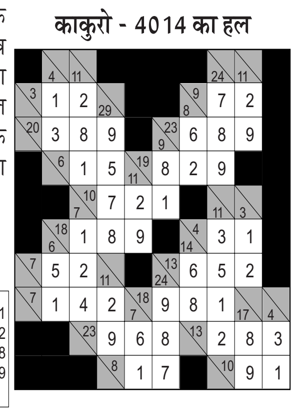

## हंसी के फूव्वारें

मालकिन ने नई नौकरानी से पूछा- 'देखो ! मैं ज्यादा बातचीत नहीं करती. अगर मैं अंगुली से इशारा करूँ तो समझ लो कि मैं बुला रही हूँ.'

इस पर नौकरानी बोली-'जी ! मैं भी बहुत कम बोलना पसन्द करती हूँ. अगर मैं अपना सिर हिला दूं तो समझ जाइये कि मैं नहीं आ सकती.'

□ □ □

जेल की एक कोठरी में बैठे तीन कैदी बता रहे थे कि वे क्यों पकड़कर बन्द कर दिये गए ?

पहला-'मै चुनाव में राजनारायण के पास में काम कर रहा था !'

दूसरा-'और मैं राजनारायण के खिलाफ काम कर रहा था !'

तीसरा-'राजनारायण मैं खुद हूँ.'

□ □ □

प्रेमिका बोली, ''मैं किसी ऐसे व्यक्ति के साथ विवाह न करूंगी जो झूठ बोलता हो.''

प्रेमी बोला, ''तब तो तुम सारा जीवन कुंवारी रहोगी.''

□ □ □

मंत्री जी ने अस्पताल के नवनिर्मित ऑपरेशन थिएटर का उद्घाटन करते हुए अपने भाषण में कहा-''भाइयों, ऑपरेशन थिएटर का निर्माण एक अच्छी बात है. इतने बड़े अस्पताल में रोगियों के मनोरंजन के लिए उनका अपना थिएटर होना बहुत जरूरी है.''

## फिल्म वर्ग पहेली- 4015

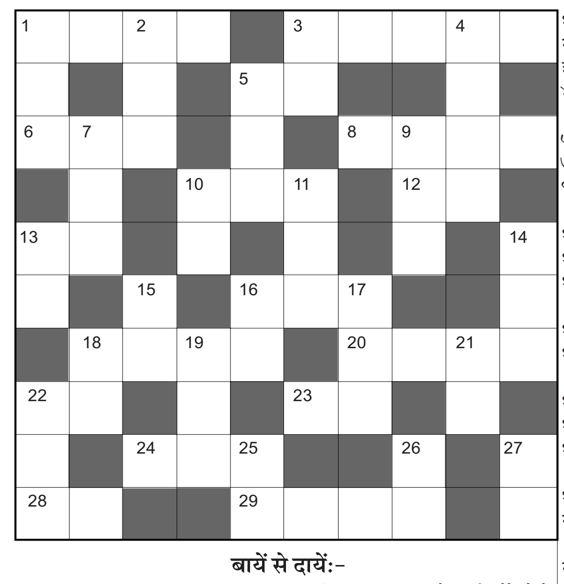

**बायें से दायें:-**

१. अक्षय खन्ना, करीना की प्रियदर्शन निर्देशित एक कॉमेडी फिल्म-४
३. 'झिलमिल सितारों का आँगन' गीत वाली धर्मेन्द्र, राखी की फिल्म-३,२
५. अजय, नाना, फरदीन, उर्मिला, रेखा की 'ये सर्द आहें' गीत वाली फिल्म-२
६. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला' गीत वाली फिल्म-४
१०. 'पर्दे में रहने दो' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा पारेख की फिल्म-३
१२. 'सीता और गीता' में संजीव के साथ वाली हेमामालिनी के पात्र का नाम-२
१३. 'शिकदुम शिकदुम' गीत वाली अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, ईशा देओल, रिमी सेन की फिल्म-२
१६. विकास भल्ला, काजोल की 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'आने वाला पल जाने' गीत वाली अमोल पालेकर, बिंदिया की फिल्म-४
२०. जैकी, मोहसिन खान, नीलम की 'एक तू ही मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'तेरा काम है जलना' गीत वाली राज कपूर और नर्गिस की फिल्म-२
२३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२४. सुदर्शन नाग निर्देशित सनी देओल, नीलम की १९९१ की एक फिल्म-३
२८. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'हम भूलेंगे' गीत वाली अमिताभ, अरशद, करिश्मा की फिल्म-४

**ऊपर से नीचे:-**

१.शॉवरअली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
२. 'भागे रे मन' गीत वाली फिल्म-३
३. सनी, सलमान, करीश्मा, तब्बू की फिल्म-२
४. अमिताभ, दीपक, डिम्पल, करिश्मा की 'कभी खुशियों की' गीत वाली फिल्म-४
५. 'तेरे नाम' में सलमान की नायिका थी-३
७. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
९. 'जिंदगी इम्तिहान' गीत वाली अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
१०. नागार्जुन, अमला की एक फिल्म-२
११. सुनील शेट्टी, रवीना, करिश्मा, की फिल्म-३
१३. संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की 'बेनाम सा ये दर्द' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तुम ने दी आवाज' गीत वाली फिल्म-३
१५. सनी, अजय जडेजा, सेलिना की 'तुमको कितना है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'इस टूटे दिल' गीत वाली फिल्म-२
१७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला टैगोर की एक फिल्म-३
१८. 'अकेले ही अकेले चला' गीत वाली दिलीपकुमार, सायरा बानो की फिल्म-२
१९. आयूब खान, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. 'ऐ मेरी जिंदगी' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
२२. राजकुमार, मीना की 'ठाड़े रहियो ओ बांके यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
२६. मनोज बाजपेयी, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
२७. 'कैसे कटे दिन' गीत वाली राजेश खन्ना, गोविंदा, जूही, माधवी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4014

## सूडोकु -4015

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 2 | | | | 1 | | |
| | | | | 2 | 5 | 7 | 3 | |
| | 9 | 4 | | 6 | 7 | | | 2 |
| | 5 | | 4 | | 3 | | | 9 |
| | 8 | | | 9 | | | 7 | |
| 1 | | | 6 | | 8 | | 2 | |
| 6 | | | 7 | 4 | | 9 | 5 | |
| | 4 | 5 | 8 | 3 | | | | |
| | | 8 | | | | 6 | | |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4014 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9 | 1 | 6 | 2 | 3 | 7 | 4 | 5 | 8 |
| 8 | 2 | 3 | 4 | 5 | 9 | 1 | 7 | 6 |
| 4 | 5 | 7 | 1 | 6 | 8 | 3 | 9 | 2 |
| 5 | 6 | 8 | 7 | 1 | 2 | 9 | 3 | 4 |
| 1 | 7 | 4 | 9 | 8 | 3 | 2 | 6 | 5 |
| 2 | 3 | 9 | 5 | 4 | 6 | 8 | 1 | 7 |
| 7 | 4 | 1 | 8 | 9 | 5 | 6 | 2 | 3 |
| 3 | 8 | 5 | 6 | 2 | 1 | 7 | 4 | 9 |
| 6 | 9 | 2 | 3 | 7 | 4 | 5 | 8 | 1 |

## शब्द पहेली - 4015

**बाएँ से दाएँ**

1.ईष्ट कृपा,वर-4
3.मान का विलोम-4
8.शैतानी करना-4,3
10.झगड़ा,बैर-3
11.जंगल,वन-3
13.सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15.जलने के बाद बचे अवशेष-2
17.कार्य-2
18.पतवार-2
19.नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21.नमस्कार-3
25.बूंद-3
26.जिज्ञासा,लगन-3
27.आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30.मां के माता-पिता-2,2
31.रपटना-4

**ऊपर से नीचे**

2.वलय,घेरा-3
4.तीन घंटे का समय-3
5.खिसकना-4
6.उन्मादी,मदमस्त-4
7.यज्ञ,होम-3
8.नगर-3
9.तिरस्कृत-3
12.रूप अभिमान-3
13.शांति-3
14.प्रतिज्ञा-3
16.सहभोज-3
20.मोजा, पायताबा-3
22.उदारता-4
23.परवरिश करना-3
24.वचन तोड़ना-4
25.लेखनी-3
28.लिखावट-3
29.अमीर,धनवान-3

शब्द पहेली -4014 का हल

# धड़कन से जुड़ी जम्हाई

**यकीनन** हम अभी तक जम्हाई आने की असलियत तक नहीं पहुंच पाए हैं। माना जाता है कि जम्हाई तभी आती है, जब हम या तो थके होते हैं या बोर हो चुके होते हैं, या इसलिए जम्हाई लेना शुरू कर देते हैं कि सामने वाला भी ले रहा है, लेकिन जम्हाई को इन बातों से साबित करना कठिन है। विज्ञानियों की जम्हाई आने की सभी जैविक वजहों को जानने में कोई रूचि नहीं रही, लेकिन वे इस बात पर एकराय हैं कि जम्हाई तभी आती है, जब हमारी सांस प्रणाली में अनैच्छिक अवरोध बन जाता है। इससे हमारे खून में कार्बन डाईऑक्साइड और ऑक्सीजन का स्तर नियमित होता है। तकनीकी रूप से कहें, तो गहरी सांस लेने और उसी के साथ धीरे-धीरे कार्बन डाईऑक्साइड छोडने की क्रिया में मुंह खोलना जम्हाई है।

दरअसल, जम्हाई सामान्य क्रिया है, लेकिन बार-बार जम्हाई आए, तो समझ लें कि इसके पीछे रीढ़ की हड्डी और स्नायु केंद्रों में उठने वाले अनचाहे धक्के हैं। शरीरविज्ञानियों का अनुमान है कि जब हम थके होते हैं या बोरियत महसूस करते हैं, तो कई बार हमारी सांस फूल जाती है। ऐसी हालत में फेफड़े को हृदयवाहिनी के जरिए ऑक्सीजन मिलना कम हो जाता है। जब जम्हाई आती है, तो उस शख्स की सतर्कता का स्तर अपेक्षाकृत बढ़ जाता है। इसकी वजह है, अचानक ऑक्सीजन की अधिक मात्रा आने से दिल की धड़कन बढ़ जाना। ऐसे में फेफड़ों को आराम मिलता है और खून में कार्बन डाई ऑक्साइड बढ़ती है, जिससे खून के जरिए ऑक्सीजन तेजी से दिमाग में जाने लगती है।

ऐसे में सामान्य प्रक्रिया के तहत सांस लेना शुरू हो जाता है यानी फेफड़ों को हवा मिलने लगती है। शरीरविज्ञानियों के मुताबिक, अगर कोई जम्हाई ले रहा हो, तो पास बैठा दूसरा शख्स भी जम्हाई लेने लगता है यानी इसे छूत लगना या 'क्षणिक रोग' कहना ठीक रहेगा। लेकिन सुस्त दिमाग वालों या मंद दिमाग वालों को खूब जम्हाइयां आती हैं। अभी कई अनसुलझे रहस्यों में से एक बड़ा रहस्य अब तक कायम है कि गर्भ में पल रहा भ्रूण क्यों जम्हाई लेता है, जबकि सभी जानते हैं कि वह गर्भ में रहते हुए अपने फेफड़ों से ऑक्सीजन लेता ही नहीं ! बल्कि पैदा होने के बाद ही वह फेफड़ों की मदद से ऑक्सीजन लेता है। इसी तरह इस रहस्य पर से भी अभी तक पर्दा नहीं उठा है कि कोई व्यक्ति रक्तवाहिनियों में ऑक्सीजन की काफी मात्रा होने के बावजूद जम्हाई क्यों लेता है?

तय है, जम्हाई आने का रहस्य जीवन के बाकी रहस्यों की तरह तो जटिल हो ही नहीं सकता, लेकिन शरीरविज्ञानियों के बीच यह पहेली सरीखा तो है ही। अब सवाल है कि कैसे माना जाए कि जम्हाई संक्रामक है, छुआछूत जैसा है या पड़ोस में बैठे शख्स के जम्हाने पर हमें भी क्यों जम्हाई आने लगती है? संक्रामक होने जैसी बातों पर यकीन करते हुए अनुसंधानकर्ताओं ने हाल में एक निष्कर्ष निकाला कि इंसानों में ही नहीं, चिम्पैंजियों में भी जम्हाई की बीमारी पाई जाती है। लेकिन कोई इसकी विश्वास करने लायक वजह बता पाने की स्थिति में नहीं है। जम्हाई लाने की वजह जानने में जटिलता है कि हम किसी को जम्हाई लेते देख सकते हैं और वैसा ही खुद के साथ भी उसी समय हो जाता है, बिना कोई वजह सोचे कि ऐसा क्यों हो गया। हमने अलग समय में देखा कि यह हो जाता है, जैसे कि ऐसा हो जाने का कोई मकसद रहा। फिनलैंड ने दिमागी ढांचे के भीतर होती जम्हाई संबंधी हलचलों की पक्की जानकारी हासिल करने के लिए दिमाग के स्कैन कराने के लिए कोष आवंटित किया। नतीजा निकला कि यह अबूझ पहेली है कि जम्हाई का संक्रमण हमें न समझते हुए या अनजाने में ही पकड़ लेता है। जो भी हो, हमारे दिमाग के 'मिरर न्यूरॉन सिस्टम' में हरकतों की वजह से जम्हाई आती है। न्यूरॉन दिमाग की अहम कोशिकाएं होती हैं। जब इंसान कुछ कर रहा होता है, तो ये सक्रिय हो उठती हैं।

फिर भी, जब तक इन सवालों को उनके माकूल जवाब नहीं मिल जाते, यह मानने का कोई कारण नहीं कि एक शख्स तब जम्हाई लेता है, जब वह बोरियत महसूस करता है या जब वह थका होता है। तसल्ली रखिए कि बोरियतभरा इंसान कोई भी हो, कम से कम जम्हाई से वह मरता तो नहीं है!

# बोतल का दूध बढ़ा सकता है बच्चों में मोटपा

**नई** रिसर्च से पता चला है कि जो बच्चे बोतल का दूध पीते हैं, आगे चल कर उनके मोटापाग्रस्त होने का खतरा ज्यादा रहता है। वैज्ञानिकों के मुताबिक इसकी वजह है बोतल के दूध में ज्यादा कैलोरी होना। इतना ही नहीं, बोतल का दूध पीने वाले बच्चों में पेटूपन की प्रवृत्ति भी बढ़ती है जिससे उभरना बहुत मुश्किल होता है। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल के वैज्ञानिकों ने 4 महीने के 881 बच्चों की खान-पान की आदतों का अध्ययन कियात। 5 साल बाद सबके चैकअप से पता चला कि जो बच्चे फॉर्मूला मिल्क (डिब्बाबंद मिल्क पाऊडर) पीते थे और जिन्हें ठोस आहार बहुत जल्दी दिया जाने लगा था, वे अपेक्षाकृत मोटे हो गए थे। बड़े होने पर उनमें मोटापे का खतरा ज्यादा था।

बोतल का दूध पीने वाले बच्चों की बजाय उन शिशुओं में एनर्जी को रैगुलेट करने की क्षमता बेहतर होती है, जो स्तनपान करते हैं।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Front Page (Semi) | - 50% | Island Position | - 50% | Strip Advt. | - 15% |
| Front Page (Solus) | - 75% | Right Hand Page | - 10% | Political Advt. | - 50% |
| Back Page | - 25% | Top of AD Column | - 15% | Pull Outs | - 50% |
| Page Three | - 20% | Any Other Spl. Position | - 10% | Discount as per deal | |

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com
Follow us : @ RashtriyaShikhar/

# घातकः घुस के मारेगा के जरिए फिर साथ आएंगे सनी-संतोषी

सनी देओल और राजकुमार संतोषी की जोड़ी हाल ही में 'बंटवारा 1947' के जरिए लंबे समय बाद साथ आई। फिल्म को दर्शकों का मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला। यह बंटवारे के दर्द से निकली एक इमोशनल कहानी थी। अब एक्टर और डायरेक्टर फिर से अपनी पुरानी फिल्म 'घातक' की सफलता को दोहराने का मन बना चुके हैं। हाल में इसकी चर्चा भी हुई थी कि दोनों फिर साथ आ सकते हैं। अब इस खबर पर मुहर भी लग चुकी है। संतोषी ने खुद 'घातक: घुस के मारेगा' टाइटल के साथ नई फिल्म की पुष्टि की है। नई फिल्म को लेकर रोचक बात ये है कि इसमें सनी 'घातक' वाले किरदार में ही नजर आएंगे, लेकिन फिल्म को उसका सीक्वल नहीं बताया गया है। सनी का वही किरदार नई कहानी और नए संदर्भ में लौटेगा। संतोषी के अनुसार इस किरदार का संबंध भी बनारस से ही है।

सनी की फिल्म के अलावा संतोषी अपनी 1994 की कल्ट कॉमेडी 'अंदाज अपना अपना' भी ला रहे हैं। नई फिल्म का टाइटल 'अदा अपनी अपनी' होगा। हालांकि यह सीक्वल नहीं होगी। निर्देशक के मुताबिक, इसकी कहानी अलग होगी, लेकिन कॉमेडी और एडवेंचर का जॉनर वही रहेगा। फिल्म में आमिर खान और सलमान खान की वापसी होगी या नहीं, इस पर उन्होंने अभी कुछ साफ नहीं किया है।

### 'बाप' और 'गबरू' के जरिए भी सनी का दिखेगा नया रूप

सनी के खाते में कुछ और फिल्में भी हैं। जिनकी झलक हाल फिलहाल में दूसरी फिल्मों के शोज में टीजर के जरिए सामने आई हैं। इनमें फिल्म 'बाप' शामिल है, जो लंबे समय से अटकी हुई थी। वहीं 'बंटवारा 1947' के साथ ही सिनेमाघरों में दिखाया गया सनी की फिल्म 'गबरू' का टीजर भी चर्चा में हैं। शशांक उदापुरकर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सनी के साथ सिमरन और प्रीत कमानी नजर आएंगी। यह फिल्म उनके दिल के काफी करीब भी है। संतोषी ने यह भी बताया कि वह सनी के साथ सिर्फ इसी फिल्म पर ही काम नहीं कर रहे हैं, बल्कि उनके पास सनी के साथ दो-तीन और कहानियां कतार में हैं। इनमें एक फिल्म में सनी अमेरिका में रहने वाले सरदार के किरदार में दिखेंगे। वहीं 'जाट' के सीक्वल 'जाट 2' को लेकर भी संतोषी ने स्थिति साफ की है कि 'जाट 2' का निर्देशन वह नहीं करेंगे।

## 'मॉन्स्टर' से अलग है मेरी फिल्म

पैन इंडिया एक्शन ड्रामा 'ओरिजिनल मॉन्स्टर' की शूटिंग शुरू होने से पहले ही फिल्म का टाइटल रिवील पोस्टर और 65 सेकंड का मोशन पोस्टर जारी किया गया। इसमें डॉ. शिवराजकुमार का अब तक का सबसे खौफनाक और हिंसक अवतार नजर आ रहा है। पोस्टर पर 'शूट बिगिन्स, वॉर बिगिन्स' लिखा है।

टाइटल की घोषणा के साथ ही सोशल मीडिया पर सलमान खान की आगामी फिल्म 'मॉन्स्टर' से इसकी तुलना शुरू हो गई। दोनों फिल्मों के नाम में समानता को लेकर चल रही बहस पर शिवराजकुमार ने साफ किया कि दोनों फिल्मों की कहानियां अलग हैं। उन्होंने कहा... 'यह शिवा बनाम सलमान नहीं है, हम एक हैं।' शिवराजकुमार कहते हैं... 'अगर भगवान की मर्जी रही तो हम साथ काम करेंगे। शायद सलमान और मैं इस बारे में आगे कभी विचार करें।'

## ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूं जो समाज से जुड़े जरूरी सवाल उठाएं

'थप्पड़' जैसी फिल्म में काम कर चुकीं अभिनेत्री नायला ग्रेवाल ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हैं, जो समाज से जुड़े जरूरी सवाल उठाएं। उनका मानना है कि महिलाओं से जुड़े मुद्दों को सिनेमा में लगातार जगह मिलनी चाहिए। आईएएनएस संग बातचीत में नायला ने कहा कि फिल्मों में जब महिलाओं की जिंदगी, उनकी परेशानियों और उनके अधिकारों से जुड़ी बातें सामने आती हैं, तो उन पर समाज में बातचीत भी शुरू होती है। नायला ने कहा, ''महिलाओं से जुड़े मुद्दे मेरे लिए काफी मायने रखते हैं। मैं इस विषय को लेकर खुद काफी जागरूक हूं और ऐसी फिल्म में काम करना चाहती हूं, जो महिलाओं से जुड़े मुद्दों को विस्तार से दिखाए। पिछले कुछ सालों में इस तरह की फिल्मों की संख्या में थोड़ी कमी आई है और अब पहले की तरह महिलाओं से जुड़े जरूरी विषयों पर पर्याप्त फिल्में देखने को नहीं मिल रही हैं।'' नायला ने इस दौरान 'थप्पड़' फिल्म की को-स्टार तापसी पन्नू की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, ''मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे 'थप्पड़' जैसी फिल्म में काम करने का मौका मिला। अनुभव सिन्हा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में तापसी ने घरेलू हिंसा और एक थप्पड़ के जरिए रिश्ते में सम्मान और बराबरी जैसे मुद्दों को सामने रखा था। तापसी ने अपने करियर में कई ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनकर महिलाओं से जुड़े मुद्दों को सामने लाने की कोशिश की है।'' अभिनेत्री ने तापसी की आने वाली फिल्म 'गांधारी' का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, ''यह फिल्म बच्चों की तस्करी जैसे मुद्दे पर बात करती है और महिलाओं से जुड़े मुद्दों को सामने लाने की अहमियत बताती है। मैं खुद भी ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहती हूं, जो इस सोच को आगे बढ़ाएं और लोगों को इन मुद्दों के बारे में सोचने पर मजबूर करें।'' इसी बात को आगे बढ़ाते हुए नायला ने महिलाओं की एक-दूसरे के प्रति जिम्मेदारी पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, ''महिलाओं को दूसरी महिलाओं का साथ देना चाहिए और उन्हें आगे बढ़ने का मौका देना चाहिए। अगर महिलाएं ही एक-दूसरे को सपोर्ट नहीं करेंगी, तो फिर इस बदलाव की शुरुआत कौन करेगा।

# प्रलय में कैमियो नहीं, बल्कि अहम भूमिका में हैं कल्याणी

कल्याणी प्रियदर्शन ने अपने चर्चित हिंदी डेब्यू प्रोजेक्ट 'प्रलय' की शूटिंग शुरू होने की जानकारी दी है। 'लोकाह' फेम एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया फिल्म की स्क्रिप्ट के फ्रंट पेज की झलक शेयर करते हुए बताया कि वह इन दिनों मुंबई में रणवीर सिंह के साथ शूटिंग में बिजी हैं। उन्होंने बताया कि इस बार ओणम पर वह तस्वीरें शेयर नहीं कर पाईं, क्योंकि वह पूरी तरह 'प्रलय' की शूटिंग में उलझी हुई हैं। बता दें कि इस फिल्म का निर्देशन जय मेहता कर रहे हैं, जो बतौर निर्देशक डेब्यू कर रहे हैं। इसकी स्क्रिप्ट जय और 'लुटेरे' फेम विशाल कपूर ने लिखी है। कल्याणी फिल्म में कैमियो नहीं, बल्कि अहम भूमिका में नजर आएंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म का बड़ा हिस्सा ऑस्ट्रेलिया में शूट किया जाएगा। पहला शेड्यूल दिवाली तक चल सकता है।

## फिल्म 'कॉलेज फेस्ट' में दिखाई देंगी रिया चक्रवर्ती

रिया चक्रवर्ती एक बार फिर अभिनय की दुनिया में सक्रिय नजर आ रही हैं। हाल ही में उन्होंने रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स इंडिया' के दूसरे सीजन में हिस्सा लेकर काफी चर्चा बटोरी थी। अब उनके हाथ एक नई फिल्म लगी है, जिसमें वह मुख्य भूमिका निभाने वाली हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'इस फिल्म का नाम 'कॉलेज फेस्ट' है और इसका निर्माण रहा है। फिल्म में रिया चक्रवर्ती के साथ पूरव झा भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। दोनों कलाकार फिल्म के लिए अपनी शूटिंग पूरी कर चुके हैं। इसमें आशीष चंचलानी भी एक महत्वपूर्ण भूमिका में दिखाई देंगे। 'कॉलेज फेस्ट' की कहानी कॉलेज के छात्रों के आसपास घूमती है। हालांकि यह आम कॉलेज फिल्म जैसी नहीं होगी। हाल ही में रिया ने 'द ट्रेटर्स इंडिया 2' में 'द वायरल फीवर' यानी टीवीएफ कर हिस्सा लेकर काफी चर्चा बटोरी थी।

## नए शो 'सयोनी' में नजर आएंगी रश्मि देसाई; बताया क्यों ठुकरा रहीं थीं ऑफर्स

एक्ट्रेस रश्मि देसाई करीब 8 साल से टीवी से दूर थीं। उन्हें पॉपुलर शो 'उतरन' से काफी पहचान मिली थी। अब इतने लंबे अंतराल के बाद एक बार फिर एक्ट्रेस छोटे पर्दे पर वापसी कर रही हैं। रश्मि देसाई करीब आठ साल बाद टीवी पर नजर आएंगी। रश्मि नए शो 'सयोनी' में माया का किरदार निभाती दिखाई देंगी। शो में उनके साथ जाह्नवी सोनी और गौतम सिंह विग भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। टीवी पर वापसी को लेकर रश्मि ने बताया कि वह सिर्फ पर्दे पर वापस आने के लिए किसी शो का हिस्सा नहीं बनना चाहती थीं। वह ऐसे किरदार और कहानी की तलाश में थीं, जिससे वह खुद को जोड़ सकें। इसी वजह से उन्होंने पिछले कुछ समय में कई ऑफर्स को ठुकरा दिया। रश्मि ने कहा कि एक कलाकार के तौर पर उनके पास काम के कई मौके आते हैं, लेकिन सिर्फ लगातार काम करते रहना और स्क्रीन पर नजर आना ही जरूरी नहीं है। उनके मुताबिक, कलाकार को ऐसा काम करना चाहिए जिसे लोग लंबे समय तक याद रखें। रश्मि को लगता है कि 'सयोनी' की कहानी में वही खास बात है और इसकी कहानी कलाकारों से भी बड़ी है। अपने किरदार माया के बारे में बात करते हुए रश्मि ने बताया कि यह सिर्फ एक काल्पनिक किरदार नहीं है, बल्कि काफी व्यावहारिक है। अभिनेत्री के मुताबिक, हर कलाकार ऐसा किरदार निभाना चाहता है, जिसे खूबसूरती से लिखा गया हो।

## राम गोपाल वर्मा के साथ फिल्म बनाएंगे मोहित सूरी

साल 2025 में आई मोहित सूरी निर्देशित फिल्म 'सैयारा' ने सिनेमाघरों में खूब बवाल काटा था। अब वे एक और फिल्म के साथ हाजिर होने वाले हैं। मोहित सूरी नई फिल्म राम गोपाल वर्मा के साथ बनाएंगे। रामू ने बड़े ही रोचक अंदाज में फिल्म की जानकारी फैंस के साथ साझा की है।

राम गोपाल वर्मा और मोहित सूरी एक नई फिल्म पकाने वाले हैं। फिल्म के लिए पकाने जैसा शब्द इसलिए इस्तेमाल किया है, क्योंकि इन्होंने अपनी नई फिल्म का एलान ही कुछ इस अंदाज में किया, मानो कोई व्यंजन पेश करने वाले हैं। राम गोपाल वर्मा ने अपने एक्स अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने अपनी और मोहित सूरी की एक तस्वीर शेयर की है। इसके साथ कैप्शन लिखा है, 'मैं और 'सैयारा' वाले मोहित सूरी अगली फिल्म साथ में पका रहे हैं। एक लव डिश जो गैंगस्टर करी से भरपूर होगी।

### एलान के साथ फैंस उत्साहित

फिलहाल तो दोनों फिल्म मेकर्स ने एक छोटा सा अपडेट देकर फैंस का उत्साह बढ़ा दिया है। उम्मीद है कि जल्द ही वे पूरी जानकारी भी साझा करेंगे।

### मोहित सूरी ने जताई खुशी

मोहित सूरी ने भी अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर यह फो री-शेयर की और RGV के लिए अपना लगाव जाहिर किया। उन्होंने लिखा, 'उनकी फिल्में देखने और फिल्ममेकर बनने का सपना देखने से लेकर... उनके साथ फिल्म बनाने तक...और वो भी खुद 'OG गैंगस्टर' राम गोपाल वर्मा के साथ फिल्म बनाने का सपना मिला है। कुछ सफर सच में पूरे हो जाते हैं। यह बात सीधे दिल से निकल रही है'।

# मंगला गौरी के लिए रुक्मिणी वसंत ने पहनी खाकी

रुक्मिणी वसंत अपनी अपकमिंग कन्नड़ फिल्म मंगला गौरी में एकदम अलग अंदाज़ में नजर आने वाली हैं। राहुल पीके के डायरेक्शन में बन रही इस फिल्म को राहुल पीके और पूजा सुधीर ने लिखा है। फिल्म के फर्स्ट लुक में रुक्मिणी पुलिस यूनिफॉर्म में स्कूटर पर बैठी नजर आ रही हैं, जिससे ऑडियंस को उनके नए कैरेक्टर की पहली झलक मिलती है। उनके साथ फ्रेम में वेटरन एक्ट्रेस मालाश्री भी नजर आ रही हैं। दोनों लीडिंग लेडीज़ की यह जोड़ी एक ऐसी कहानी का हिस्सा है, जिसमें दो अलग-अलग जनरेशन की एक्ट्रेसेज़ को सेंटर स्टेज पर लाया गया है। अपनी नुआन्स्ड परफॉर्मेंसेज़ और नेचुरल स्क्रीन प्रेज़ेन्स के लिए जानी जाने वाली रुक्मिणी ने अपने फिल्मी सफर में लगातार अलग-अलग तरह के कैरेक्टर्स को एक्सप्लोर किया है। मंगला गौरी में एक्ट्रेस खाकी पहनकर एक ऐसे रोल में कदम रख रही हैं, जो उन्हें अब तक के बिल्कुल अलग सेटिंग में पेश करता है। यह फिल्म फिल्ममेकर हेमंत एम राव के साथ उनकी दूसरी कोलाइबोरेशन भी है। इससे पहले दोनों सप्त सागरदाचे एलो में साथ काम कर चुके हैं। वहीं चङ्कह प्रोडक्शंस के साथ यह उनकी दूसरी एसोसिएशन है, इससे पहले वह टॉक्सिक का हिस्सा रह चुकी हैं। मालाश्री के साथ रुक्मिणी की पेयरिंग इस प्रोजेक्ट को और भी इंटरेस्टिंग बनाती है। दो अलग-अलग जनरेशन की दो डिस्टिंक्टिव परफॉर्मर्स का साथ आना फिल्म के लिए एक अलग ही क्यूरियोसिटी क्रिएट करता है। केवीएन प्रोडक्शंस और दक्षिणायनी टॉकीज के बैनर तले बन रही मंगला गौरी में म्यूजिक मिधुन मुकुंदन का है, सिनेमैटोग्राफी श्रीवत्सन सेल्वाराजन ने संभाली है और एक्शन कोरियोग्राफी विक्रम मोर की है। फिल्म को वेंकट के नारायण और हेमंत एम राव ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म की 75 प्रतिशत शूटिंग पूरी हो चुकी है और बाकी इसका काम कम्प्लीशन की ओर बढ़ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

### यूक्रेन में 'कार्पेथियन एट' शिखर सम्मेलन: जेलेंस्की ने 7 देशों के नेताओं की मेजबानी की, सहयोग बढ़ाने पर जोर

**कीव, एजेंसी।** यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने शुक्रवार को पश्चिमी यूक्रेन में सात क्षेत्रीय देशों के नेताओं और प्रतिनिधियों के साथ 'कार्पेथियन एट' शिखर सम्मेलन की मेजबानी की। बैठक का उद्देश्य आपसी सहयोग को और मजबूत करना है। इसमें यूक्रेन, रोमानिया, सर्बिया, पोलैंड, स्लोवाकिया, चेक गणराज्य, ऑस्ट्रिया और हंगरी शामिल हैं। यूरोपीय संघ भी इसमें शामिल है। जेलेंस्की ने कहा कि देश सुरक्षा, ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स, सीमा-पार आर्थिक संबंधों और स्थानीय समुदायों के समर्थन पर मिलकर काम करेंगे। यह बैठक ऐसे समय हुई जब यूक्रेन के कई क्षेत्रों में रातभर रूसी हमलों से आग लगी और लोगों की मौत तथा कई लोग घायल हुए। झिटोमिर क्षेत्र में दो लोगों की मौत और दो घायल हुए। खार्किव क्षेत्र में एक इलेक्ट्रिक ट्रेन पर हमले में एक व्यक्ति की मौत और छह घायल हुए। जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन को यूरोपीय संघ से करीब 3.8 अरब डॉलर की वित्तीय सहायता भी मिली है।

### अमेरिका: मादुरो की गिरफ्तारी के बाद वेनेजुएला की राष्ट्रपति से पहली बार मिलेंगे ट्रंप, न्यूयॉर्क में होगी बैठक

**वाशिंगटन, एजेंसी।** राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले हफ्ते वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज से पहली बार मुलाकात करेंगे। ट्रंप प्रशासन ने देश के पूर्व नेता को पकड़ने और रोड्रिगेज को असल में सत्ता सौंपने के लिए एक ऑपरेशन चलाया था, जिसके बाद यह मुलाकात हो रही है। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत माइक वॉल्ट्ज ने कहा कि न्यूयॉर्क शहर में दोनों नेताओं के बीच होने वाली मुलाकात एक पुल-असाइड होगी।( यह कूटनीतिक भाषा में ऐसी मुलाकात को कहते हैं जो औपचारिक द्विपक्षीय बैठक की तुलना में ज्यादा अनौपचारिक होती है। बता दें कि ट्रंप संयुक्त राष्ट्र महासभा के सालाना सत्र के लिए शहर में होंगे।

### ग्रीनलैंड पर ट्रंप का नया दांव: कब्जे की धमकी के बाद डेनमार्क से समझौता, बढ़ेगी अमेरिकी सैन्य मौजूदगी?

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एलान किया कि अमेरिका और डेनमार्क के बीच ग्रीनलैंड में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी बढ़ाने को लेकर समझौता हो गया है। खास बात यह है कि इस समझौते के बावजूद ग्रीनलैंड डेनमार्क के अधीन ही रहेगा। ट्रंप ने पिछले कई महीनों से इस द्वीप को अमेरिका के नियंत्रण में लेने की बात कही थी और सैन्य बल के इस्तेमाल की संभावना से भी इनकार नहीं किया था। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि समझौता ग्रीनलैंड की सुरक्षा और अमेरिका की दूसरी जरूरतों पर उसे स्थायी नियंत्रण देता है। उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन ग्रीनलैंड में बड़ी अमेरिकी सैन्य मौजूदगी विकसित करने की प्रक्रिया तुरंत शुरू करेगा। ग्रीनलैंड खनिज संसाधनों से समृद्ध है और आर्कटिक में इसकी रणनीतिक स्थिति इसे अमेरिका के लिए महत्वपूर्ण बनाती है।

### पाकिस्तान के मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट के संस्थापक के लंदन स्थित घर में घुसे 2 नकाबपोश, हत्या की कोशिश का दावा

**लंदन, एजेंसी।** पाकिस्तान की मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट यानी एमक्यूएम के संस्थापक अल्ताफ हुसैन से जुड़ी बड़ी खबर है। लंदन में एमक्यूएम संस्थापक अल्ताफ हुसैन के घर में 2 नकाबपोश लोगों के घुसने की कोशिश का दावा किया गया है। एमक्यूएम की ओर से सीसीटीवी फुटेज जारी कर कहा गया है कि दो नकाबपोश लोगों ने अल्ताफ हुसैन के लंदन स्थित घर में घुसने की कोशिश की। पार्टी ने इस घटना को हत्या की कोशिश बताया है। एमक्यूएम नेता मुस्तफा अजीजाबादी ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि हमलावर ट्रेंड थे और यह हमला अल्ताफ हुसैन की हत्या की कोशिश हो सकता है। उन्होंने कहा कि अल्ताफ हुसैन की सुरक्षा के लिए ब्रिटेन सरकार को मामले का संज्ञान लेना चाहिए और उन्हें सुरक्षा मुहैया करानी चाहिए। एमक्यूएम की ओर से साझा किए गए सीसीटीवी फुटेज में कथित तौर पर दो नकाबपोश लोग घर में प्रवेश करने की कोशिश करते दिखाई दे रहे हैं। पार्टी का दावा है कि इस घटना के दौरान अल्ताफ हुसैन को कोई नुकसान नहीं हुआ और उनकी जान अल्लाह की रहमत और लोगों की दुआओं से बची। अल्ताफ हुसैन पाकिस्तान की मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट यानी एमक्यूएम के संस्थापक हैं। उनके माता-पिता विभाजन के बाद भारत से पाकिस्तान चले गए थे।

# जिनपिंग के दौरे की तैयारी: ट्रंप एयरपोर्ट पर करेंगे स्वागत; किन मुद्दों पर होगी बात, क्या व्यापार तनाव घटेगा?

**वाशिंगटन, एजेंसी।** चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अगले हफ्ते अमेरिका आएंगे। यह एक दशक से ज्यादा समय बाद चीन के किसी नेता की पहली राजकीय यात्रा होगी। शी वाशिंगटन में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे। दोनों नेता व्हाइट हाउस में अहम मुद्दों पर बातचीत करेंगे। इसके साथ ही दोनों के बीच अनौपचारिक बातचीत भी होगी। शी का विमान बुधवार को वाशिंगटन के बाहर स्थित ज्वाइंट बेस एंड्रयूज पहुंचेगा। ट्रंप खुद एयरपोर्ट पर उनका स्वागत करने मौजूद रहेंगे। वरिष्ठ अमेरिकी प्रशासनिक अधिकारियों ने पत्रकारों को यह जानकारी दी। आमतौर पर ट्रंप विदेशी नेताओं से व्हाइट हाउस में मिलते हैं। इसलिए एयरपोर्ट पर उनका स्वागत करना असामान्य है। शी की यात्रा का मुख्य कार्यक्रम गुरुवार को होगा। ट्रंप और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप, शी और उनकी पत्नी पेंग लियुआन का स्वागत करेंगे। इसके लिए व्हाइट हाउस के स्टेट फ्लोर पर एक स्वागत समारोह होगा। यह समारोह घर के अंदर आयोजित किया जाएगा।

इसके बाद ट्रंप और शी रोज गार्डन में सैनिकों का निरीक्षण करेंगे। फिर दोनों नेता बंद कमरे में बातचीत करेंगे। इस बातचीत में दोनों देशों के अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। मेलानिया ट्रंप और पेंग लियुआन का अलग कार्यक्रम होगा। उधर उनके पति दोनों देशों के कामकाज से जुड़े मुद्दों पर बातचीत करेंगे। अधिकारियों ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में इसकी ज्यादा जानकारी नहीं दी। गुरुवार को शी और उनकी पत्नी राजकीय रात्रिभोज में मेहमान होंगे। ट्रंप और प्रथम महिला इस रात्रिभोज की मेजबानी करेंगे। यह रात्रिभोज व्हाइट हाउस के ईस्ट रूम में होगा। ट्रंप ने कहा कि हर कोई इस रात्रिभोज में शामिल होना चाहता है। दोनों नेता इस मौके पर भाषण भी देंगे।

**रात्रिभोज पर कौन-कौन मेहमान होंगे शामिल :** ट्रंप ने शुक्रवार को ओवल ऑफिस में पत्रकारों से कहा कि हजारों लोग इस रात्रिभोज में शामिल होना चाहते हैं। उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि व्हाइट हाउस में बनाया जा रहा 1,000 लोगों की क्षमता वाला नया बॉलरूम अभी तैयार नहीं है। इस वजह से यह कार्यक्रम वहां नहीं हो सकेगा। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अपने कई बहुत अच्छे दोस्तों से कह दिया है कि वे इस कार्यक्रम में नहीं आ सकते। व्हाइट हाउस ने रात्रिभोज में आने वाले कुछ लोगों के नाम बताए लेकिन ट्रंप के तकनीकी क्षेत्र से जुड़े कुछ दोस्तों को रात्रिभोज में आमंत्रित किया गया है। व्हाइट हाउस के अनुसार, रात्रिभोज में शामिल होने वाले लोगों में अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस भी हैं। टेस्ला और स्पेसएक्स के एलन मस्क भी शामिल होंगे। गूगल के सुंदर पिचाई भी मेहमानों की सूची में हैं। डेल टेक्नोलॉजीज के सीईओ माइकल डेल भी इसमें शामिल होंगे। सूची में एनवीडिया के जेंसन हुआंग, ओपनएआई के सैम ऑल्टमैन, सिटीग्रुप की सीईओ जेन फ्रेजर भी आएंगी। एपल के सीईओ पद से हाल ही में हटे टिम कुक भी मेहमान पेंग लियुआन फिर व्हाइट हाउस आएंगे। अगले शुक्रवार को शी और पेंग लियुआन फिर व्हाइट हाउस आएंगे। वे ट्रंप दंपती के साथ निजी चाय कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद ट्रंप दंपती उन्हें नेशनल आर्काइव्स का दौरा कराएंगे। यहां अमेरिका के इतिहास से जुड़े कई महत्वपूर्ण पुराने दस्तावेज रखे हैं। अमेरिका अपनी 250वीं वर्षगांठ मना रहा है।

**क्या टैरिफ पर दोनों देशों के बीच बनेगी बात :** दौरे के बाद शी ज्वाइंट बेस एंड्रयूज जाएंगे। यात्रा के दूसरे अहम मुद्दों पर भी अमेरिकी अधिकारियों ने जानकारी दी। इनमें टैरिफ, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और दुर्लभ खनिज शामिल हैं। अमेरिका और चीन कुछ गैर-जरूरी सामान पर टैरिफ कम कर सकते हैं। इससे दोनों देशों को फायदा हो सकता है। अमेरिकी अधिकारियों ने पत्रकारों से बातचीत में यह बात कही। उनके अनुसार, यह कदम कुछ सीमित सामानों पर लागू हो सकता है। इससे दोनों देशों को फायदा हो सकता है। अधिकारियों ने अपनी पहचान सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर यह जानकारी दी। व्हाइट हाउस ने उनके लिए ऐसी शर्तें तय की थीं।

**क्या दुर्लभ खनिज पर अमेरिका देगा कोई राहत:** हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि अमेरिका अभी अपने निर्यात नियंत्रण में ढील देने के लिए तैयार नहीं है। इसका मतलब है कि दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर अमेरिकी नियंत्रण में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। अधिकारियों ने कहा कि चीन की ओर से इन खनिजों की पर्याप्त और स्वीकार्य आपूर्ति बनाए रखने पर चर्चा होगी। लेकिन अमेरिका के निर्यात नियंत्रण कम करने के बदले चीन की ओर से कुछ देने जैसा कोई समझौता होने की संभावना कम है।

# इस्राइली राष्ट्रपति ने की अहमदिया मुसलमानों की तारीफ

**येरुशलम, एजेंसी।** इस्राइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने अहमदिया मुसलमानों की सराहना की। उन्होंने उन्हें 'साथ मिलकर जीवन जीने, सहनशीलता और सम्मान' का उदाहरण बताया। हर्जोग ने यह बात हाइफा में अहमदिया समुदाय के वार्षिक सम्मेलन में कही। इस सम्मेलन में अलग-अलग समुदायों के धर्मगुरू शामिल हुए। इसमें शिक्षाविद और सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोग भी मौजूद थे।

**जलसा सालाना में क्या चर्चा हुई :** अहमदिया समुदाय का 29वां वार्षिक सम्मेलन इस सप्ताह हाइफा में हुआ। इसे 'जलसा सालाना' कहा जाता है। इस सम्मेलन में मदीना के ऐतिहासिक संविधान पर चर्चा हुई। इसमें चर्चा की गई कि यह संविधान आज साझा नागरिकता के बारे में क्या सीख दे सकता है। अलग-अलग समुदायों के बीच संबंधों पर भी चर्चा हुई। आपसी जिम्मेदारी पर भी विचार किया गया। शांति बनाने में धर्म की भूमिका पर भी चर्चा हुई।

**कार्यक्रम में कौन-कौन मौजूद रहे :** हर्जोग ने गुरुवार को सम्मेलन में हिस्सा लिया। उनके साथ हाइफा के मेयर योना याहव भी थे। सम्मेलन में धर्मगुरू, शिक्षाविद और इस्राइली संसद यानी नेसेट के सदस्य भी शामिल हुए। हाइफा के पूर्व मेयर भी मौजूद थे। प्रमुख सांस्कृतिक और सामाजिक हस्तियां भी सम्मेलन में आईं। राजनयिक भी इसमें शामिल हुए। इनमें भारतीय राजदूत जेपी सिंह भी मौजूद थे। कई अन्य देशों से आए मेहमानों ने भी इस अहम सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस्राइली राष्ट्रपति ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस कार्यक्रम के बारे में पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि अगर दुनिया के ज्यादा लोग इस सभा को देख पाते और इस्राइली समाज का यह चेहरा भी जान पाते, तो अच्छा होता। हर्जोग ने अहमदिया समुदाय के नेता अमीर मुहम्मद शरीफ ओदेह का भी धन्यवाद किया। उन्होंने गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए उनका आभार जताया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए हर्जोग ने अलग-अलग धर्मों के लोगों के बीच बातचीत की अहमियत पर जोर दिया।

**अहमदिया समुदाय की तारीफ की :** उन्होंने अहमदिया मुस्लिम समुदाय के शांति और सहनशीलता के विचारों की तारीफ की। उन्होंने यहूदी और मुस्लिम लोगों के बीच बातचीत बढ़ाने में समुदाय के योगदान की भी सराहना की। पश्चिम एशिया में यहूदी और मुस्लिम लोगों के बीच बातचीत का जिक्र करते हुए हर्जोग ने कहा कि अहमदिया समुदाय सम्मान और हिम्मत के साथ बातचीत का समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि ऐसी बातचीत मतभेदों को स्वीकार करती है। साथ ही, यह लोगों को एक-दूसरे के करीब लाने का काम करती है। भारतीय मूल के ईकान अहमद शम्स भी सम्मेलन में शामिल हुए। उनके पिता शम्सुद्दीन दो दशक से ज्यादा समय पहले भारत से इस्राइल आए थे। वह समुदाय के इमाम हैं।

## सऊदी अरब और हूतियों में बढ़ा तनाव?: रियाद में फिर सुनी गई धमाकों की आवाज, यमन में भी हुए हमले

**रियाद , एजेंसी।** सऊदी अरब की राजधानी रियाद में शनिवार तड़के धमाकों की आवाज़ें सुनी गईं। स्थानीय लोगों को मोबाइल ऐप के जरिए हवाई सुरक्षा संबंधी अलर्ट मिले। बाद में सऊदी नागरिक सुरक्षा निदेशालय ने एक्स पर एक बयान जारी कर कहा कि रियाद और अल-खर्ज में खतरा टल गया है।

साथ ही, लोगों से अपील की गई कि वे निर्देशों का पालन करते रहें और भीड़ न लगाएं या वीडियो न बनाएं। वहीं, यमन के हूती विद्रोहियों ने शुक्रवार को कहा कि सऊदी अरब ने पिछले 24 घंटों में उनके कब्जे वाले इलाकों पर 26 हमले किए हैं। ईरान-समर्थित इस गुट और यमन की रियाद-समर्थित सरकार के बीच देश में फिर से गृहयुद्ध छिड़ गया है। गुट ने कहा कि पिछले हफ्ते उनके ठिकानों पर सऊदी हमलों की संख्या 300 तक पहुंच गई है और इन हमलों में हूती-नियंत्रित यमन के कई इलाकों को निशाना बनाया गया। इससे पहले चेतावनी दी गई थी, 'अल-खर्ज गवर्नरेट में आपातकालीन स्थितियों के लिए राष्ट्रीय प्रारंभिक चेतावनी मंच ने खतरे की चेतावनी देने के लिए एक अलर्ट जारी किया है।' सऊदी सिविल डिफेंस ने बताया कि गुरुवार को पश्चिमी सऊदी अरब के ताइफ में हूती समूह के एक ड्रोन का मलबा गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। इस ड्रोन को बीच में ही रोककर नष्ट कर दिया गया था।

सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच पिछले कुछ दिनों में तनाव तेजी से बढ़ा है। हूतियों ने सऊदी शहरों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए, जिनमें कई लोगों के घायल होने और घरों-वाहनों को नुकसान की खबर है। वहीं, सऊदी अरब ने भी यमन में हूती ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। इसके साथ ही सऊदी का दावा है कि मक्का की ओर बढ़ रहे एक ड्रोन को भी मार गिराया गया, हालांकि हूतियों ने मक्का को निशाना बनाने से इनकार किया है। अब इस संघर्ष का असर सऊदी की अहम ईस्ट-वेस्ट तेल पाइपलाइन पर भी पड़ा है। सऊदी अरब की तेल कंपनी अरामको ने कम से कम दो यूरोपीय रिफाइनिंग ग्राहकों को बताया है कि उन्हें अगले महीने यानी अक्तूबर में कच्चे तेल की डिलीवरी नहीं मिलेगी।

## रूस में संसदीय चुनाव: युद्धकालीन वोटिंग में क्रेमलिन की पकड़ मजबूत, युद्धकाल और ड्रोन हमलों के साए में मतदान

**मॉस्को, एजेंसी।** रूस में शुक्रवार, 18 सितंबर को देश के पहले युद्धकालीन संसदीय चुनाव के लिए तीन दिवसीय मतदान शुरू हुआ। इन चुनावों में लगभग कोई वास्तविक विपक्ष नहीं है, जिससे क्रेमलिन की राजनीतिक प्रभुत्व सुरक्षित रहने की पूरी संभावना है। अधिकारियों ने 11 करोड़ 10 लाख पात्र मतदाताओं के बीच मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए सप्ताहांत तक चुनाव फैला दिए हैं। इसमें इलेक्ट्रॉनिक मतदान की भी अनुमति दी गई, जिससे मतदाताओं को सुविधा मिली। सेंट्रल इलेक्शन कमीशन के अनुसार, शुक्रवार देर शाम तक ऑनलाइन मतदान सहित करीब 30 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। क्रेमलिन इन संसदीय चुनावों को यूक्रेन पर 2022 के पूर्ण पैमाने पर आक्रमण के बाद पहला चुनाव मान रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य युद्ध के लिए जन

समर्थन को रेखांकित करना और अपनी सैन्य कार्रवाई को वैधता प्रदान करना है। क्रेमलिन ने असंतोष के जरा से भी संकेत को दबाकर किसी भी राजनीतिक जोखिम से बचने की पूरी कोशिश की है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मतदान से पहले राष्ट्र से एक महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने कहा कि रूसी लोगों का चुनाव और संकल्प एक बार फिर दिखाएगा कि लाखों लोग उनके सैनिकों के साथ खड़े हैं। पुतिन ने जोर दिया कि रूसी लोग साझा मूल्यों, ऐतिहासिक स्मृति और मातृभूमि के प्रति प्रेम से बंधे एक एकजुट लोग हैं।

क्रेमलिन ने बताया कि पुतिन ने शुक्रवार को ऑनलाइन मतदान किया। कंप्यूटर स्क्रीन के सामने उनकी तस्वीरें भी जारी की गईं, जो उनकी डिजिटल भागीदारी को दर्शाती हैं। मुख्य क्रेमलिन दल, यूनाइटेड रूस, का निचली सदन, स्टेट ड्यूमा पर भारी नियंत्रण बनाए रखना लगभग तय है। 'व्यवस्थित विपक्ष' की कई छोटी पार्टियां भी अपनी उपस्थिति बनाए रखने की उम्मीद कर रही हैं। ये दल सभी प्रमुख मुद्दों पर सरकार के साथ मिलकर मतदान करते हैं, जिससे उनकी भूमिका सीमित रहती है। मतदाता दो अलग-अलग मतपत्र डालते हैं। ड्यूमा की 450 सीटों में से आधी राजनीतिक दलों का चयन करके भरी जाती हैं। शेष सीटों पर एकल-सीट निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ा जाता है, जहां मतदाता व्यक्तिगत उम्मीदवारों का चयन करते हैं। क्या रूसी नागरिक चुनावों से अलग भविष्य की उम्मीद कर रहे हैं? एसोसिएटेड प्रेस द्वारा साक्षात्कार किए गए रूसियों ने चुनाव से अलग-अलग उम्मीदें व्यक्त कीं। मॉस्को के दिमित्री किरिलिन ने इस सप्ताह की शुरुआत में बदलाव देखने की इच्छा व्यक्त की। वह एक अलग दल को सत्ता में देखना चाहते थे। हालांकि, मॉस्को के अलेक्जेंडर वर्तुखिन का मानना था कि यूनाइटेड रूस और कम्युनिस्ट जो कर रहे हैं, वह पर्याप्त है। उनके अनुसार, इन दलों के मंच सभी मुद्दों को कवर करते हैं। मॉस्को के एक मतदान केंद्र पर शुक्रवार को पेंशनभोगी गैलिना वाविलोवा ने अपनी राय व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में युद्ध समाप्त करना सबसे महत्वपूर्ण बात है। वाविलोवा ने जोर दिया।

# ट्रंप ने रूस पर प्रतिबंध बढ़ाने वाले कानून पर किए हस्ताक्षर

**वॉशिंगटन , एजेंसी।** राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कानून पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत रूस पर प्रतिबंधों का दायरा बढ़ाया गया है और रूसी तेल व गैस के बड़े खरीदारों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का प्रावधान किया गया है। साथ ही, ईरान के खिलाफ अमेरिकी प्रतिबंध लगाने के अधिकार को भी पांच साल के लिए बढ़ा दिया गया है। ट्रंप ने शुक्रवार को 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' पर हस्ताक्षर किए। व्हाइट हाउस ने कहा कि यह कानून रूस पर कानूनी प्रतिबंध, टैरिफ और रोक लगाने तथा उन्हें बढ़ाने का अधिकार देता है। साथ ही ईरान पर पहले से लगे प्रतिबंधों को भी बढ़ाता है। रिपब्लिकन सीनेटर केटी ब्रिट के बयान के अनुसार, यह कानून राष्ट्रपति को निर्देश देता है कि वे रूसी कच्चे तेल या गैस के पांच सबसे बड़े इंपोर्टर्स

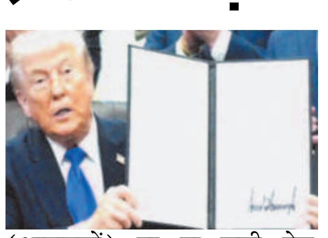

(आयातकों) पर या रूसी तेल प्रतिबंधों से बचने में मदद करने वाले शीर्ष पांच देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाएं। न तो साइन करने की घोषणा में और न ही लॉ मेकर्स के बयानों में उन देशों का नाम बताया गया जिन पर ये टैरिफ लगाए जाएंगे। उन्होंने किसी खास देश के लिए टैरिफ दर की भी घोषणा नहीं की। ब्रिट के ऑफिस ने कहा कि इस कानून में उन देशों के लिए छूट का प्रावधान है जो रूस से इतनी प्राकृतिक गैस इंपोर्ट करते हैं जो रूस के कुल प्राकृतिक गैस एक्सपोर्ट (निर्यात) का 15 प्रतिशत से भी कम है, बशर्ते वे इस इंपोर्ट को कम करने के लिए अहम कदम उठा रहे हों। ये प्रतिबंध सिर्फ ऊर्जा की खरीद तक ही सीमित नहीं हैं। सीनेटर के बयान के अनुसार, इनका निशाना रूसी अधिकारी, अमीर कारोबारी (ओलिगार्क), उनके परिवार के सदस्य, विदेशी लोग, रूसी बैंक और वित्तीय संस्थान और साथ ही रूस का 'शैडो फ्लीट' (गुप्त रूप से काम करने वाले जहाजों का बेड़ा) हैं। इस कानून में रूस और यूक्रेन में उसके युद्ध का समर्थन करने वालों के खिलाफ प्राइमरी और सेकेंडरी, दोनों तरह के प्रतिबंधों का प्रावधान है। अलबामा की रिपब्लिकन नेता ब्रिट, इस बिल पर दस्तखत के समय ओवल ऑफिस में ट्रंप के साथ मौजूद थीं। उनके ऑफिस ने बताया कि टेक्सास के रिपब्लिकन प्रतिनिधि माइकल मैककॉल भी वहां मौजूद थे। ब्रिट ने कहा, 'आज इस बिल पर दस्तखत करके राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस और उन सभी देशों को एक साफ संदेश दिया है, जो रूस की युद्ध मशीन को फंड देते हैं कि यूक्रेन के खिलाफ उनके आक्रामक कदमों का विरोध करने में अमेरिका एकजुट है।

उन्होंने इस बिल को पास कराने का श्रेय कांग्रेस के दोनों सदनों और व्हाइट हाउस में अपने सहयोगियों को दिया। उन्होंने इस कानून पर ग्राहम के काम की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'अगर उनकी कड़ी मेहनत न होती तो हम आज यहां नहीं होते और उनकी विरासत के इतने अहम हिस्से को आगे बढ़ाने में मदद करना मेरे लिए सचमुच सम्मान की बात है। इस कानून का समर्थन करने वाले इडाहो के रिपब्लिकन प्रतिनिधि माइक सिम्पसन ने अतिरिक्त आर्थिक प्रतिबंधों को युद्ध खत्म करने की कोशिशों को आगे बढ़ाने का एक जरिया बताया।

## बालों से घसीटा, 154 कोड़े और 44 साल की सजा: जेल में भी नहीं टूटीं नोबेल विजेता नरगिस मोहम्मदी; लिख डाली किताब

**तेहरान/ओस्लो, एजेंसी।** तेहरान की कुख्यात एविन जेल की ऊंची और अंधेरी दीवारों के पीछे जब कैदियों को मानसिक और शारीरिक रूप से तोड़ने के लिए डंडों से पीटा जा रहा था, तब नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी चुपचाप कागज के टुकड़ों पर एक इतिहास दर्ज कर रही थीं। कई बार सुरक्षाबलों ने पन्ने जब्त कर लिए, 20 से ज्यादा डायरियां हिंसा में खो गई, लेकिन उन्होंने लिखना बंद नहीं किया। जेल से मिले अस्थायी मेडिकल पैरोल के दौरान नरगिस ने इन्हीं पन्नों को एक संस्मरण का रूप दिया है, 'अ वुमन नेवर स्टॉप्स फाइटिंग'। उनकी यह किताब इसी महीने यूरोप के कई देशों में रिलीज हो रही है। सीएनएन को दिए एक बेहद बेबाक इंटरव्यू में 54 वर्षीय मानवाधिकार कार्यकर्ता ने जेल में दी जाने वाली अमानवीय यातनाओं और उन अधिकारियों के चेहरों को बेनकाब किया है जो इन अत्याचारों के लिए सीधे जिम्मेदार हैं। विभिन्न भाषाओं में अमन लिखे रंग-बिरंगे लिबास में महसा अमीनी की तस्वीर के आगे बैठीं नरगिस ने साफ कहा, इस किताब के बाद मुझे दोबारा जेल और गंभीर नतीजे भुगतने पड़ सकते हैं, लेकिन इस देश और इलाके में हमारे जीवन की यही कड़वी हकीकत है। इन जुल्मों का पर्दाफाश करना और सच को सामने लाना मेरा पहला फर्ज है।' नरगिस मोहम्मदी फाउंडेशन के अनुसार, ईरानी शासन के खिलाफ मानवाधिकारों और महिला स्वतंत्रता की आवाज उठाने के लिए नरगिस को अब तक कुल मिलाकर 44

साल से अधिक की जेल और 154 कोड़ों की सजा सुनाई जा चुकी है। हालिया महीनों में उनके साथ हुई बर्बरता पर नार्वेजियन नोबेल कमेटी के अध्यक्ष जोर्गन वाल्ने फ्राइडनेस ने रोंगटे खड़े कर देने वाले खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया है कि गिरफ्तारी के दौरान डंडों और लाठियों से उनके सिर पर इतना मारा गया और उन्हें बालों से घसीटा गया कि उनके सिर में गहरे खुले घाव हो गए। घायल हालत में उन्हें दो महीने तक तन्हाई बैरक में रखा गया, जहां न तो उन्हें परिवार से मिलने की इजाजत थी और न ही अपने वकीलों या डॉक्टरों से बात करने की। मार्च में जेल के भीतर उन्हें संदिग्ध दिल का दौरा पड़ा। उनका वजन 20 किलोग्राम गिर गया। अत्यधिक मानसिक तनाव के कारण दिल की बीमारी गहराने पर उन्हें 18 दिन अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। नरगिस की डायरी पन्नों ने कई खुलासे किए हैं जिनमें सीधा कत्ल करने के बजाय इंसान को मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक रूप से तिल-तिल कर तोड़ना, व्यक्ति की पहचान, मानवीय गरिमा और सोचने-समझने की क्षमता को पूरी तरह कुचल देना।

# संयुक्त राष्ट्र के बजट में 1 अरब डॉलर से ज्यादा की कटौती : ट्रंप प्रशासन

**वॉशिंगटन , एजेंसी।** ट्रंप प्रशासन ने कहा कि उसने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के बजट में 1 अरब डॉलर से ज्यादा की कटौती सुनिश्चित की। इसके साथ ही मुख्यालय के स्टाफ और शांति सैनिकों की संख्या में भी कमी की गई। यह बयान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अगले हफ्ते महासभा को संबोधित करने से पहले आया है। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने पत्रकारों को बताया कि मुख्यालय के 3,000 पदों में कटौती की जा रही है और दुनिया भर में 25 प्रतिशत से अधिक शांति सैनिकों को वापस भेजा जा रहा है। प्रशासन ने इन कटौतियों को संयुक्त राष्ट्र के काम को सीमित करने और उसके संसाधनों को शांति और सुरक्षा पर केंद्रित करने के प्रयास के रूप में पेश किया। ब्रीफिंग में बचत, प्रभावित पदों या शांति अभियानों का पूरा ब्योरा नहीं दिया गया। अधिकारी ने कहा, 'अब संयुक्त राष्ट्र के बजट में एक अरब डॉलर से अधिक की कटौती की गई है।'

अधिकारी ने इन कटौतियों को संगठन के 80 साल के इतिहास में पहली बार बताया और इसका श्रेय ट्रंप और विदेश मंत्री को दिया। इस ऐतिहासिक दावे के साथ ब्रीफिंग के दौरान कोई आंकड़े नहीं दिए गए। अधिकारी ने कहा, 'हम इसे संयुक्त राष्ट्र को डाइट पर रखना कहते हैं।'

प्रशासन का तर्क है कि संगठन ने बहुत सारी जिम्मेदारियां

ले ली हैं और उसे संघर्षों को सुलझाने पर ध्यान देना चाहिए। अधिकारी ने कहा कि बजट पर सहमति हासिल करने के लिए आम सहमति और व्यापक कूटनीतिक प्रयासों की जरूरत थी। अधिकारी को उम्मीद है कि ट्रंप अपने महासभा संबोधन में सुधारों पर चर्चा करेंगे, हालांकि भाषण की अंतिम सामग्री की घोषणा नहीं की गई थी। अधिकारी ने प्रशासन के इस कदम को संस्था को फिर से जीवित करने का अभियान बताया। उन्होंने कहा, 'हमने इसे मिलकर 'मुंगा', यानी 'मेक द यूएन ग्रेट अगेन' के रूप में रीब्रांड करने पर काम किया है। उन्होंने वार्षिक बैठक के कूटनीतिक महत्व का भी बचाव किया। मैनहट्टन में राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों, विदेश मंत्रियों, व्यापारिक नेताओं और राजनयिकों के जमावड़े से ऐसे अवसर पैदा होते हैं जिन्हें कहीं और दोहराना मुश्किल है। अधिकारी ने पिछले साल की बैठक का जिक्र किया, जब ट्रंप ने खाड़ी देशों और पाकिस्तान, तुर्की और इंडोनेशिया सहित मुस्लिम बहुल देशों को एक साथ लाया था। उन्होंने उन चर्चाओं को बाद में हुए शर्म अल-शेख शांति समझौतों और ट्रंप की 20-सूत्रीय गाजा शांति योजना से जोड़ा।

उन्होंने कहा कि प्रशासन इस साल की बैठक का उपयोग मौजूदा समझौतों और अनसुलझे कूटनीतिक प्रयासों दोनों को आगे बढ़ाने के लिए करने की उम्मीद करता है। ट्रंप सोमवार दोपहर न्यूयॉर्क पहुंचेंगे और उस शाम ट्रंप टॉवर में राजनीतिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे। वह मंगलवार सुबह महासभा को संबोधित करेंगे। उनके कार्यक्रम में ब्रिटिश और जापानी प्रधानमंत्रियों के साथ बैठकें और खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के नेताओं के साथ एक बहुपक्षीय सत्र शामिल है। वह विश्व नेताओं के लिए एक स्वागत समारोह की मेजबानी भी करेंगे और वाशिंगटन लौटने से पहले वेनेजुएला के कार्यवाहक राष्ट्रपति से मिलेंगे।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
( PRGI No. - UPHIN/25/A0086 )